page 1 and 8 aug 25_page 1 Mar 25 final ds.qxd 23-08-2025 01:47 Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 जीजीएम साइंस कॉलेज के छात्र राष्ट्रीय रेड क्रॉस कैंप के लिए रवाना

5 रिकू सिंहके तूफ़ान से उड़ा गोरखपर लायन्स, मेरठ मेवेरिक्स ने 6 विकेट से दर्ज की जीत

8 सेना कमांडर ने चिशोती में राहत कार्यों के लिए सैनिकों की सराहना की

मौसम जम्मू — न्यूनतम 25 — अधिकतम 29

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-208 | जम्मू तवी, शनिवार 23 अगस्त, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

भारत की सीमा सुरक्षा के लिए सशक्त नीति महत्वपूर्ण : किरेन रिजिजू

नई दिल्ली, 22 अगस्त। दिल्ली विश्वविद्यालय के उत्तर परिषद स्थित शंकर लाल हॉल में शुक्रवार को सीमा जागरण मंच (दिल्ली), मोतीलाल नेहरू कॉलेज सांध्य तथा सीआईपीएस के संयुक्त तत्वावधान में सीमा-पार से घुसपैठ- सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक परिवेश पर प्रभाव विषय पर आयोजित हो रहे दो-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ।

समापन समारोह के अवसर पर केन्द्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि मैं सीमावर्ती क्षेत्र से आता हूं, देश में अधिकांश लोग सीमावर्ती क्षेत्रों की समस्याएं नहीं समझते हैं। भारत को वर्षों तक विदेशी आक्रांताओं की गुलामी सहनी पड़ी, पुरानी गलतियों पर ध्यान देकर अपनी नीतियों को मजबूती से सुधारना होगा। उन्होंने बताया कि 2014 से पूर्व सीमावर्ती क्षेत्र में जाने पर यह लगता था कि दूसरे देशों के सीमावर्ती क्षेत्रों में सुविधाएं तो थीं, लेकिन हमारे देश की ओर से नहीं थीं।

उन्होंने कहा कि देश के सीमावर्ती गांवों में लोगों ने सड़क, बिजली, नेटवर्क के बारे में सोचना छोड़ दिया था, 2018 में कई सुदूरवर्ती गांवों में बुनियादी सुविधाएं पहुंची। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार में सीमावर्ती क्षेत्रों में सुविधाओं तथा विकास की दृष्टि से सकारात्मक परिवर्तन आया है, पहले यह संभव नहीं था। हिंदुस्तान अब हिम्मत के साथ अपनी जमीन के आखिरी इंच तक पहुंच रहा है।

रिजिजू ने कहा कि जो देश राष्ट्रीय हित से समझौता करते हैं, उनका भविष्य सुरक्षित नहीं रहता। सीमा जागरण मंच देश की सेवा में बढ़-चढ़कर कार्य करने वाला संगठन है।

इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दिल्ली विश्वविद्यालय, जेएनयू, हेमवती नंदन बहुगुणा विश्वविद्यालय सहित देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों के 174 शोधार्थियों तथा श्याम मिश्रा जैसे छात्रों ने घुसपैठ की समस्या से जुड़े विभिन्न विषयों पर शोध-पत्र प्रस्तुत किए। यह सम्मेलन बहु-विषयक, बहु-क्षेत्रीय संवाद के लिए विद्वानों, नीति-निर्माताओं और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों को एक साथ लाने में सफल रहा। कार्यक्रम में कुल 600 लोगों ने प्रतिभाग किया।

सीमा-विमर्श सम्मेलन में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में सम्मिलित हुए केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि सीमाओं की सुरक्षा के क्षेत्र में सीमा जागरण मंच ने अनगिनत क्रांतिकारी और दूरगामी कार्य किए हैं। उन्हें लगभग दो दशकों से मंच के साथ जुड़े रहने के कारण इसके योगदानों का प्रत्यक्ष अनुभव है।

सीमा जागरण मंच के राष्ट्रीय संयोजक मुरलीधर ने कहा कि देश के विकास में घुसपैठ बहुत बड़ी समस्या है। देश की जनता में यह समझ है कि देश की सुरक्षा केवल सेना और पुलिस की है, यह धारणा बदलनी चाहिए। सीमा जागरण मंच इस दिशा में महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है कि देश में सीमा की सुरक्षा की जिम्मेदारी और चुनौतियों की समझ हो। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति युवाओं को जागरूक हों, इसके लिए सीमा जागरण मंच अनेक प्रयास कर रहा है।

कोलकाता में बोले प्रधानमंत्री- भारत अपने शहरों का कर रहा कायाकल्प

नई दिल्ली, 22 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के कोलकाता में कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि कोलकाता जैसे शहर हमारे इतिहास और भविष्य की समृद्ध पहचान हैं। आज का कार्यक्रम इस बात का प्रमाण है कि भारत अपने शहरों का कैसे कायाकल्प कर रहा है। प्रधानमंत्री ने आज कोलकाता में नवनिर्मित खंडों पर मेट्रो ट्रेन सेवाओं को हरी झंडी दिखाई और जेस्सोर रोड मेट्रो स्टेशन से जय हिंद विमानबंदर तक मेट्रो की सवारी की। इसके अलावा उन्होंने कोलकाता में 5,200 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस दौरान आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह गर्व का विषय है कि आज भारत में

दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो रेल नेटवर्क है। 2014 में 250 किमी से अब देश में मेट्रो नेटवर्क 1000 किलोमीटर से भी ज्यादा हो गया है। पश्चिम बंगाल में रेलवे का बड़े स्तर पर विकास हो रहा है और शतप्रतिशत विद्युतीकरण करने वाले राज्यों में शामिल हो गया है। आज ही कोलकाता मेट्रो के नेटवर्क में 14 किमी और 7 स्टेशन जुड़े हैं। प्रधानमंत्री ने आज शुरू की गई परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार राज्य के विकास में बड़ा योगदान दे रही है। लंबे समय से पुरुलिया से हावड़ा के बीच मेमू ट्रेन की मांग हो रही थी, केंद्र सरकार ने जनता की ये मांग भी पूरी कर दी है। आज पश्चिम बंगाल में विभिन्न मार्गों पर नौ वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं। दो अमृत भारत ट्रेनें भी चल रही हैं। पिछले 11 वर्षों में केंद्र सरकार ने यहां कई राजमार्ग परियोजनाएं पूरी की हैं और कई अन्य पर काम चल रहा है। छह लेन वाला कोना एक्सप्रेसवे पूरा होने पर बंदरगाह तक कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी।

कठुआ में हथियारबंद संदिग्धों के देखे जाने के बाद तलाशी अभियान शुरू

कठुआ, 22 अगस्त। स्थानीय लोगों द्वारा दो संदिग्ध हथियारबंद व्यक्तियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने गुरुवार रात कठुआ जिले के राजबाग के जुथाना इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार यह सूचना रात लगभग 9:45 बजे मिली जिसके कुछ ही देर बाद रात 9:30 बजे जाखोल इलाके में एक स्थानीय व्यक्ति ने संदिग्धों को देखा।

प्रत्यक्षदर्शी ने दावा किया कि अज्ञात व्यक्ति काले कपड़े पहने हुए थे और उनके पास हथियार थे हालाँकि उनके पास कोई बैग नहीं देखा गया।

पुलिस और सुरक्षा बल तुरंत इलाके में पहुँचे और संदिग्धों का पता लगाने के लिए इलाके की घेराबंदी कर दी।

अंतिम रिपोर्ट आने तक तलाशी जारी थी और आगे की जानकारी का इंतज़ार है

कैट ने जेकेएसएसबी परीक्षा पुनर्निर्धारित करने की याचिका खारिज की

जम्मू, 22 अगस्त। केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट), जम्मू पीठ ने इस महीने के अंत में होने वाली जम्मू और कश्मीर सेवा चयन बोर्ड (जेकेएसएसबी) परीक्षा के पुनर्निर्धारण की मांग वाली कई याचिकाओं को खारिज कर दिया है। चार उम्मीदवारों ने अलग-अलग यह याचिका इस आधार पर दायर की थी कि जेकेएसएसबी परीक्षा की तारीखें - 24 अगस्त (जूनियर इंजीनियर इलेक्ट्रिकल पद) और 31 अगस्त (जूनियर इंजीनियर सिविल पद) - 22-31 अगस्त को होने वाली संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) परीक्षा से टकरा रही हैं। हालांकि, न्यायाधिकरण ने जेकेएसएसबी द्वारा निर्धारित परीक्षा कार्यक्रम में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया और कहा कि चार उम्मीदवारों की असुविधा के कारण 31,000 से अधिक उम्मीदवारों को परेशानी नहीं उठानी चाहिए, क्योंकि परीक्षा आयोजित करने की सभी तैयारियाँ पूरी हो चुकी हैं और उम्मीदवारों को प्रवेश पत्र जारी कर दिए गए हैं। प्रशासनिक सदस्य प्रज्ञा सहाय सक्सेना और न्यायिक सदस्य संजीव गुप्ता की कैट पीठ ने सात पृष्ठों के आदेश में कहा, इसके अलावा, इस स्तर पर परीक्षा प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने से 24 और 31 अगस्त को होने वाली परीक्षा के लिए किए गए विभिन्न प्रबंधों को रद्द करने के कारण सरकारी खजाने को भारी नुकसान होगा। कैट ने प्रतिवादियों की ओर से वरिष्ठ अतिरिक्त महाधिवक्ता (एएजी) मोनिका कोहली, एएजी राजेश थापा, एएजी सुदेश मगोत्रा और उप महाधिवक्ता हुनर गुप्ता तथा आवेदकों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिनव शर्मा (अभिमन्यु शर्मा द्वारा सहायता प्राप्त) की दलीलें सुनने के बाद यह फैसला सुनाया।

उपराज्यपाल ने श्रीनगर में सेंटर फॉर इनोवेशन इन पब्लिक सिस्टम्स पुरस्कारों के विजेताओं को सम्मानित किया

श्रीनगर, 22 अगस्त। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने श्रीनगर में एक समारोह में सेंटर फॉर इनोवेशन इन पब्लिक सिस्टम्स पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया।अपने संबोधन में, उपराज्यपाल ने इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के सभी विजेताओं को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि सीआईपीएस पुरस्कार सार्वजनिक प्रणालियों में परिवर्तनकारी पहलों को मान्यता देते हैं और उनका जश्न मनाते हैं ताकि तेज़ी से सामाजिक और आर्थिक प्रगति को बढ़ावा दिया जा सके और दूसरों को बदलाव का वाहक बनने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। उन्होंने सभी पुरस्कार विजेताओं के साहस और समर्पण की सराहना की, जिसके साथ उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा,

सूचना प्रौद्योगिकी, ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़कर देश की आबादी के एक बड़े हिस्से के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। उपराज्यपाल ने कहा, सिविल सेवक, इंजीनियर, डॉक्टर, वैज्ञानिक, टेक्नोक्रेट प्रशासन की रीढ़ हैं। उनकी निष्पक्षता, ईमानदारी, दक्षता और निडरता हमारी सबसे मूल्यवान संपत्ति हैं। मुझे गर्व है कि एक टीम के रूप में, उन्होंने जनता की सेवा और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए काम किया है। उपराज्यपाल ने इस बात पर प्रकाश डाला कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व ने एक मज़बूत नींव रखी है, जिससे नवीन शासन पहलों को बढ़ावा मिला है और सरकार लोगों की ज़रूरतों के प्रति अधिक संवेदनशील बनी है। माननीय प्रधानमंत्री के 'न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन' के मंत्र ने नागरिकों के जीवन को आसान बनाया है और सार्वजनिक सेवाओं का निर्बाध वितरण सुनिश्चित किया है। आज, भारत न केवल दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है, बल्कि सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में इसका भविष्य निस्संदेह उज्ज्वल है। देश भर में निरंतर और तेज़ आर्थिक विकास के लिए अनुकूल वातावरण बनाया गया है। उपराज्यपाल ने अधिकारियों से नीतिगत प्रदर्शन में सुधार, जटिल चुनौतियों का प्रबंधन और अप्रत्याशित भविष्य में होने वाले महत्वपूर्ण बदलावों का प्रभावी ढंग से समाधान करने का आह्वान किया।

सरकार ने 20 साल से ज्यादा पुराने वाहनों के लिए नवीनीकरण शुल्क बढ़ाया

नई दिल्ली, 22 अगस्त। परिवहन मंत्रालय ने 20 साल से ज्यादा पुराने मोटर वाहनों के पंजीकरण नवीनीकरण शुल्क में वृद्धि की है ताकि लोगों को इन्हें रखने से हतोत्साहित किया जा सके।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH) ने एक अधिसूचना में घोषणा की है कि 20 साल से ज्यादा पुराने हल्के मोटर वाहनों के लिए नवीनीकरण शुल्क 5,000 रुपये से दोगुना करके 10,000 रुपये कर दिया गया है। अधिसूचना के अनुसार, 20 साल से ज्यादा पुरानी मोटरसाइकिलों के लिए नवीनीकरण शुल्क 1,000 रुपये से बढ़कर 2,000 रुपये हो जाएगा। तिपहिया और क्वाड्रिसाइकिलों के लिए नवीनीकरण शुल्क 3,500 रुपये से बढ़कर 5,000 रुपये हो जाएगा। आयातित दोपहिया या तिपहिया वाहनों के मामले में, पंजीकरण प्रमाणपत्र के नवीनीकरण की लागत 20,000 रुपये होगी, जबकि चार या अधिक पहियों वाले आयातित वाहनों के लिए यह 80,000 रुपये होगी।संशोधन का मसौदा फरवरी में जारी किया गया था और 21 अगस्त को इसे अंतिम रूप दिया गया। मंत्रालय ने अक्टूबर 2021 में मोटरसाइकिल, तिपहिया वाहनों और कारों के पंजीकरण और नवीनीकरण शुल्क में वृद्धि की। इस महीने की शुरुआत में, सुप्रीम कोर्ट ने अधिकारियों को दिल्ली-एनसीआर में 10 साल से ज्यादा पुराने डीज़ल वाहनों और 15 साल से ज्यादा पुराने पेट्रोल वाहनों के मालिकों के ख़िलाफ़ ज़बरदस्ती कार्रवाई न करने का आदेश दिया था।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सैनिक स्कूल नगरोटा के 56वें स्थापना दिवस पर बालिका छात्रावास 'त्रिवेणी' का उद्घाटन किया

जम्मू, 22 अगस्त। सैनिक स्कूल नगरोटा ने अपने 56वें स्थापना दिवस को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में मनाया, जब केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री, जनाब उमर अब्दुल्ला ने नवनिर्मित बालिका छात्रावास 'त्रिवेणी' का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्कूल के वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शौर्य स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। बाद में, उन्होंने इस अवसर पर एक सामूहिक तस्वीर खिंचवाई और स्कूल के कर्मचारियों के साथ शामिल हुए।इस कार्यक्रम में 16वीं कोर मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी, जिनमें लेटिनेंट जनरल पीके मिश्रा, एवीएसएम, वाईएसएम, एसएम, जीओसी मुख्यालय 16वीं कोर और मेजर जनरल परमवीर सिंह डागर, वीएसएम, सीओएस मुख्यालय 16वीं कोर, के साथ-साथ राज्य शिक्षा विभाग के अधिकारी और स्कूल के पूर्व छात्र शामिल हुए। स्थापना दिवस समारोह की शुरुआत पारंपरिक केक काटने की रस्म के साथ हुई, जिसमें मुख्यमंत्री के साथ कैडेट स्टैनजिन चोसग्याल (स्कूल कैडेट कैप्टन) और कैडेट आयुष शान (सबसे कनिष्ठ कैडेट) भी शामिल हुए। सैनिक स्कूल नगरोटा के प्रधानाचार्य कैप्टन शिबू देवासिया ने मुख्यमंत्री को ज्ञान, वीरता और अनुशासन के मूल्यों को दर्शाते हुए एक विशेष रूप से तैयार स्कूल स्मृति चिन्ह भेंट किया। मुख्यमंत्री ने हाई टी के दौरान कर्मचारियों से भी बातचीत की और आगंतुक पुस्तिका में राष्ट्र निर्माण में स्कूल की भूमिका को स्वीकार करते हुए प्रोत्साहन भरे शब्द लिखे।

ऑनलाइन गेमिंग बिल को मिली राष्ट्रपति की मंजूरी

बना कानून, जेल और एक करोड़ जुर्माने का है प्रावधान

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को ऑनलाइन गेमिंग के संवर्धन और विनियमन विधेयक को मंजूरी दे दी, जिसे एक दिन पहले राज्यसभा ने पारित किया था। यह कानून सभी ऑनलाइन मनी गेमिंग सेवाओं पर प्रतिबंध लगाता है और सुविधा प्रदान करने वालों के लिए तीन साल तक की कैद और 1 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान करता है। ऐसे प्लेटफॉर्म का विज्ञापन करने पर दो साल तक की सजा और 50 लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है।

जम्मू के उपायुक्त ने स्कूल शिक्षा विभाग के कामकाज की समीक्षा की

जम्मू, 22 अगस्त। उपायुक्त जम्मू डॉ. राकेश मन्हास ने जिला कार्यालय में आयोजित एक बैठक में जम्मू ज़िले में स्कूल शिक्षा विभाग के कामकाज की समीक्षा की।

मुख्य शिक्षा अधिकारी जम्मू अजीत शर्मा ने एक विस्तृत प्रस्तुति के माध्यम से ज़िले में स्कूली शिक्षा परि.श्य का पूरा विवरण प्रस्तुत किया।

उपायुक्त ने बुनियादी स्कूली बुनियादी ढाँचे को मज़बूत करने पर विशेष ज़ोर दिया और कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का सीधा संबंध उचित भौतिक सुविधाओं की उपलब्धता से है। उन्होंने नामांकन आवश्यकताओं को पूरा करने के

लिए पर्याप्त कक्षाओं के निर्माण, सभी स्कूलों में लड़कों और लड़कियों के लिए अलग-अलग शौचालयों की व्यवस्था, बच्चों के समग्र विकास के लिए खेल के मैदानों के विकास और सुरक्षित शिक्षण वातावरण सुनिश्चित करने के लिए मौजूदा स्कूल भवनों के सु.ढ़ीकरण और मरम्मत पर तत्काल ध्यान केंद्रित करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने सभी क्षेत्रीय शिक्षा अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में बुनियादी ढाँचे की आवश्यकताओं का गहन मूल्यांकन करने और दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

एनईपी 2020 पर चर्चा फ़स्कूल-बिल्डिंग ब्लॉकफ़ विषय पर केंद्रित थी, जिसमें आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मकता, शिक्षकों का सतत व्यावसायिक विकास और बुनियादी ढांचे के उप-विषय शामिल थे।

20 निरीक्षकों को पुलिस उपाधीक्षक के पद पर पदोन्नत किया गया

जम्मू, 22 अगस्त। जम्मू और कश्मीर सरकार ने तत्काल प्रभाव से 20 निरीक्षकों को पुलिस उपाधीक्षक (पुलिस उपाधीक्षक) के पद पर पदोन्नत करने को मंजूरी दे दी है गृह विभाग द्वारा जारी एक आधिकारिक आदेश के अनुसार, पदोन्नत अधिकारियों में नरगिस किरमानी, फैयाज अहमद, जी.एच. हसन, महाश कुमार, अश्विनी कुमार शर्मा, जगदीप सिंह, रविंदर सिंह, पुष्पजीत सिंह, शफकत कयूम, रऊफ अहमद खान, अब्दुल हामिद अहंगर, मंजूर अहमद भट, बिलाल अहमद बदर, रोहित देव सिंह, गौहर यासीन कादरी, ललित कुमार, आजाद अहमद डार, संजय कौल, समीम हुसैन और अनुराधा रैना शामिल हैं।

अवैध खनन में लिप्त 04 वाहन जब्त

भूवैज्ञानिक और खनन विभाग कठुआ के अधिकारियों को सौंप दिया गया

कठुआ, 22 अगस्त। खनिजों के अवैध खनन और परिवहन पर नकेल कसते हुए एसएसपी कठुआ शोभित सक्सेना के नेतृत्व में कठुआ पुलिस ने थाना हीरानगर के लोंडी मोड़ क्षेत्र में अवैध खनन में लिप्त 04 वाहन जब्त किए। जनकारी के अनुसार थाना हीरानगर के प्रभारी निरीक्षक आशीष शर्मा के नेतृत्व में थाना हीरानगर की पुलिस टीम ने जेके14एच-0842, जेके02डीजी-4786, जेके02एक्यू-4295 और जेके02सीटी-0599 नंबर वाले 04 डंपरों को बिना ए फॉर्म के खनिजों के परिवहन के साथ-साथ ओवरलोडिंग में भी लिप्त पाया। इस बीच अवैध खनन में लिप्त सभी 04 वाहनों को जब्त कर लिया गया और आगे की कार्यवाई के लिए तुरंत

उपराष्ट्रपति चुनाव - एनडीए और विपक्ष के उम्मीदवारों का नामांकन मंजूर

नई दिल्ली, 22 अगस्त। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन(एनडीए) के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन और विपक्षी इंडी गठबंधन के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी के नामांकन स्वीकार कर लिए गए हैं।

राज्यसभा सचिवालय की ओर से इस संबंध में जानकारी दी गई। इसके अनुसार महासचिव एवं उपराष्ट्रपति चुनाव के निर्वाचन अधिकारी पीसी मोदी ने दाखिल नामांकन का विश्लेषण कर सीपी राधाकृष्णन और बी सुदर्शन रेड्डी का नामांकन वैध पाया और इन्हें स्वीकार कर लिया गया।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी अधिसूचना के साथ 7

अगस्त से उपराष्ट्रपति निर्वाचन की प्रक्रिया प्रारंभ हुई। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त थी और नामांकन पत्रों की संवीक्षा 22 अगस्त को की गई। इस अवधि में कुल 46 अभ्यर्थियों की ओर से 68 नामांकन पत्र दाखिल किए गए थे।

विज्ञप्ति के अनुसार 19 अभ्यर्थियों के 28 नामांकन पत्र उपयुक्त प्रावधानों के तहत पहले ही अस्वीकृत कर दिए गए। शेष 27 अभ्यर्थियों के 40 नामांकन पत्रों की 22 अगस्त को संवीक्षा की गई। संवीक्षा के दौरान भी कई नामांकन पत्र प्रावधानों के तहत अमान्य करार दिए गए। अंततः केवल दो उम्मीदवारों के नामांकन पत्र वैध पाए गए और स्वीकार किए गए। इनमें सी.पी. राधाकृष्णन तथा बुचिरेड्डी सुदर्शन रेड्डी शामिल हैं।

मशहूर हास्य कलाकार जसविंदर भल्ला का निधन

नई दिल्ली, 22 अगस्त। मशहूर हास्य कलाकार जसविंदर सिंह भल्ला और उनके करीबीदोस्त बाल मुकंद शर्मा के बीच लगभग पाँच दशक पुराना रिश्ता, जिसने पंजाब को उसके सबसे बुरे दौर में भी हँसाया, अब भावनात्मक रूप से टूटगया है क्योंकि शर्मा अपने जीवन भर के साथी के निधन पर शोक मना रहेहैं। उनकी दोस्ती 1977 में पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पीएयू) मेंसहपाठियों के रूप में शुरू हुई थी, जब दोनों ने एक साथ बीएससी मेंदाखिला लिया था। जो दोस्ती कैंपस में दोस्ती के रूप में शुरू हुई, वहजल्द ही एक यादगार साझेदारी में बदल गई। साथ में, वे ऑडियो कैसेट, स्टेज परफॉर्मेंस और प्रतिष्ठित छनकटा सीरीज़ में नज़र आए

आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्त दो सरकारी कर्मचारियों की सेवा समाप्त

श्रीनगर, 22 अगस्त। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को दो सरकारी कर्मचारियों की सेवाएं आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्तता के आरोप में समाप्त कर दी हैं। उपराज्यपाल ने यह फैसला संविधान के अनुच्छेद 311 (2)(सी) के तहत लिया है। जांच से पता चला कि दोनों सरकारी कर्मचारी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के लिए काम कर रहे थे और कानून प्रवर्तन और खुफिया एजेंसियों ने उनके खिलाफ आपत्तिजनक साक्ष्य एकत्र किए थे।बर्खास्त किये गए कर्मचारी भेड़ पालन विभाग में सहायक पशुपालक सियाद अहमद खान तथा स्कूल शिक्षक खुर्शीद अहमद राठेर उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में स्थित करनाह इलाके के निवासी हैं।

ये टिप्स अपनाएंगे तो हर कोई हो जाएगा आपके पर्सनैलिटी का फैन

आप पर्सनालिटी डेवलपमेंट शब्द को परिभाषित करने का प्रयास करते हैं तो आपके मन में क्या ख्याल आता है? क्या आपको लगता है अच्छे कपड़े पहनना या अंग्रेजी बोलना या फिर लोगों से मिलना पर्सनालिटी डेवलपमेंट है? तो जवाब मिलेगा नहीं। केवल यह शब्द मिलकर पर्सनालिटी डेवलपमेंट का कार्य नहीं करते बल्कि कई ऐसी चीजें हैं जो पर्सनालिटी डेवलपमेंट का कार्य करते हैं। आइए कुछ टिप्स के विषय में जान लेते हैं जो पर्सनैलिटी डेवलपमेंट का कार्य करते हैं।

कॉन्फिडेंस बनाएं रखें

किसी भी कार्य को आसान करने का सबसे पहला मंत्र है कॉन्फिडेंस। अगर आप किसी भी काम करते समय कॉन्फिडेंस रखते हैं तो आप किसी भी समस्या का हल ढूंढ सकते हैं। कॉन्फिडेंस से भरे लोगों से हर व्यक्ति आकर्षित हो जाता है। अगर आप अपनी पर्सनालिटी को अच्छे से डेवलप करना चाहते हैं को खुद में कॉन्फिडेंस बिल्ड करने का प्रयास करें। कॉन्फिडेंस बढ़ाने के लिए आप ज्यादा से ज्यादा पढ़ना शुरू करें और नए-नए विषयों को एक्सप्लोर करना शुरू करें।

हर विषय पर ओपिनियन बनाने का प्रयास करें

अगर आप खुद को दूसरों से अलग बनाना चाहते हैं तो प्रयास करें कि आप हर विषय में अपना एक ओपिनियन बनाएं ताकि कभी आपसे पूछा जाए तो आप जवाब दे सकें। लेकिन ध्यान रखें कि बिना मांगे ओपिनियन देने से आपकी पर्सनालिटी को नेगेटिव रूप में भी प्रदर्शित कर सकता है।

अच्छे श्रोता बनें

हम हमेशा उन लोगों को दूसरे के मुकाबले अधिक तवज्जो देते हैं जो हमारी बातों को सुनते हैं। कई लोग ऐसा मानते हैं कि अच्छा श्रोता होना एक अच्छे व्यक्तित्व की निशानी है। अगर आप भी अपनी पर्सनालिटी को बेहतर बनाना चाहते हैं तो लोगों को सुनना शुरू करें और एक अच्छा श्रोता बनने का प्रयास करें।

बॉडी लैंग्वेज को सुधारें

पर्सनैलिटी डेवलपमेंट के लिए बॉडी लैंग्वेज पर काम करना बेहद जरूरी है। आपकी बॉडी लैंग्वेज भी आपके बारे में कई बातें बताती है। आपके चलने, बैठने, बातें करने या खाने के तरीके सहित सब कुछ आपके आस-पास के लोगों पर प्रभाव डालता है। अच्छी बॉडी लैंग्वेज एक अच्छी पर्सनालिटी की तरफ कार्य करती है।

इन तरीकों से खुद को कर सकते हैं जॉब में मोटिवेट

आज के दौर में जब जॉब की इतनी बहुतायत है, वहीं लोगों में उस जॉब को पाने के लिए जरूरी स्किल्स की कमी है। अक्सर ऐसा देखने में आता है कि कुछ लोगों में अपनी सब्जेक्ट की नॉलेज तो है, पर कहीं न कहीं कई ऐसी वजहें होती है जो उन्हें अपने फील्ड में बहुत अच्छा करने से रोकती हैं। ये लोग डिमोटिवेट होते हैं। तो आइए जानते हैं खुद को मोटिवेट कैसे किया जाए

- खुद को शांत रखना सीखिए। ऐसा करने से आपका दिमाग ठीक तरीके से काम करता है और आप किसी भी समस्या का सामना कर सकते हैं।
- ऐसे विचारों को माइंड में कभी न लाएं जो आपके किसी अच्छे काम को प्रभावित करें। हम अक्सर दूसरों से राय लेने में नहीं चूकते। जब कुछ नया करने जा रहे होते हैं। अब यह निर्भर करता है कि जिससे आपने राय ली है, वह आपका हित चाहने वाला है या नहीं, तो तुरंत किसी की बात को न मानें। उस पर विचार करें। उसके बाद ही कोई कदम उठाएं।
- अगर आप किसी काम के लिए जा रहे हों तो अपने डर पर विजय हासिल करें। कॉन्फिडेंट रहिए, डर दूर करने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप सामने वालों को भी अपनी ही तरह एक आम इंसान ही समझें। सोचिए कि अगर आप किसी ऊंची पोस्ट पर होते हैं तो सब आपके हाथ में होता।
- जब आप कोई इंटरव्यू के लिए जा रहे हों तो ये सोचिए कि आप कई इंटरव्यू दे चुके हैं। भले ही यह आपका पहला इंटरव्यू रहो। इससे आपका कॉन्फिडेंस हाई रहेगा। अपनी सक्सेस को हमेशा अपने साथ लेकर चलें। यह कभी न सोचें कि अगर सिलेक्शन न हुआ तो।
- जब आप किसी इंटरव्यू के लिए जाएं तो अपना बेस्ट देने की कोशिश करें। अपनी कमियों को खुद पर हावी न होने दें। जो भी स्किल या नॉलेज आपके पास है उसे बेहतर ढंग से एक्सप्रेस करें।
- साफ-सुथरी बात सभी को अच्छी लगती है। आपका बात करने का अंदाज विनम्र होना चाहिए। साथ ही स्पष्ट और कम शब्दों में होना चाहिए।

बहुत बड़ा है एविएशन इंडस्ट्री का दायरा

अगर आप भी एविएशन इंडस्ट्री में अपना करियर बनाने की सोच रहे हैं, लेकिन अपने आप को पायलट व केबिन क्रू बनने के काबिल नहीं पाते, तो निराश मत हो, क्योंकि इसके अलावा भी अब इस सेक्टर में कई डिपार्टमेंट ऐसे हैं जहां आप अपना करियर बना सकते हैं। ज्यादातर लोग एविएशन क्षेत्र के दायरे को पायलट, एयर होस्टेज व केबिन क्रू तक सीमित कर देते हैं, लेकिन इसका दायरा बहुत बड़ा है। आप इस इंडस्ट्री में एयरपोर्ट मैनेजमेंट, एयरपोर्ट ग्राउंड स्टाफ, फ्लाइट इंजीनियर, एयर टिकटिंग, एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स, एयर कार्गो मैनेजमेंट, मीटिरियोलॉजिस्ट आदि जॉब प्रोफाइल पर भी कार्य कर सकते हैं।

ग्राउंड स्टाफ

एविएशन इंडस्ट्री में ग्राउंड स्टाफ महत्वपूर्ण होते हैं। इनका कार्य एयरपोर्ट की साफ-सफाई के साथ उसके रखरखाव करना है। एयरपोर्ट पर प्लेन जब उतर जाता है, तो उसके बाद पैसेंजरों की सुविधा और सुरक्षा का ध्यान रखना होता है। इसके साथ ही एयरपोर्ट पर सामान ढुलाई और माल स्टॉक का कार्य भी ग्राउंड स्टाफ को ही कराना होता है। ग्राउंड स्टाफ की एयरपोर्ट पर अलग-अलग कार्य की जिम्मेदारी संभालते हैं। एयरपोर्ट ग्राउंड स्टाफ में करियर बनाने के लिए आप एयरपोर्ट मैनेजमेंट से रीलेटेड सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, बैचलर और मास्टर लेवल के कोर्स कर इस फील्ड में प्रवेश कर सकते हैं। 12वीं के बाद आप इस सेक्टर में प्रवेश कर सकते हैं।

एयर कार्गो मैनेजमेंट

इस जॉब प्रोफाइल पर रहकर करियर बनाने के लिए आपको डिप्लोमा इन इंटरनेशनल एयर कार्गो मैनेजमेंट कोर्स करना होगा। जिसमें आप एविएशन हिस्ट्री एवं जियोग्राफी के अतिरिक्त कार्गो लॉ, कस्टम्स रूल्स, वेयरहाउसिंग, एयरक्राफ्ट लिमिटेशन व लोडिंग कैपेसिटी, क्लीयरेंस प्रोसिजर, क्लेम रूल्स, बीमा और फ्री ट्रेड जोन जैसे विषयों से रूबरू होंगे। इस क्षेत्र में भी प्रवेश के लिए आपको न्यूनतम 12वीं की शैक्षणिक योग्यता होना जरूरी है। यह कोर्स आपको 6 माह से 1 वर्ष तक का होता है।

एयर टिकटिंग

एविएशन के एयर टिकटिंग में करियर बनाने के लिए न्यूनतम 12वीं की शैक्षणिक योग्यता के साथ 18 वर्ष से ऊपर की आयु होनी चाहिए। न्यूनतम 6 माह से 9 माह तक की अवधि वाले कोर्स डिप्लोमा इन एयर टिकटिंग एंड ट्रैवल मैनेजमेंट में ट्रैवल एजेंसी बिजेनस, वर्ल्ड टाइम जोन, एयरपोर्ट व एयरलाइन कोड्स, पेमेंट मोड्स, फॉरेन करेंसी, पासपोर्ट व वीजा आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है।

फ्लाइट इंजीनियर

एविएशन के क्षेत्र में फ्लाइट इंजीनियर का कार्य बहुत अहम होता है। प्लेन के सभी पुर्जों की जांच करना इनकी जिम्मेदारी होती है। इसके लिए इलेक्ट्रॉनिक्स इलेक्ट्रिकल्स, मैकेनिकल, एयरोनॉटिकल या कम्प्यूटर में से किसी एक में ग्रेजुएशन होना जरूरी है। अगर आपके पास फ्लाइट इंजीनियर का ग्राउंड पाठ्यक्रम या एयर क्राफ्ट इंजीनियर लाइसेंस या सीपीएल है तो आप अप्लाई कर सकते हैं। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि आपने 12वीं विज्ञान विषयों से पास की हो और आपकी उम्र तीस साल से ज्यादा ना हो, तो आप इसमें करियर बना सकते हैं।

एयर ट्रैफिक कंटोलर्स

एविएशन के क्षेत्र में यह एक और महत्वपूर्ण जॉब प्रोफाइल है। एयरपोर्ट पर बने टॉवर से एयर ट्रैफिक कंटोलर्स हर वक्त प्लेन की उड़ानों पर नजर रखते हैं। इस फील्ड में करियर बनाने के आपको रेडियो इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रोनिक इंजीनियरिंग बीटेक या डिप्लोमा करना होगा।

मीटिरियोलॉजिस्ट

एविएशन में मीटिरियोलॉजिस्ट का भी बड़ा रोल होता है। इसमे कैरियर बनाने के लिए अगर आपके पास मौसम विज्ञान, भौतिक, कम्प्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक्स, गणित और दूरसंचार में ग्रेजुएशन व पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री है तो आप इसके लिए अप्लाई करने योग्य हैं।

टूर एंड ट्रैवल

अगर आप एविशन के क्षेत्र में रहकर अतिरिक्त कमाई करना चाहते हैं तो टूर एंड ट्रैवल आपके लिए बेस्ट होगा, इस क्षेत्र में आपको बहुत काम मिलेगा। इस क्षेत्र में आने के लिए आप 6 माह का सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर तीन वर्षीय बैचलर इन ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट और उसके बाद पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स भी कर सकते हैं।

यहां से कर सकते हैं कोर्स

- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एरोनॉटिक्स, नई दिल्ली
- फ्रांकलिन एविएशन एकेडमी, दिल्ली
- विंग्स कॉलेज ऑफ एविएशन टेक्नोलॉजी, पुणे
- ए जे एविएशन एकेडमी, मुम्बई
- राजीव गांधी एविएशन एकेडमी, हैदराबाद
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एरोनॉटिक्स साइंस, जमशेदपुर
- हिंदुस्तान एविएशन एकेडमी, बंगलूरू

क्या है आर्कियोलॉजी? किस कोर्स के बाद मिलेगी हाई सैलरी

अगर आप इतिहास से लगाव रखते हैं और आप रोमांच के साथ रहस्य से पर्द उठाना चाहते हैं। साथ ही आपमें ऐतिहासिक चीजों को जानने और उनके बारे में तरह-तरह की जानकारियां पता करने की इच्छा है तो आप आर्कियोलॉजिस्ट के तौर पर अपना करियर बना सकते हैं। इतिहास और भूगोल के रहस्यों से पटे भारत में इसके अच्छे हड़प्पा सभ्यता के बाद से भारत में ऐतिहासिक खोज न के बराबर हुई है और फिलहाल इतिहास संबंधित खोज को लेकर एक बड़ा वैक्यूम यहां बना हुआ है, जो बड़े आइडियाज और क्रिएटिविटी का इंतजार कर रहा है। इसके साथ ही दुनियाभर में शोध के लिए आर्कियोलॉजी के विद्यार्थियों की मांग है।

क्या है आर्कियोलॉजी

पृथ्वी पर छपी पुरानी सभ्यता और संस्कृति का वैज्ञानिक दृष्टिकोण से अध्ययन करना व उनकी खोज करना आर्कियोलॉजी कहलाता है। आर्कियोलॉजी में उस इतिहास के बारे में यह जानने की कोशिश की जाती है कि पुरानी सभ्यताओं में लोगों का रहन- सहन कैसा था। किस तरह की वस्तुओं का वो इस्तेमाल करते थे। अनुमानों लेकर तत्कालीन समाज और परिवेश के आकलन का काम भी एक आर्कियोलॉजिस्ट को करना होता है। साथ ही वह कार्बन डेटिंग और समय गणना का काम भी करता है। सभी तरह के ऐतिहासिक वस्तु या सभ्यता के वर्तमान से जुड़ाव और विकास के क्रम को निर्धारित करने की जिम्मेदारी भी एक आर्कियोलॉजिस्ट की होती है।

किस तरह का होता है कोर्स

अगर आप इस क्षेत्र में जाना चाहते हैं तो आपको 12वीं की परीक्षा इतिहास विषय के साथ पास करनी होगी। इसके बाद आप

आर्कियोलॉजी में डिप्लोमा, बैचलर, मास्टर और पीएचडी पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, जिनमें प्रवेश के लिए अलग-अलग योग्यताएं निर्धारित की गई हैं। इससे जुड़े कोर्स देश के सभी प्रमुख विश्वविद्यालयों से किए जा सकते हैं। मास्टर इन कंजर्वेशनए प्रिजरवेशन एंड हेरिटेज मैनेजमेंट और मास्टर इन आर्कियोलॉजी एंड हेरिटेज मैनेजमेंट जैसे कोर्स इस क्षेत्र में आगे बढ़ने की सीढ़ी हो सकते हैं। इसके अलावा आप हिस्टॉरिकल आर्कियोलॉजी, जिओ आर्कियोलॉजी, आर्कियोबॉटनी, क्रॉनोलॉजिकल, एथनोआर्कियोलॉजी, एक्सपेरिमेंटल ऑर्कियोलॉजी, आर्कियोमेट्री जैसे कोर्स भी कर सकते हैं।

जरूरी योग्यता

एक बेहतरीन आर्कियोलॉजिस्ट अथवा म्यूजियम प्रोफेशनल बनने के लिए प्लीस्टोसीन पीरियड अथवा क्लासिकल लैंग्वेजए मसलन पाली, अपभ्रंश, संस्कृत, अरेबियन भाषाओं में से किसी की जानकारी आपको कामयाबी की राह पर आगे ले जा सकती है। आर्कियोलॉजी न केवल दिलचस्प विषय है बल्कि इसमें कार्य करने वाले प्रोफशनल्स के लिए चुनौतियों में भरा क्षेत्र भी है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए अच्छी विश्लेषणात्मक क्षमताए तार्किक सोचए कार्य के प्रति समर्पण जैसे महत्वपूर्ण गुण जरूर होने चाहिए। कला की समझ और उसकी पहचान भी आपको औरों से बेहतर बनाने में मदद करेगा।

यहां से कर सकते है कोर्स

- आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया
- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी
- दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ हेरिटेज रिसर्च एंड मैनेजमेंट
- कर्नाटक स्टेट यूनिवर्सिटी

जॉब ऑप्शन क्या हैं

आर्कियोलॉजी में कोर्स पूरा करने के बाद आपको जॉब के कई ऑप्शन मिलेंगे। जिनमें मुख्य रूप से भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग, नई दिल्ली, राज्यों में स्थित भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग, विभिन्न संग्रहालय, एनजीओ और यूनिवर्सिटी, विदेश मंत्रालय का हिस्टोरिकल विभाग, शिक्षा मंत्रालय, पर्यटन विभाग, इंडियन काउंसिल ऑफ हिस्टोरिकल रिसर्च आदि।

सैलरी व संभावनाएं

यह ऐक ऐसा क्षेत्र है जहां पर आपको रोमांच और रहस्य के साथ अच्छी सैलरी भी मिलती है। अगर आपने किसी प्राइवेट सेक्टर में जाना चाहते हैं तो आप 30 से 50 हजार रूपये प्रतिमाह की जॉब आसानी से पा सकते हैं, जो अनुभव व आपकी खोज के साथ

जॉब प्रोफाइल के हिसाब से लाखों रूपये की सैलरी पा सकते हैं।

इंश्योरेंस इंडस्ट्री में करियर बनाना है बेहद आसान

इंश्योरेंस इंडस्ट्री एक ऐसी इंडस्ट्री है जो पिछले कुछ सालों से लगातार तेजी से विस्तार कर रही है, जिसके चलते एक्चुरियल प्रोफेशनल्स की डिमांड काफी बढ़ गया है। अगर आप भी इंश्योरेंस सेक्टर में करियर बनाने का सोच रहे हैं तो यह समय काफी अच्छा है, खास कर कोरोना के बाद इंश्योरेंस के हेल्थ सेक्टर में बूस्ट आया है। आज के समय लगभग हर परिस्थिति से निपटने के लिए बीमा कंपनियों के पास पॉलिसी हैं। जीवन बीमा, यात्रा बीमा, वाहन बीमा, स्वस्थ्य बीमा तथा गृह बीमा इनमें सबसे ज्यादा प्रचलित हैं।

एजुकेशन

इस क्षेत्र में जाने के लिए आप 12वीं व ग्रेजुएशन के बाद भी जा सकते हैं, लेकिन विषय का पूरा ज्ञान लेने के लिए एक्चुरियल साइंस से संबंधित कोर्सेस में स्नातक डिग्री के लिए मैथ्स या स्टेटिस्टिक्स में 55 प्रतिशत अंकों के साथ बारहवीं पास होना आवश्यक है जबकि पीजी डिप्लोमा, मास्टर्स डिग्री और सर्टिफिकेट कोर्स के लिए मैथ्स-स्टेटिस्टिक्स, इकोनॉमेट्रिक्स सब्जेक्ट से स्नातक जरूरी है। स्टूडेंट्स, इंस्टीट्यूट ऑफ एक्चुरीज ऑफ इंडिया को मेंबर के तौर पर भी ज्वाइन कर सकते हैं। एक्चुरी प्रोफेशनल बनने के लिए स्टूडेंट्स को एक्चुरियल सोसाइटी ऑफ इंडिया का फेलो मेंबर होना जरूरी है। यह संस्थान इसमें कोर्सेस भी कराता है।

इंश्योरेंस का कार्य क्षेत्र

इसके लिए मैथ्स और स्टैटिस्टिक्स के मेथड्स का इस्तेमाल करके इंश्योरेंस और फाइनेंस इंडस्ट्री में जोखिम का अनुमान लगाते हैं। एक्चुरियल प्रोफेशनल्स यह हिसाब लगाते हैं कि किसी पॉलिसी होल्डर को प्रीमियम के तौर पर कितनी राशि का भुगतान करना होगा या किसी कंपनी को पेंशन या रिटर्न पर कितना खर्च करना होगा। प्रोफेशनल का काम अचानक घटी घटना के आर्थिक प्रभाव का अंदाजा लगाने का भी होता है। आज इस क्षेत्र से जुड़े प्रोफेशनल्स को इंश्योरेंस इंडस्ट्री का बैकबोन भी कहा जाने लगा है।

स्किल व एलिजिबिलिटी

इस क्षेत्र में कार्य करने के लिए खुद को अपडेट रखना जरूरी है। खुद में लोगों की परेशानी को समझने, नई तकनीक सीखने में हिचकिचाहट न होने, कम्युनिकेशन के साथ मैथ और स्टेटिस्टिक्स पर पकड़ मजबूत रखने जैसे स्किल का होना जरूरी है। अपनी योग्यता के आधार पर आप एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर एंड असिस्टेंटए डेवलपमेंट ऑफिसरए इंश्योरेंस एजेंटए इंश्योरेंस सर्वेयरए एक्चुरी मैनेजरए रिस्क मैनेजर जैसे पदों पर काम कर सकते हैं।

जॉब्स के अवसर

अगर आपके पास एक्चुरियल साइंस की डिग्री है तो आपके लिए इन दिनों नौकरियों के लिए कई रास्ते खुल गए हैं। इंश्योरेंस, बैंकिंग, बीपीओ-केपीओ, आईटी सेक्टर, मल्टीनेशनल कंपनियों, फाइनेंशियल कंपनियों आदि में इनके लिए अच्छे मौके होते हैं। दूसरी तरफ, बीपीओ कंपनी में भी जोखिम के बारे में विश्लेषण करने के लिए बड़े पैमाने पर एक्चुरियल प्रोफेशनल्स की हायरिंग होती है। बीपीओ में काम करने वाले एक्चुरी प्रोफेशनल्स की सैलरी भी आम बीपीओ एंप्लॉइज की तुलना में दो से तीन गुना अधिक होती है।

भारत में संभावनाएं इसलिए भी अधिक हैं, क्योंकि वैश्विक ग्राहकों को कम संसाधन और न्यूनतम लागत में अच्छी सुविधाएं मुहैया करा रहे हैं। वहीं एक्चुरियल प्रोफेशनल्स की डिमांड सरकारी और प्राइवेट इंश्योरेंस कंपनियों में ही नहीं, बल्कि टेरिफ एडवाइजरी कमिटी, इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी, सोशल सिक्योरिटी स्कीम, फाइनेंशियल एनालिसिस फर्म में भी है।

सैलेरी

इस क्षेत्र में आप फ्रेशर के तौर पर प्रतिमाह 20 से 30 हजार रुपये तक आसानी से पा सकते हैं। वहीं अनुभव व समय के साथ किसी उच्च पद पर पहुंचने पर आप 1 लाख रुपये का मासिक वेतनमान भी ले सकते हैं। यदि आपने किसी टॉप कॉलेज से एमबीए इन इंश्योरेंस किया है तो आप अपनी फर्स्ट जॉब में ही ज्यादा बेहतर वेतनमान की अपेक्षा कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

कालेज ऑफ वोकेशनल स्टडीज, दिल्ली विश्वविद्यालय
एकेडमी ऑफ इंश्योरेंस मैनेजमेंट, दिल्ली
बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, दिल्ल
इंश्योरेंस इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, मुंबई
एक्चुरियल सोसाइटी ऑफ इंडिया
अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़
यूनिवर्सिटी ऑफ पुणे, पुणे
एमिटी स्कूल ऑफ इंश्योरेंस एंड एक्चुरियल साइंस, नोएडा

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल, जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

एसएमवीडीयू में वर्ल्ड एंटरप्रेन्योर्स डे का भव्य आयोजन, नवाचार और स्टार्टअप्स पर हुई चर्चा

जम्मू, 22 अगस्त (हि.स.)। कटरा स्थित श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसेम्बिडियू) में वर्ल्ड एंटरप्रेन्योर्स डे बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर स्कूल ऑफ मैकेनिकल इंजीनियरिंग और एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट सेल द्वारा इंस्टीट्यूशन्स इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) के तत्वावधान में अनेक विचारोत्तेजक सत्र आयोजित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ डीन अकैडमिक्स प्रो. बलबीर सिंह के स्वागत संबोधन से हुआ, जिन्होंने उद्यमिता को राष्ट्र निर्माण का अहम स्तंभ बताते हुए विद्यार्थियों को नवाचार-आधारित करियर अपनाने के लिए प्रेरित किया। कुलपति प्रो. प्रगति कुमार ने स्टार्टअप्स को भारत की आर्थिक प्रगति का इंजन करार देते हुए युवाओं से तकनीकी ज्ञान को व्यावहारिक चुनौतियों पर लागू करने का आह्वान किया।

डॉ. संजय मोहन ने विश्वविद्यालय के एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट सेंटर की गतिविधियों की जानकारी दी, जबकि डॉ. संजीव आनंद ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। तकनीकी सत्रों में सीएस शिवानी गुप्ता ने रणनीतिक स्पष्टता और सतत व्यवसायिक विकास पर प्रकाश डाला। वहीं मिस्टर अर्जुन आनंद (मैनेजिंग डायरेक्टर, निंदिया - आनंद पॉलीयूरेथेन प्रा. लि.) ने द एंटरप्रेन्योरियल एज- टर्निंग पैशन टू प्रोग्रेस विषय पर अपने अनुभव साझा किए और विद्यार्थियों को अवसर पहचानने व दृढ़ संकल्प से आगे बढ़ने का संदेश दिया।

जीजीएम साइंस कॉलेज के छात्र राष्ट्रीय रेड क्रॉस कैंप के लिए रवाना

जम्मू, 22 अगस्त (हि.स.)। गवर्नमेंट गांधी मेमोरियल (जीजीएम) साइंस कॉलेज, जम्मू के छात्रों का दल कुरुक्षेत्र (हरियाणा) में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय रेड क्रॉस कैंप में भाग लेने के लिए रवाना हुआ। कॉलेज प्राचार्य प्रो. (डॉ.) रोमेश कुमार गुप्ता ने रेड रिबन क्लब की संयोजक डॉ. रोज़ी बंबा की उपस्थिति में टीम को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह कैंप युवाओं को मानवीय सेवा, नेतृत्व प्रशिक्षण और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का अवसर प्रदान करता है। जीजीएम कॉलेज का दल यहां विभिन्न गतिविधियों में अपनी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन करेगा, जिसमें गायन, नृत्य और नाट्य प्रस्तुति जैसी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ-साथ वाद-विवाद और विचार-विमर्श जैसे बौद्धिक कार्यक्रम शामिल होंगे। छात्रों के साथ सहायक प्रोफेसर डॉ. शेख मुजफ्फर भी गए हैं, जो पूरे कैंप के दौरान उनका मार्गदर्शन करेंगे। इस अवसर पर छात्रों ने प्राचार्य प्रो. (डॉ.) रोमेश के. गुप्ता का आभार व्यक्त किया और कहा कि उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर कॉलेज का प्रतिनिधित्व करने का यह अमूल्य अवसर मिला है। शुभकामनाएं देते हुए प्राचार्य गुप्ता ने छात्रों से सेवा और समर्पण की भावना को बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वास जताया कि उनकी सक्रिय और उत्साही भागीदारी न केवल कॉलेज के लिए गौरव का कारण बनेगी, बल्कि दूसरों को भी मानवीय कार्यों में योगदान देने के लिए प्रेरित करेगी।

जम्मू में न्यूरोथेरेपी पर दो दिवसीय टीचर ट्रेनिंग कैंप का शुभारंभ

जम्मू, 22 अगस्त (हि.स.)। लाजपत राय मेहरा न्यूरोथेरेपी रिसर्च ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट के तत्वावधान में त्रिकुटा यात्री निवास, जम्मू में दो दिवसीय टीचर ट्रेनिंग कैंप का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जम्मू वेस्ट के विधायक अरविंद गुप्ता ने न्यूरोथेरेपी को भारतीय पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान का अद्भुत संगम बताते हुए कहा कि इसकी स्वीकार्यता देशभर में तेजी से बढ़ रही है। गुप्ता ने संस्थान को जागरूकता फैलाने और आमजन को किफायती उपचार उपलब्ध कराने के मिशन को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम की शुरुआत गुरुजी के चित्र समक्ष दीप प्रज्वलन और पुष्पांजलि से हुई। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी वीणू भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में लगभग 70 न्यूरोथेरेपिस्टों ने भाग लिया जिनमें 22 राज्यों के प्रतिनिधि, स्टेट कोऑर्डिनेटर और अध्ययन केंद्रों के प्रभारी शामिल रहे। इस मौके पर ऑल इंडिया न्यूरोथेरेपी ऑर्गनाइजेशन के अध्यक्ष अजय गांधी, संस्थान के अध्यक्ष राम गोपाल परिहार, महासचिव पुष्पक श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष सुमित महाजन और बरिंदर प्रसाद चौरेसिया सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे।

समारोह के दौरान सेवा भारती जम्मू-कश्मीर-लद्दाख, श्री आत्मा वल्लभ जैन चैरिटेबल क्लिनिक, संवेदना समिति, स्टैंड की ह्यूमैनिटी और पीएचडब्ल्यूएस हायर सेकेंडरी स्कूल जैसी पांच संस्थाओं को सामाजिक सेवा के लिए सम्मानित किया गया। राम गोपाल परिहार ने बताया कि देशभर में सैकड़ों न्यूरोथेरेपी केंद्र संचालित हो रहे हैं और हरियाणा व गुजरात की विश्वविद्यालयों में न्यूरोथेरेपी कोर्स शुरू किए गए हैं। अब तक एक मिलियन से अधिक मरीज इससे लाभान्वित हो चुके हैं।

एंटी क्राइम एनजीओ ने थाना प्रभारी बिशनाह इंस्पेक्टर राकेश जम्वाल से की भेंट

जम्मू, 22 अगस्त (हि.स.)। समाज के कल्याण और पुलिस-जन सहयोग को मज़बूत बनाने के उद्देश्य से एंटी क्राइम एनजीओ ने थाना प्रभारी (एसएचओ) बिशनाह इंस्पेक्टर राकेश जम्वाल से विशेष मुलाक़ात की, यह कार्यक्रम एनजीओ के चेयरमैन श्याम लाल गुप्ता के निर्देशन में आयोजित किया गया, जो लगातार संगठन को समाजसेवा की ओर अग्रसर कर रहे हैं। इंस्पेक्टर राकेश जम्वाल ने एनजीओ की इन गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास पुलिस की कार्यप्रणाली को सहयोग देने के साथ-साथ जनता और पुलिस के बीच भरोसे और सहयोग की भावना को भी मज़बूत करते हैं। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि खेल और जागरूकता अभियानों में युवाओं की भागीदारी से उनके उत्साह और ऊर्जा को सही दिशा मिलती है, जिससे अपराध और नशे जैसी प्रवृत्तियों में कमी आती है। चेयरमैन श्याम लाल गुप्ता ने राकेश जम्वाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी टीम भविष्य में भी इसी तरह समाजहित में सार्थक कार्यक्रम आयोजित करती रहेगी। उन्होंने कहा कि पुलिस और जनता के बीच आपसी विश्वास और तालमेल से ही नशाखोरी, अपराध और अन्य सामाजिक चुनौतियों पर काबू पाया जा सकता है।

खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग द्वारा ग्रामोद्योग समन्वय जागरूकता शिविर का आयोजन

जम्मू, 22 अगस्त (हि.स.)। खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग, राज्य कार्यालय जम्मू, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से आज भारत-पाकिस्तान सीमावर्ती गाँव हक्कल, आर.एस. पुरा, जिला जम्मू में ग्रामोद्योग समन्वय जागरूकता शिविर का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्य कार्यालय, जम्मू, खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग, मिनिस्ट्री ऑफ एमएसएमई, भारत सरकार के अधिकारियों ने ग्रामोद्योग विकास योजना के तहत विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान करते हुए ग्रामवासियों को इन योजनाओं का लाभ उठाने की प्रेरणा दी और बताया कि यह आयोजन ग्रामीण समुदाय को सशक्त बनाने और उनके जीवन स्तर को सुधारने के उद्देश्य से किया जा रहा है

15.35 ग्राम हेरोइन, नकदी और सोने के सामान के साथ महिला ड्रग तस्कर गिरफ्तार

जम्मू, 22 अगस्त (हि.स.)। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अपनी सफलता को जारी रखते हुए मीरां साहिब पुलिस स्टेशन ने एक विश्वसनीय स्रोत से मिली सूचना के आधार पर 21/22 अगस्त 2025 की मध्यरात्रि को छापेमारी की। वाणी बीबी, पत्नी रेहम अली, निवासी लंगोटियां, तहसील आर.एस. पुरा, जम्मू के आवास पर एक सुव्यवस्थित तलाशी अभियान के दौरान पुलिस ने 15.35 ग्राम हेरोइन जैसा पदार्थ 1,00,720/- की नकदी और सोने के सामान बरामद किए जिनके ड्रग तस्करी से प्राप्त होने का संदेह है।

जम्मू के उपायुक्त ने राजिंदर बाज़ार का किया दौरा, बाज़ार की माँगों और शिकायतों को सुना

जम्मू 22 अगस्त (हि.स.)। जम्मू के उपायुक्त डॉ. राकेश मन्हास ने पुराने जम्मू शहर के राजिंदर बाज़ार का दौरा किया और बाज़ार संघ से बातचीत कर उनकी माँगों और शिकायतों को सुना।

व्यापारियों ने सुरक्षा कैमरे लगाने, भीड़भाड़ कम करने के उपाय,

जर्जर तारों और केबलों को ठीक करने और बाज़ार को एक हेरिटेज बाज़ार के रूप में विकसित करने जैसे मुद्दे उठाए।

उपायुक्त ने धैर्यपूर्वक उनकी बात सुनी और आश्वासन दिया कि उनकी माँगों पर विचार-विमर्श के लिए उन्हें उचित रूप से नोट कर लिया गया है। उन्होंने आगे बताया कि शहर में व्यापार, पर्यटन और वाणिज्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भविष्य में होने वाले विचार-विमर्श के दौरान व्यापारियों को सूचित रखा जाएगा।

जीडीसी महानपुर में राष्ट्रीय प्रतीक के कानूनी उपयोग पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कठुआ 22 अगस्त (हि.स.)। राजकीय महाविद्यालय महानपुर में राष्ट्रीय प्रतीक के कानूनी उपयोग पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. मोहिंदर नाथ शर्मा ने प्राचार्य डॉ. संगीता सूदन के मार्गदर्शन में किया।डॉ. मोहिंदर नाथ शर्मा ने राष्ट्रीय प्रतीक के उपयोग से संबंधित कानूनी प्रावधानों पर विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि छात्रों को वाहनों, नोटबुक या अनधिकृत स्थानों पर राष्ट्रीय प्रतीक का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए और इसके सम्मानजनक उपयोग के बारे में दूसरों में जागरूकता फैलानी चाहिए। उन्होंने भारत गणराज्य की सत्ता और संप्रभुता के प्रतीक के रूप में राष्ट्रीय प्रतीक के महत्व पर भी प्रकाश डाला। यह राष्ट्र की पहचान, अखंडता और एकता का प्रतिनिधित्व करता है और नागरिकों को न्याय, साहस और धार्मिकता के मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रेरित करता है। चूँकि यह अशोक के सिंह स्तंभ से लिया गया है, इसलिए यह भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और नैतिक मूल्यों को भी दर्शाता है।

गोवंश तस्कर गुरजंत सिंह पर पीएसए के तहत मामला दर्ज

कठुआ 22 अगस्त (हि.स.)। कठुआ पुलिस ने गोवंश तस्करी की कई गतिविधियों में संलिप्तता के बाद एक आदतन अपराधी गोवंश तस्कर पर जन सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार जिला मजिस्ट्रेट कठुआ के निर्देश पर आरोपी गुरजंत सिंह पुत्र जसबीर सिंह निवासी मिशरपुरा तहसील बडाला जिला गुरदासपुर (पंजाब) के खिलाफ वारंट जारी किया गया था। जिसके बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कठुआ के पर्यवेक्षण में लखनपुर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर तारिक अहमद के नेतृत्व में लखनपुर पुलिस स्टेशन की पुलिस पार्टी ने आरोपी को गिरफ्तार किया और जम्मू-कश्मीर जन सुरक्षा अधिनियम 1978 की धारा 8 (1) (ए) के तहत उक्त वारंट तामील किया, जो जिला पुलिस कठुआ से डोजियर प्राप्त होने के बाद जिला मजिस्ट्रेट कठुआ द्वारा आरोपी के खिलाफ जारी किया गया था। उक्त आरोपी एक आदतन अपराधी/गोवंश तस्कर था और आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहने का आदी था। और विभिन्न थानों में उसके खिलाफ कई मामले दर्ज है। उक्त आरोपी पिछले एक महीने से गिरफ्तारी से बच रहा था। आखिरकार शुक्रवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया और वारंट की तामील हो गई।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

निविदा संख्या- **112, 115, 116-2025-26-ADEN- I-ASR & 117-2025-26-ADEN/JUC & 113-2025-26-ADEN-II-ASR** दिनांक : 21.08.2025

वरिष्ठ मण्डल अभियंता-तृतीय, फिरोजपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित ई-निविदाएं, अंतिम तिथि 12.09.2025 समय 15:00 बजे तक, **www.ireps.gov.in** पर आमंत्रित की जाती है। निविदाकर्ता अपने मूल / संशोधित निविदा बंद होने की तिथि तथा समय तक प्रस्तुत कर सकते है। मैन्युअल निविदा मान्य नहीं है और ऐसे किसी भी मैन्युअल प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया जाएगा। ठेकेदार निविदा प्रपत्र की लागत और बयाना राशि का भुगतान केवल **www.ireps.gov.in** पोर्टल पर उपलब्ध ऑन लाइन साधनों के माध्यम जैसे नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, व क्रेडिट कार्ड आदि से भुगतान कर सकते हैं। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकस चेक, एफ.डी.आर. व रसीदों आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नही हैं।

निविदा प्रकार	निविदा अनुभाग	बोली प्रणाली
खुला	कार्य	एकल बोली प्रणाली
निविदा अपलोड करने की तिथि	बोली शुरू की तिथि	बोली समापन की तिथि तथा समय
19.08.2025	29.08.2025	12.09.2025 15:00 बजे

क्र.स.	निविदा संख्या	निविदा का विवरण
1.	112-2025-26-ADEN-I-ASR	वरिष्ठ मंडल अभियंता-तृतीय/फिरोजपुर के अधिकार क्षेत्र में सहायक मंडल अभियंता-प्रथम और द्वितीय/अमृतसर के अधीन पुल संख्या 49 (बटाला-कादियां), पुल संख्या 20 (अमृतसर-बटाला), पुल संख्या 65, 123 और 140 (वेरका-डेरा बाबा नानक), पुल संख्या 63 डाउनलाइन और 65 अपलाइन, डाउनलाइन (जालंधर शहर-अमृतसर) और पुल संख्या 16ए और 185ए (अमृतसर-खेमकरन) पर मौजूदा स्टील चैनल स्लीपरों को एच-बीम स्लीपरों से प्रतिस्थापित करना।

विज्ञापन मूल्य (रु.)	ब्याना राशि	ऑफर की वैधता	समापन की अवधि
7,04,12,092.79/-	5,02,100.00/-	60 दिन	12 महीने

सामान प्रकीर्ति का कार्य :- "रनिंग ट्रैक में एच बीम/स्टील चैनल स्लीपरों का निर्माण और बिछाना।"

क्र.स.	निविदा संख्या	निविदा का विवरण
2.	113-2025-26-ADEN-II-ASR	जालंधर सिटी-अमृतसर सेक्शन पर पुल संख्या 136 पर मौजूदा स्टील ट्रफ स्लीपर को 180 एच-बीम स्लीपर से प्रतिस्थापित किया जाएगा।

विज्ञापन मूल्य (रु.)	ब्याना राशि	ऑफर की वैधता	समापन की अवधि
58,74,908.40/-	1,17,500.00/-	60 दिन	12 महीने

सामान प्रकीर्ति का कार्य : "रनिंग ट्रैक में एच बीम/स्टील चैनल स्लीपरों का निर्माण और बिछाना।"

क्र.स.	निविदा संख्या	निविदा का विवरण
3.	115-2025-26-ADEN-I-ASR	रामदास में मौजूदा प्लेटफार्म और अन्य यात्री सुविधाओं जैसे शेल्टर आदि को ऊंचा करना और विस्तारित करना, स्टेशन भवन के अग्रभाग में सुधार सहित अन्य कार्य।

विज्ञापन मूल्य (रु.)	ब्याना राशि	ऑफर की वैधता	समापन की अवधि
2,39,23,751.89/-	2,69,600.00/-	60 दिन	12 महीने

सामान प्रकीर्ति का कार्य : "ट्रैक कार्य के अलावा कोई भी सिविल कार्य।"

क्र.स.	निविदा संख्या	निविदा का विवरण
4.	116-2025-26-ADEN-I-ASR	अमृतसर-खेमकरन खंड पर तरनतारन में गतिशीलता में सुधार के लिए लोडिंग लाइन संख्या 4 पर रिसेप्शन और डिस्पैच सुविधा।

विज्ञापन मूल्य (रु.)	ब्याना राशि	ऑफर की वैधता	समापन की अवधि
1,80,84,052.30/-	2,40,400.00/-	60 दिन	12 महीने

सामान प्रकीर्ति का कार्यः "सीटीआर/टीआरआर/टीएफआर/टीटीआर जिसमें ट्रैक को ऊपर उठाना, स्क्रीनिंग, ट्रैक को डिस्ट्रेस करना, ट्रैक रखरखाव मशीन जैसे टैम्पिंग मशीन/बैलास्ट स्क्रीनिंग/रेगुलेटिंग मशीन और टीटीआर के लिए पूर्व और बाद का कार्य शामिल है, टी-28 द्वारा।"

क्र.स.	निविदा संख्या	निविदा का विवरण
5.	117-2025-26-ADEN-JUC	सहायक मंडल अभियंता/जालंधर शहर के अनुभाग में लेवल क्रॉसिंग की मरम्मत और रखरखाव का कार्य।

विज्ञापन मूल्य (रु.)	ब्याना राशि	ऑफर की वैधता	समापन की अवधि
89,99,216.86/-	1,80,000.00/-	60 दिन	12 महीने

सामान प्रकीर्ति का कार्यः ट्रैक कार्य के अलावा कोई भी सिविल कार्य।

नोट : 1. निविदा डालने से पहले, निविदाकर्ता निविदा के संबंध में जारी किए गए किसी भी शुद्धिपत्र की जॉच करेंगे। 2. हिन्दी में किसी भी त्रुटि हेतु अंग्रेजी वर्जन का अवलोकन करें, तथा अंग्रेजी वर्जन ही मान्य होगे।

2555/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

वृक्षारोपण अभियान चलाया शुद्ध हवा और हरियाली का दिया संदेश

जम्मू, 22 अगस्त (हि.स.)। जम्मू के छन्नी हिम्मत क्षेत्र में ब्राह्मण सभा छन्नी हिम्मत ने पर्यावरण संरक्षण और शुद्ध हवा व हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया। यह अभियान सेक्टर नंबर-3 से शुरू किया गया, जिसका उद्घाटन धार्मिक विद्वान फूल कृष्ण शास्त्री ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच किया। इस अवसर पर सभा के प्रधान सुनील शर्मा, श्री सनातन धर्म सभा के पूर्व अध्यक्ष जगदीश डोगरा और जनरल कैटेगरी पीपुल्स फोरम के अध्यक्ष यश पॉल सासन विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभा के प्रधान सुनील शर्मा ने बताया कि यह पहल आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ और सशक्त वातावरण की नींव रखेगी। उन्होंने कहा कि ऐसे पौधे लगाए जा रहे हैं, जिनसे लोगों को न केवल शारीरिक बल्कि आध्यात्मिक लाभ भी मिलेगा। आयुर्वेदिक दृष्टिकोण से वातावरण को शुद्ध बनाने वाले पौधों का विशेष रूप से चयन किया गया है ताकि समाज को तंदुरुस्ती और स्फूर्ति मिल सके। उन्होंने स्थानीय निवासियों से अपील की कि वे इस अभियान से जुड़कर छन्नी हिम्मत के हर सेक्टर को हरा-भरा बनाने में सहयोग दें। आने वाले दिनों में इस अभियान को और तेज़ गति से आगे बढ़ाया जाएगा। सभा के सदस्य रमन शर्मा ने कहा कि ब्राह्मण सभा भविष्य में भी ऐसे सेवाकार्य करती रहेगी और सेवा, समाज सेवा, राष्ट्रसेवा तथा नरसेवा-नारायणसेवा के अपने लक्ष्य को आगे बढ़ाती रहेगी। इस अवसर पर स्वस्तंत्र बक्शी, परषोतम शर्मा, धर्मेंदर पांडेय, अजय कुमार, अर्जुन कुमार, परवीन शर्मा, प्राण नाथ कौल, मनमोहन नारद, रोहित कुमार, दिव्यानकर शर्मा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

उत्तर रेलवे

हॉस्पिटल विजिटिंग विशेषज्ञों की नियुक्ति

उत्तर रेलवे फिरोजपुर मण्डल में हॉस्पिटल विजिटिंग विशेषज्ञों की नियुक्ति के लिए नोटिस।

क्रम संख्या	चिकित्सालय का नाम	हॉस्पिटल विजिटिंग विशेषज्ञ	पदों की संख्या
1	मण्डल चिकित्सालय फिरोजपुर	ई एन टी	01
		नेत्र रोग	01
		मनोरोग	01
2	उप मण्डल चिकित्सालय, अमृतसर	नेत्र रोग	01
		फिजीशियन	01
3	मण्डल चिकित्सालय, जम्मू तवी	नेत्र रोग	01
		फिजीशियन	01

नियुक्ति को नियंत्रण करने वाले विस्तृत नियम और शर्ते मुख्य चिकित्सा अधीक्षक कार्यालय, उत्तर रेलवे मण्डल चिकित्सालय फ़िरोज़पुर और उत्तर रेलवे की वेबसाइट **www.nr.indianrailways.gov.in** पर उपलब्ध है।

इच्छुक डाक्टर अपना पेशेवर अनुभव/जन्म प्रमाण/योगता प्रमाण पत्र, संपर्क विवरण के साथ अपना बायो-डाटा मुख्य चिकित्सा अधीक्षक कार्यालय, उत्तर रेलवे मण्डल चिकित्सालय फ़िरोज़पुर -152001 को 20.9.2025 को 13.00 बजे तक जमा करवा सकतें हैं।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक
उत्तर रेलवे, फिरोजपुर

2543/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

जम्मू विश्वविद्यालय में रंगयुग का ऐतिहासिक डोगरी नाटक चंचलो' मंचित, दर्शक हुए भावविभोर

जम्मू, 22 अगस्त (हि.स.)। स्कूल ऑफ विजुअल एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स, डिज़ाइन एंड आर्किटेक्चर, जम्मू विश्वविद्यालय ने इंस्टीट्यूट ऑफ म्यूज़िक एंड फाइन आर्ट्स और ज़मीन फाउंडेशन कश्मीर के सहयोग से रंगयुग का प्रसिद्ध डोगरी नाटक चंचलो शुक्रवार को यहां ब्रिगेडियर राजिंदर सिंह ऑडिटोरियम में प्रस्तुत किया। प्रो. शोएब इनायत मलिक (प्राचार्य, आईएमएफए और निदेशक, एसवीएपीएडीए) की पहल पर आयोजित इस कार्यक्रम में आरजे डॉ. जुही मोहन ने 90 मिनट तक अकेले मंच पर दमदार अभिनय कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। नाटक के अंत में पूरा सभागार खड़े होकर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

नादिरा ज़हीर बाबर के हिंदी नाटक सकुबाई पर आधारित चंचलो में शहर में काम की तलाश में आई एक घरेलू सहायक की कहानी को हास्य, व्यंग्य और भावुकता के साथ प्रस्तुत किया गया, जो प्रवासन, शोषण और श्रम की गरिमा जैसे मुद्दों को उजागर करता है। प्रो. नीलू रोहमेत्रा (डीन, रिसर्च स्टडीज) ने कहा कि चंचलो केवल नाटक नहीं, बल्कि उन आवाज़ों का प्रतिनिधित्व है जो अक्सर अनसुनी रह जाती हैं। वहीं प्रो. ख्वाजा मोहम्मद एकरामुद्दीन (जेएनयू) ने इसे समाज का आईना और आत्मबोध का माध्यम बताते हुए डॉ. जुही मोहन के प्रदर्शन की सराहना की।

सेना ने गुज्जर-बक्करवाल समुदाय के साथ जागरूकता सत्र आयोजित

जम्मू, 22 अगस्त (हि.स.)। भारतीय सेना ने जिले के सौंनी और पंघाई क्षेत्रों में गुज्जर और बक्करवाल समुदाय के लिए एक इंटरैक्टिव अवेयरनेस सत्र आयोजित किया। इस पहल का उद्देश्य वन अधिकार अधिनियम, डेरा माइग्रेशन प्रक्रियाओं से जुड़ी जानकारी देना और समुदाय को दरपेश चुनौतियों का समाधान करना था।

सत्र में दोनों समुदायों के रीति-रिवाज और मान्यताओं को साझा किया गया, जिससे आपसी समझ, सौहार्द और सहयोग को बढ़ावा मिला। इसमें कुल 41 लोग शामिल हुए, जिनमें सौंनी से 22 और पंघाई से 19 (7 पुरुष, 5 महिलाएं और 7 बच्चे) प्रतिभागी रहे।

स्थानीय समुदाय ने सेना के इस प्रयास की सराहना की।

JAMMU AND KASHMIR

BOARD OF TECHNICAL EDUCASTION

OFFICE JAMMU : GOVT. POLYTECHNIC CAMPUS, BIKRAM CHOWK, JAMMU-180004
OFFICE SRINAGAR : C-BLOCK, OLD SECRETARIAT, SRINAGAR-190001

Subject: Intimation Regarding Change of Official Website of JKBOTE

CIRCULAR

It is hereby informed to all students, institutions, and stakeholders that the official website of the **Jammu and Kashmir Board of Technical Education (JKBOTE)** has been shifted from https://www.jksboteslive.com to https://www.jkbote.ac.in.

This change has been made in compliance with **Office Memorandum No. IT-Gen/109/2021 (53498) dated 16-05-2025**, issued by the **Information Technology Department, Government of Jammu and Kashmir.**

All future communications, notifications, circulars, and updates related to JKBOTE shall be available exclusively on the new official website https://www.jkbote.ac.in .

All the Stakeholders are requested to take note of this change and update their records accordingly.

DIP/J-4988/25
Dtd: 22-8-2025

No.: BOTE/Estab/25/ 3280-90
Date: 21 /08/2025

Sd/-
Secretary/ Controller
BOTE, J&K, Srinagar

संपादकीय

अभिजात वर्ग को बोझ साझा करना होगा

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा उठाया गया यह मुद्दा कि जब तक निर्वाचित प्रतिनिधि और वरिष्ठ सरकारी अधिकारी अपने बच्चों को इन संस्थानों में दाखिला नहीं दिलाते, तब तक सरकारी स्कूलों की स्थिति में सुधार नहीं हो सकता, एक बहाना मात्र है, जिसे प्रसिद्ध हिंदी कहावत, ना नौ मन तेल होगा ना राधा नाचेगी के ज़रिए आसानी से समझाया जा सकता है, जिसका अर्थ है कि न तो उपरोक्त अभिजात वर्ग अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में भेजेगा और न ही इन स्कूलों में कोई सुधार होगा। अगर उमर अब्दुल्ला इस स्थिति के बारे में इतने स्पष्ट हैं, तो उन्हें निर्वाचित प्रतिनिधियों और उच्च पदस्थ अधिकारियों के अभिजात वर्ग को अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में दाखिला दिलाने का आदेश जारी करने से कौन रोक रहा है। मुख्यमंत्री द्वारा दिया गया तर्क कि यदि निर्वाचित प्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों के बच्चों को 25 साल पुराने ब्लैकबोर्ड वाले सरकारी स्कूलों में दाखिला दिया जाता है, तो उसे तुरंत व्हाइटबोर्ड, डिजिटल बोर्ड और अन्य सुविधाओं से बदल दिया जाएगा, थोड़ा अजीब लगता है क्योंकि वह केंद्र शासित प्रदेश के प्रमुख हैं और सरकारी स्कूलों में पुरातन ढांचे को बदलना और इन सभी शैक्षणिक संस्थानों की सेहत में सुधार करना उनके अधिकार क्षेत्र में है, जिसके लिए केवल उनके हस्ताक्षर या मौखिक आदेश की आवश्यकता है, लेकिन वह एक चतुर राजनेता होने के नाते एक शर्त रखकर चीजों को जटिल बना रहे हैं, जिसे वह जानते हैं, कभी पूरा नहीं होगा, जिससे यह स्पष्ट हो जाता है कि हितधारकों - समाज के गरीब तबके को अपने बच्चों को जीर्ण-शीर्ण भवन और उदासीन कर्मचारियों वाले स्कूलों में भेजना होगा, जिससे उनका भविष्य भगवान की दया पर छोड़ दिया जाएगा। अजीब बात है कि मुख्यमंत्री ने स्वीकार किया है कि उनकी सरकार की ओर से कमियां हैं और अतीत में भी कई कमियां रही हैं, लेकिन केंद्र शासित प्रदेश के प्रभारी व्यक्ति द्वारा सुझाया गया समाधान काफी अतार्किक है क्योंकि सरकारी स्कूलों के बुनियादी ढांचे में सुधार करने और इन शैक्षणिक संस्थानों के शिक्षकों को सही दिशा में आगे बढ़ने के लिए पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करने की पहल शुरू करने के बजाय उनके द्वारा रखी गई शर्तें एक अलग कहानी कहती हैं कि या तो उन्हें शासन के बारे में कुछ नहीं पता है या वे एक कुशल राजनेता हैं, जो सही समय पर सही शब्दों का चयन करके और उन्हें अपनी सुविधानुसार गढ़कर जनता को गुमराह करना जानता है।

भारत-अमेरिका सम्बन्धों में आए दरार के कूटनीति मायने

भारत-अमेरिका संबंधों में गहराते दरार से दोनों देशों के बीच व्यापार, रक्षा और रणनीतिक सहयोग पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। इसके अतिरिक्त, आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन और महामारी जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने में सहयोग भी प्रभावित हो सकता है। चूंकि भारत और अमेरिका के बीच संबंध 1947 में हासिल स्वतंत्रता के बाद से ही महत्वपूर्ण रहे हैं, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इसमें जो उतार-चढ़ाव आए हैं, उसपर पूरी दुनिया की स्वार्थपरक निगाहें लगी हुई हैं। ऐसा इसलिए कि इससे अंतरराष्ट्रीय ध्रुवीकरण की पूर्ववर्ती और मौजूदा दोनों कोशिशों को भी गहरा धक्का लग सकता है।

चूंकि भारत एक गुटनिरपेक्ष देश है, ऐतिहासिक पंचशील के सिद्धांतों को मानता आया है, इसलिए वह अमेरिका और रूस (यूएसएसआर) के खेमेबाजी से दूर रहने की कोशिश करता है। अमेरिका-चीन के वैश्विक रस्साकशी से खुद को दूर रखना चाहता है। लेकिन पिछले 7-8 दशक में भारत के पड़ोसी देशों- पाकिस्तान व चीन ने ऐसा सीमाई उधम मचाया कि भारत को कभी रूस से तो कभी अमेरिका से मदद लेनी पड़ी। जब भी अमेरिका ने पाकिस्तान का खुला समर्थन किया है, तो रूस (सोवियत संघ) ने भारत के लिए मित्र से भी बढ़कर संरक्षक भूमिका निभाई है- तन-मन-धन से और यूएसए में वीटो करके भी।

वहीं, जब कभी चीन से भारत का तनाव पैदा हुआ तो रूस ने पीछे से भारत की नैतिक मदद की, जबकि अमेरिका खुलकर भारत के साथ खड़ा हुआ। यही वजह है कि कांग्रेस समर्थक रूस को संतुलित करने के लिए पूर्व भाजपाई प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी ने दगाबाज अमेरिका से जो रणनीतिक मित्रतापूर्ण सम्बन्ध स्थापित किये थे, वो दूसरे भाजपाई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में ही दम तोड़ते नजर आ रहे हैं।

ऐसा इसलिए कि मित्र बनकर अमेरिका ने भारत से जो दगाबाजी पाकिस्तान प्रेरित पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान की है, उससे उसके बारे में यह अवधारणा मजबूत हुई है कि ऐसा कोई सगा नहीं, जिसे अमेरिका ने ठगा नहीं। जबकि रूस पर यह बात लागू नहीं होती। वह भारत-अमेरिका के प्रगाढ़ होते सम्बन्धों के बावजूद विचलित नहीं हुआ और भारत के रणनीतिक सुरक्षा जरूरतों की पूर्ति करता रहा। यही वजह है कि रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद जब उसके ऊपर पश्चिमी देशों द्वारा विभिन्न तरह के प्रतिबंध लगाए तो भारत ने उसे मानने से इनकार कर दिया और अपनी पुरानी भरोसेमंद वैश्विक मित्रता की लाज रखते हुए उससे तेल व हथियार खरीदकर उसकी पूरी मदद की।

शायद यही बात अमेरिका को अखड़ गई, जबकि उसे धैर्य रखना चाहिए। क्योंकि यूरोप का मुकाबला रूस से है, अमेरिका का नहीं! शीत युद्ध के बाद तो अमेरिका का मुकाबला चीन से, जिससे निबटने के लिए अमेरिका ने भारत से सांठगांठ शुरू की थी। चूंकि मौजूदा समय में रूस-चीन में गहरी यारी है और भारत, रूस-चीन के खिलाफ अमेरिका का मोहरा बनने को तैयार नहीं है, इसलिए सनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंफ ने भारत को ही सबक सिखाने की ठान ली। यह अमेरिकी प्रशासन की अव्वल दर्जे की मूर्खता है और उसे अपनी भूल का एहसास तब होगा, जब तेजी से उभरता हुआ भारत अपने रुपये से डॉलर पर चोट करेगा।

अभी अमेरिका इस गलतफहमी में है कि वह पाकिस्तान, बंगलादेश, नेपाल, म्यांमार, श्रीलंका, मालदीव आदि को उकसा कर भारत को कमजोर करेगा। लेकिन उसे यह याद रहना चाहिए कि जब भारत उसके साथ था, अफगानिस्तान में करोड़ों डॉलर झोंक चुका था, बावजूद इसके रूस-चीन-ईरान के दिमाग के समक्ष उसे पिटना पड़ा और अपने कीमती हथियार व उपकरण अफगानिस्तान में ही छोड़कर उसे भागना पड़ा। अभी ज्यादा दिन नहीं हुए हैं, जब इजरायल-ईरान युद्ध के दौरान जब अमेरिका इजरायल के पक्ष में खड़ा हुआ तो अरब देश कतर के अमेरिकी सैन्य अड्डे पर ईरान ने अपनी मिसाइल से हमला बोल दिया।

वहीं, इजरायल को कितना नुकसान पहुंचाया, किसी से छिपी हुई बात नहीं है। तब पाकिस्तान भी उसके साथ था, लेकिन इजरायल से मित्रता के बावजूद भारतीय तटस्थता पर कभी रूस व ईरान ने एतराज नहीं जताया। वहीं, ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंध की कुछ बातों का भारत ने अनुपालन किया। इसलिए रूस से तेल खरीदने के सवाल पर जो अमेरिकी भृकुटी तनती जा रही है, उसके भविष्य गत मायने को समझने की जरूरत है।

बताते चलें कि भारत को अमेरिका अनायास टारगेट नहीं कर रहा, बल्कि वह समझ चुका है कि भारत में वो दम है जो ग्लोबल साउथ यानी अंतरराष्ट्रीय दलित-पिछड़े देशों को अपने पाले में करके अमेरिका को घुटनों पर ला सकता है। इसलिए फिलवक्त अमेरिकी रणनीति है कि रूस और चीन से मधुर सम्बन्धों को विकसित करते हुए भारत की आर्थिक व सैन्य कमर तोड़ दी जाए।

इसलिए वह अंदरखाने में रूस-चीन को यही समझा रहा होगा कि भारत को हथियार मार्केट में उभरने ही नहीं दिया जाए। भारत के जापान, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया आदि देशों से बने रणनीतिक सम्बन्ध तभी हतोत्साहित होंगे, जब अमेरिका भारत से दूर होगा। चूंकि भारत ही रूस-चीन वैश्विक ऊर्जा का अर्थिंग बना हुआ है, इसलिए भारत के घुटने पर आते ही रूस-चीन भी घुटने पर आ जाएंगे। ऐसे में भले ही अभी यह कहा जा रहा है कि विशेष रूप से, व्यापार और ऊर्जा विवादों ने संबंधों को प्रभावित किया है, खासकर डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन के दौरान। लेकिन इसके पीछे की सुनियोजित अमेरिकी प्रशासन की नीतियों को भी मैं ऊपर डिकोड कर चुका हूं, जिसे हमें समझना होगा, क्योंकि राजनीतिक लोकतंत्र तो उसका मुखौटा मात्र होता है। अंततः दोनों मिलकर अपने देश की भलाई के लिए ही कार्य करते हैं। रही बात अमेरिका की तो वह कई साल आगे की रणनीति भी वर्तमान में ही शोध पूर्वक तैयार कर लेता है और फिर यूरोप के बलपर उसे पूरी दुनिया पर थोपता है। इसलिए समसामयिक वैश्विक परिवेश में जब अमेरिका को यूरोप में रूस (पूर्व सोवियत संघ का अगुवा राष्ट्र) से, एशिया में चीन से, दक्षिण अमेरिका में ब्राजील से, और इन सबके अलावा भारत और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों से चुनौती मिलनी जारी है तो उसने अपने डॉलर का दुरूपयोग करके वहां अशांति पैदा करवाने की कोशिशें तेज कर दी है। इसलिए उसने पुराने हरामखोर पार्टनर पाकिस्तान को भी पटा लिया है। इससे उसके हथियार व गोला-बारूद निर्माता कम्पनियों को आशातीत मुनाफा होगा। इसलिए वह इस प्रकार की हरामखोरी जारी रखता है। वैश्विक कूटनीति में अमेरिकी मित्रता को आस्तीन में सांप पालने जैसा समझा जाता है। जहां तक अमेरिका-भारत के दरकते रणनीतिक सम्बन्धों के नकारात्मक प्रभाव की बात है तो यह कहना गलत नहीं होगा कि यदि आपसी संबंध बिगड़ते हैं, तो व्यापार समझौते और निवेश प्रभावित हो सकते हैं, जिससे दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। चूंकि भारत और अमेरिका के बीच महत्वपूर्ण रक्षा सहयोग भी चल रहा है, खासकर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए, तो संबंधों में आई हालिया दरार से यह सहयोग भी कमजोर हो सकता है। वहीं, जहां तक आपसी रणनीतिक सहयोग की बात है तो दोनों देश कई वैश्विक मुद्दों पर एक साथ काम करते हैं, जैसे आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन और महामारी आदि। लेकिन पारस्परिक संबंधों में आई खटास से इन मुद्दों पर भी द्विपक्षीय सहयोग बाधित हो सकता है।

- कमलेश पांडेय
वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक
साभारः प्रभासाक्षी

दुनिया के 119 देशों में चिकनगुनिया अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुका है

विश्व स्वास्थ्य संगठन की माने तो चिकनगुनिया अब विकराल रुप लेता जा रहा है। एक मोटे अनुमान के अनुसार आने वाले समय में पांच अरब लोगों के इसके दायरें में आने की पूरी पूरी संभावना है। हांलाकि चिकनगुनिया से मौत का आंकड़ा प्रभावितों में से केवल एक प्रतिशत है पर जिस तरह से इसके फैलने की संभावनाएं बनती जा रही है निश्चित रुप से मौत का आंकड़ा भी बढ़ेगा और लाख दावों के बावजूद इसके स्वास्थ्य पर दूरगामी गंभीर प्रभाव भी पड़ेगा। चिकनगुनिया की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि उष्णकटिबंधीय अफ्रीका से एशिया को लपेटे में लेने वाली यह बीमारी अब योरोप को भी अपनी जद में करीब करीब ले चुकी है। दरअसल जलवायु परिवर्तन भी इसके फैलाव में सहायक है। तापमान बढ़ोतरी और नमी दोनों के कारण चिकनगुनिया का मच्छर फैलता है। जहां पानी जमा हुआ इसके मच्छर को डेरा जमाने का अवसर मिल जाता है। दुनिया के 119 देशों में चिकनगुनिया अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुका है। हमारे देश में तो पिछले कुछ वर्षों से चिकनगुनिया लगातार अपनी उपस्थिति दर्ज करा ही रहा है। यदि हमारे देश भारत की बात करें तो गत वर्ष चिकनगुनिया के दो लाख संदिग्ध मामलें सामने आये थे जिनमें से 17 हजार से अधिक मामलों में चिकनगुनिया की पुष्टि हुई थीं। भले ही यह संख्या कम लग रही हो पर जिस तरह से चिकनगुनिया हमारे देश सहित दुनिया के देशों में पांव पसार रहा है यही विश्व स्वास्थ्य संगठन की चिंता का प्रमुख कारण है।

चिकनगुनिया की जहां तक पहचान की बात है तो माना जाता है कि तंजानिया में 1952 में चिकनगुनिया का नामकरण हुआ। दरअसल माकोंडे में पठार में चिकनगुनिया के मरीज की पहचान हुई।

चिकनगुनिया में बुखार तो होता ही है पर यह सबसे अधिक प्रभावित जोड़ों को करता है। चिकनगुनिया में जोड़ो में भयंकर दर्द होता है और यह दर्द आसानी से व जल्दी जाता भी नहीं है। मकोंडे भाषा में चिकनगुनिया का मतलब दोहरा कर देना है और चिकनगुनिया के लक्षण दर्द के मारे दोहरा कर देने के कारण इसे चिकनगुनिया कहा जाने लगा। तंजानिया के दो वैज्ञानिकों मैरियन राबिन्सन और ड्ब्लूएचआर लम्सडेन ने 1955 में दो अलग अलग शोधपत्र लिखकर इसके बारें में जानकारी दी। जहां तक भारत की बात है तो 1963 में कोलकता में चिकनगुनिया से पीड़ित मरीज पाया गया। चिकनगुनिया में बुखार तो सामान्यतः दो से 5 दिन रहता हे पर जोड़ों का दर्द लंबे समय तक असर दिखाता है।

चिकनगुनिया मच्छर जनीत बीमारी है और पिछले कुछ सालों खासतौर से जलवायु परिवर्तन के परिणामस्वरुप मच्छर जनीत रोगों अधिक फैलाव हुआ है और पहले बरसात के पानी जमा होने के कारण फैलने वाली यह बीमारी अब गर्मी के मौसम बल्कि यह कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी छट-बारह महीने अपना असर दिखाने लगी है। इस साल हमारे यहां मानसून ने समय से पूर्व प्रवेश किया है और राजस्थान ही नहीं अपितु देश के अधिकांश हिस्सों में अच्छी बरसात हो रही हैं। जिस तरह की हमारी ड्रेनेज व्यवस्था है और जिस तरह से जल भराव के हालात हो रहे हैं उससे चिकनगुनिया का प्रकोप व्यापक रुप से देखने को मिल सकता है। अल्फाविषाणु परिवार के इस सदस्य एडिस के लार्वा के फैलाव को रोकने के लिए फोगिंग की प्रभावी व्यवस्था तो अभी दिखाई नहीं देती। फिर पानी का जमाब, गंदगी और बातावरण की नमी व लगातार बरसात के चलते मच्छरों का प्रकोप बढ़ेगा ही, इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए। दरअसल हम आपदा से निपटने के लिए पहले से तैयार रहते ही नहीं है। इसके साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर तो पानी का भराव, किचड़, गंदगी आदि तो है ही इसके साथ ही हमारी प्रवृति के अनुसार हम स्वयं मच्छर जनित बीमारियों को फैलने से रोकने के स्थान पर उसके फैलाव में सहभागी बन जाते हैं।

घरों में पानी जमा होना और कबाड़ में पानी भरा रहना, कूलरों में पानी को समय से नहीं बदलना आदि ऐसे कारण है जिससे एडीज एजिटी और एडीज एल्बोपिक्टस को पनपने में पूरा सहयोग मिलता है। विशेषज्ञों के अनुसार सुबह सुबह और दोपहर में यह अधिक सक्रिय रहता है।

दरअसल विश्व स्वास्थ्य संगठन की चिंता इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाती है कि दुनिया के देशों में अभी गंभीरता आई ही नहीं हैं। बरसात व उसके बाद आवश्यक फोगिंग की व्यवस्था, साफ-सफाई और मच्छर के लार्वा को नष्ट करने की व्यवस्था और इसके साथ आमजन में अवेयरनेस को गंभीरता से लिया ही नहीं जाता। मच्छर जनित बीमारी का फैला

व कब होगा इसके लिए पूर्व तैयारी हमारी होती ही नहीं। जब अस्पतालों में मरीजों की भीड़ होने लगती है तब हमारी जागने की प्रवृति है। नहीं तो अवेयरनेस कार्यक्रम तो पहले से ही चलाया जा सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की सदस्य डायना रोजास अल्वारेज इसलिए भी चिंतित है कि 2004-05 चिकनगुनिया हिंद महासागर में फैली और उसके बाद द्वीपीय क्षेत्रों में फैलते हुए इस वायरस ने पांच लाख लोगों को अपने जद में ले लिया। यह इसकी गंभीरता को दिखाता है। ऐसे में सरकारों को अभी से प्रिकोसनरी रणनीति बना लेनी चाहिए ताकि इसके असर को कम किया जा सके। लोगों को भी अपने घर से ही सुरक्षा उपायों पर ध्यान देना होगा। खासतौर से पुराने कबाड़, कूलरों व अन्य पानी जमा भले ही नाममात्र का ही जमा नहीं होने दे। इसी तरह से शरीर को ढंकने वाले कपड़े जैसे पूरी बाहों के शर्ट, पेंट आदि पहने और इसके साथ ही मच्छर नाशकों का उपयोग कर मच्छरों के प्रकोप से बचने और मच्छरों को फैलने से रोके। इस तरह के सुरक्षा मानकों की पालना करनी ही होगी। नहीं तो जिस तरह से मानसून के पहले आने और अच्छी बरसात से जो लाभ हो रहा है वह मच्छरों के प्रकोप के फैलने से मच्छर जनित बीमारियों के फैलने का कारण भी बन जाएगा।

- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)
साभारः प्रभासाक्षी

छत्तीसगढ़ में नक्सल पर कसता शिकंजा- आने लगे सार्थक परिणाम

- डॉ. मयंक चतुर्वेदी

छत्तीसगढ़ की धरती लंबे समय से लाल आतंक की त्रासदी झेलती रही है। कभी दंतेवाड़ा से लेकर बस्तर और नारायणपुर तक नक्सलियों का बोलबाला था, जंगलों में बंदूक की आवाज़ें गूंजती थीं और जनजाति समाज भय और असुरक्षा के साए में जीने को मजबूर थी, परंतु अब पिछले कुछ वर्षों में इस तस्वीर में निर्णायक बदलाव आया है। राज्य सरकार और केंद्र सरकार की समन्वित रणनीति, सुरक्षा बलों की लगातार दबिश और विकास व पुनर्वास की समानांतर नीतियों ने वह काम किया है जो वर्षों तक एक असंभव प्रतीत होता था। देखने में आ रहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राज्य की भाजपा सरकार के नेतृत्व और नक्सल मुक्त भारत के उनके दृष्टिकोण के तहत, ऐसी कई पहलें देश के उन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के जीवन में बदलाव ला रही हैं, जो कभी देश के %वर्जित क्षेत्र रहे हैं।

नारायणपुर की घटना ताज़ा उदाहरण है, जहां दो महिलाओं समेत आठ नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। इन पर कुल तीस लाख रुपये का इनाम घोषित था। इनमें से कई कुख्यात माओवादी नेता थे। सुखलाल एक डिवीजनल कमेटी सदस्य और माओवादी डॉक्टर के रूप में सक्रिय था, उस पर आठ लाख का इनाम था। इसी तरह हुर्रा भी कंपनी नंबर 1 पीपीसीएम से जुड़ा था और उसके सिर पर भी आठ लाख का इनाम था। पोडियाम एरिया कमेटी मेंबर और लोकल ऑर्गनाइजेशन स्क्वॉड का डिप्टी कमांडर था। कमला और दीपा जैसी महिला सदस्य भी संगठन में अहम जिम्मेदारी संभाल रही थीं। इन आत्मसमर्पणों से यह स्पष्ट होता है कि जंगलों के भीतर भी माओवादियों का मनोबल लगातार टूट रहा है।

ऑपरेशन प्रहार और ऑपरेशन डॉन जैसी मुहिम का दिख रहा बड़ा असर

वस्तुत- यह सिलसिला केवल नारायणपुर तक सीमित नहीं है। बीते वर्षों में बस्तर, सुकमा, कांकेर, दंतेवाड़ा और बीजापुर जैसे इलाकों में सुरक्षा बलों ने कई बड़े ऑपरेशन चलाए। छत्तीसगढ़ पुलिस और केंद्रीय बलों ने मिलकर ऑपरेशन प्रहार और ऑपरेशन डॉन जैसी मुहिमें चलाईं, जिनमें एक के बाद एक बड़े नक्सली ढेर हुए। कुख्यात माओवादी नेता हिड़मा, जो बस्तर डिवीजन कमेटी का सबसे खतरनाक चेहरा माना जाता था, लंबे समय तक सुरक्षा एजेंसियों के निशाने पर रहा। उसके नेटवर्क को जिस तरह से तोड़ा गया, वह राज्य की सुरक्षा रणनीति की सफलता का उदाहरण है। इसके अलावा मांडवी हिड़मा, गुडसा उसेंडी और अन्य कई कुख्यात कमांडरों के मारे जाने या आत्मसमर्पण से संगठन की रीढ़ टूट चुकी है।

नक्सलवाद केवल बंदूक की लड़ाई नहीं है, यह विचारधारा की लड़ाई भी है। माओवादी संगठन लंबे समय तक आदिवासियों के नाम पर उन्हें बरगलाता रहा, उनके विकास और हक की बातें कर उन्हें सरकार और व्यवस्था से दूर रखता रहा। परंतु जब केंद्र और राज्य सरकार ने यह ठाना कि विकास को ही हथियार बनाया जाएगा, तब तस्वीर बदलने लगी। सड़कें बनीं, पुल बने, स्कूल और अस्पताल खुले, मोबाइल टावर खड़े हुए और आदिवासी इलाकों में पहली बार शासन-प्रशासन की मौजूदगी महसूस हुई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कई बार यह कह चुके हैं कि नक्सलवाद बंदूक की गोलियों से नहीं, विकास की रोशनी से खत्म होगा। यही सोच छत्तीसगढ़ की रणनीति की रीढ़ बनी हुई दिखाई देने लगी है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भी हाल ही में कहा कि हमारी प्राथमिकता केवल कानून-व्यवस्था नहीं है, बल्कि आदिवासी समाज को मुख्यधारा से जोड़ना और उन्हें भयमुक्त वातावरण देना है। पुनर्वास नीति इसी सोच का हिस्सा है। यह वही नीति है जिसने नारायणपुर के आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को हथियार छोड़ने के लिए प्रेरित किया। राज्य सरकार ने उन्हें पचास-पचास हजार रुपये की तत्काल सहायता दी है और आगे शिक्षा, रोजगार और सामाजिक पुनर्वास की गारंटी भी दी है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी कई बार यह दोहराया है कि 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त करना सरकार का लक्ष्य है। उनके शब्दों में, नक्सलवाद इस देश के विकास और लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ी बाधा रहा है। हमने पिछले दस वर्षों में इसे जड़ से खत्म करने की दिशा में ऐतिहासिक प्रगति की है और अब यह आतंक अपने अंतिम चरण में है। वास्तव में आंकड़े इस दावे की पुष्टि करते हैं।

बीते एक दशक में नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या आधी रह गई है। जहां कभी छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और बिहार समेत 126 से अधिक जिले इस लाल आतंक से प्रभावित थे, आज इनकी संख्या सिमटकर 18 से भी कम रह गई है। जिसमें कि छह जिले सबसे अधिक प्रभावित हैं, छत्तीसगढ़ के बीजापुर, कांकेर, नारायणपुर और सुकमा, झारखंड का पश्चिमी सिंहभूम और महाराष्ट्र का गढ़चिरौली। वहीं, छह जिले 'चिंताजनक श्रेणी' में हैं, आंध्र प्रदेश (अल्लूरी सीताराम राजू), मध्यप्रदेश (बालाघाट), ओडिशा (कालाहांडी, कंधमाल, मलकानगिरी), तेलंगाना (भद्राद्री-कोठागुड़ेम)। इसी तरह से अब अन्य प्रभावित जिले में छत्तीसगढ़ (दंतेवाड़ा, गरियाबंद, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी), झारखंड (लातेहार), ओडिशा (नुआपाड़ा), तेलंगाना (मुलुगु) शामिल हैं।

नक्सलवाद के खात्में के लिए बनाई गई नीति के सख्त और सुनियोजित क्रियान्वयन से देश भर में 2010 की तुलना में नक्सली हिंसा में 81त्न की कमी आ चुकी है, जबकि सुरक्षाबलों और आम नागरिकों की मौतों में 85त्न की गिरावट दर्ज की गई है। छत्तीसगढ़ में भी यही तस्वीर है। नारायणपुर जिले में इस साल अब तक 148 नक्सली आत्मसमर्पण कर चुके हैं। बीजापुर और सुकमा में भी सौ से अधिक नक्सली या तो मारे गए हैं या सरेंडर कर चुके हैं। इनमें कई मोस्ट वांटेड नाम भी शामिल हैं। 2023 में दंतेवाड़ा के अरनपुर में हुए एनकाउंटर में बस्तर डिवीजन के बड़े कमांडरों का खात्मा हुआ। कांकेर जिले में भी हाल ही में सुरक्षाबलों ने कई माओवादी नेताओं को ढेर किया। इन सबका नतीजा यह है कि माओवादी संगठन के पास अब वैसा ढांचा और नेतृत्व नहीं बचा है जैसा कभी था।

नक्सलवाद को खत्म करने में सरकार ने दोहरी रणनीति अपनाई हुई है- एक ओर सुरक्षा बलों को अत्याधुनिक हथियार, ड्रोन, ट्रैकिंग तकनीक और बेहतर इंटेलिजेंस से लैस किया गया है तो दूसरी ओर आदिवासी समाज को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा गया। यह संतुलन ही सफलता की कुंजी बना। पहले केवल सैन्य दबाव से नक्सलवाद को खत्म करने की कोशिश की जाती थी, लेकिन वह असफल रही क्योंकि जंगलों में छिपे नक्सली बार-बार लौट आते थे। पर जब विकास का विकल्प सामने आया, तब आदिवासी समाज ने नक्सलियों से दूरी बनानी शुरू की। आज स्थिति यह है कि खुद गांव के लोग पुलिस और प्रशासन को सूचना देने लगे हैं, जिससे माओवादियों की जड़ें और कमजोर हो रही हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में एक रैली में कहा था, छत्तीसगढ़ की धरती अब रक्तरंजित नहीं, विकास की धरती बन रही है। हमारे जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा और इस दशक के अंत तक देश नक्सलवाद की चुनौती से मुक्त होगा। यह बयान केवल राजनीति नहीं, बल्कि उस हकीकत का आईना है जिसे आंकड़े और घटनाएं बार-बार साबित कर रही हैं। फिर भी यह लड़ाई पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। नक्सली संगठन भले कमजोर हो गए हों, लेकिन उनकी जड़ें पूरी तरह सूखी नहीं हैं। जंगलों में अभी भी कुछ बिखरे हुए गुट सक्रिय हैं, जो बीच-बीच में सुरक्षा बलों पर हमले की कोशिश करते रहते हैं। हाल ही में दंतेवाड़ा और सुकमा में आईईडी ब्लास्ट हुए थे। इन घटनाओं से साफ है कि आत्मसंतोष की कोई जगह नहीं है। सरकार और सुरक्षा बलों को अपनी मुहिम लगातार जारी रखनी होगी।

विश्लेषण यही बताता है कि नक्सलवाद के खिलाफ छत्तीसगढ़ का अनुभव देश के लिए एक मॉडल बन सकता है।

78 वर्षों में पहली बार, भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बस्तर क्षेत्र के 29 गाँवों में गर्व से तिरंगा फहराया गया। यह ऐतिहासिक आयोजन दशकों के वामपंथी उग्रवादियों के नियंत्रण के बाद हुआ है,

जहाँ ग्रामीणों को लंबे समय तक ऐसे त्योहार मनाने का अधिकार नहीं था। इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस समारोह में ग्रामीणों ने नारायणपुर जिले में होराडी, गारपा, कछपाल, कोडलियार, कुतुल, बड़ेमाकोटि, पद्मकोट, कंदुलनार, नेलांगुर, पांगुर और रायनार में ध्वजारोहण हुआ। सुकमा में, रायगुडेम, तुमालपाड, गोलाकुंडा, गोमगुडा, मेट्टागुडा, उस्कावया और मुलकाथोंग जैसे गांवों से पहली बार तिरंगा फहराया। इस बीच, बीजापुर जिले में, कोंडापल्ली, जीदापल्ली, वटेबागु, कर्रेगुट्टा, पिडिया, गुंजेपार्टी, पुजारी, कांकेर, भीमाराम, कोरचोली और कोटपल्ली जश्न में उन्होंने बड़ी संख्या में भाग लिया।

आज यहां निरंतर उग्रवाद-रोधी उपाय और विकास योजनाएँ इस क्षेत्र की तस्वीर बदल रही हैं। आंतरिक इलाकों में पुलिस कैंप स्थापित किए गए हैं, जो स्थानीय समुदायों को सुरक्षा और आत्मविश्वास प्रदान कर रहे हैं। जिला रिजर्व गार्ड, बस्तर फाइटर्स, स्पेशल टास्क फोर्स और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल जैसे विशेष बल लगातार गश्त कर रहे हैं, जिससे ग्रामीणों को जश्न मनाने का अपना अधिकार वापस पाने में मदद मिल रही है। यही कारण है कि जहां पहले नक्सल प्रभावित इलाकों से पलायन होता था, वहीं आज लोग गांव लौट रहे हैं, खेती-किसानी कर रहे हैं और बच्चों को स्कूल भेज रहे हैं। यही असली जीत है।

एसएसबी द्वारा आयोजित अंतर सीमांत खो-खो प्रतियोगिता का हुआ समापन

एजेंसी

लखीमपुर खीरी। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) में 18 से 20 अगस्त तक आयोजित अंतर सीमांत खो-खो प्रतियोगिता का भव्य समापन हुआ। समापन समारोह क्षेत्र मुख्यालय एवं तृतीय वाहिनी के परेड ग्राउंड में आयोजित किया गया। प्रतियोगिता के अंतिम दिन पुरुष वर्ग में लखनऊ सीमांत ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए विजेता ट्रॉफी अपने नाम की, जबकि रानीखेत सीमांत उपविजेता रहा। महिला वर्ग के मुकाबले में गुवाहाटी सीमांत की टीम विजेता बनी और लखनऊ सीमांत को उपविजेता ट्रॉफी से संतोष करना पड़ा। कार्यक्रम का संचालन वी. विक्रमण, उप महानिरीक्षक, क्षेत्रक मुख्यालय लखीमपुर खीरी के निर्देशन और पर्यवेक्षण में किया गया। समापन अवसर पर जैज़ बैंड की शानदार प्रस्तुति ने उपस्थित जनों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि जिला एवं सत्र न्यायाधीश सैयद माओज बिन आसिम रहे। उन्होंने विजेता एवं उपविजेता टीमों को पुरस्कार वितरित किए और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक के रीजनल मैनेजर धीरज कुमार सिंह, एसएसबी कमांडेंट अरुण कुमार वरुण तथा खो-खो फेडरेशन के डायरेक्टर प्रकाश मिश्रा भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। खेल भावना और अनुशासन के साथ संपन्न इस प्रतियोगिता ने खिलाड़ियों के उत्साह को नई ऊर्जा प्रदान की।

लखीमपुर में सीबीएसई वॉलीबाल क्लस्टर-4 टूर्नामेंट का आगाज

लखीमपुर खीरी। ग्रीन फील्ड एकेडमी, बालूडीह में सीबीएसई वॉलीबाल क्लस्टर-IV (गर्ल्स) टूर्नामेंट 2025 का भव्य शुभारंभ 21 अगस्त को हुआ। यह तीन दिवसीय खेल महोत्सव 23 अगस्त तक चलेगा। उद्घाटन समारोह की शुरुआत स्वागत गीत और रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुई। खिलाड़ियों द्वारा किया गया अनुशासित मार्च पास्ट सभी को मंत्रमुग्ध कर गया। पहले ही दिन से रोमांचक मुकाबलों में प्रतिभाशाली छात्राओं ने अपने उत्कृष्ट खेल कौशल, अनुशासन और टीम भावना का शानदार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर डॉ. मधुसूदन दीक्षित, ग्रीन फील्ड एकेडमी के चेयरमैन डॉ. आर.एन. मिश्रा, भाजपा जिला अध्यक्ष सुनील सिंह सहित अनेक गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति ने आयोजन को यादगार बना दिया। आयोजन समिति ने बताया कि यह प्रतियोगिता न केवल खेल प्रतिभा को निखारने का अवसर देगी, बल्कि छात्राओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना भी विकसित करेगी। प्रतियोगिता का समापन 23 अगस्त को विजेता टीमों को पुरस्कृत कर और सभी खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए किया जाएगा।

यूपी टी-20: काशी रूद्राज का जलवा, नोएडा किंग्स पर 88 रनों की धमाकेदार जीत

लखनऊ। एनेक्स यूपी टी-20 टूर्नामेंट में काशी रूद्राज ने अपनी दमदार प्रदर्शन की बदौलत नोएडा किंग्स को 88 रनों से मात देकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में गुरुवार को खेले गए इस मुकाबले में काशी की बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों ही शानदार रही। पहले बल्लेबाजी करते हुए काशी रूद्राज ने निर्धारित 20 ओवरों में 173 रन बनाए। टीम के ओपनर अभिषेक गोस्वामी ने ताबड़तोड़ शुरुआत देते हुए 50 रनों की पारी खेली, जबकि करण शर्मा ने 58 रन बनाकर पारी को संवारा। आखिरी ओवरों में शुभम चौबे ने नाबाद 30 रन जोड़कर स्कोर को मजबूत किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी नोएडा किंग्स की शुरुआत खराब रही। पहली ही गेंद पर कप्तान लविम चौधरी पवेलियन लौट गए। अवनीश चौधरी (33 रन) और राहुल राजपाल (22 रन) ने कुछ उम्मीद जगाई, लेकिन काशी के गेंदबाजों ने जल्द ही मैच पर पूरी तरह पकड़ बना ली। काशी के लिए कार्तिक यादव ने घातक गेंदबाजी करते हुए महज 7 रन देकर 4 विकेट चटकाए, जबकि ललित सिंह ने 3 ओवर में 2 विकेट झटके। नोएडा की पूरी टीम मात्र 12 ओवर में 85 रन पर सिमट गई।

भारत ने पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय खेल मुकाबलों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया

नई दिल्ली। मोदी सरकार ने साफ कर दिया है कि भारत और पाकिस्तान के बीच अब किसी भी तरह के द्विपक्षीय खेल मुकाबले नहीं होंगे। चाहे क्रिकेट हो या कोई और खेल, भारतीय टीमें पाकिस्तान नहीं जाएंगी और न ही पाकिस्तानी टीमें भारत आ सकेंगी। सरकार ने भारत को विश्वसनीय खेल आयोजक के रूप में पेश करते हुए पाकिस्तान के खिलाफ कड़ा रुख कायम रखा है। खेल मंत्रालय ने नई नीति की घोषणा करते हुए कहा कि यह निर्णय भारत की समग्र पाकिस्तान नीति के अनुरूप है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय खेल आयोजनों पर रोक रहेगी। भारतीय खिलाड़ी पाकिस्तान में किसी भी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लेंगे और पाकिस्तान की टीमें भारत नहीं आ सकेंगी। हालांकि, सरकार ने स्पष्ट किया कि एशिया कप जैसे बहुपक्षीय आयोजनों पर यह रोक लागू नहीं होगी। मंत्रालय ने कहा कि भारत ओलंपिक चार्टर और वैश्विक नियमों का पालन करेगा, इसलिए अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भारत और पाकिस्तान आमने-सामने हो सकते हैं। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, भारतीय क्रिकेट टीम एशिया कप खेलेगी, क्योंकि यह बहुपक्षीय आयोजन है, लेकिन पाकिस्तान को भारत की जमीन पर किसी भी द्विपक्षीय प्रतियोगिता की अनुमति नहीं होगी।

किराक हैदराबाद ने रोहतक रौडीज को हराकर प्रो पंजा लीग सीजन 2 का खिताब जीता

एजेंसी

ग्वालियर। किराक हैदराबाद ने ग्वालियर में हुए फाइनल में रोहतक रौडीज को 30-18 से हराकर प्रो पंजा लीग सीजन 2 का खिताब जीत लिया है। विजेता टीम को प्रो पंजा लीग की ओर से 20 लाख रुपये का इनाम भी मिला है। रोहतक रौडीज की निर्मल देवी को प्लेयर ऑफ द डे का पुरस्कार दिया गया। किराक हैदराबाद के सतनाम सिंह को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट घोषित किया गया। स्टीव थॉमस ने बादशाहों का बादशाह का खिताब जीता। किराक हैदराबाद पूरे टूर्नामेंट में अंकों के मामले में आगे रहे और अंतिम दिन अपनी प्रतिष्ठा के अनुरूप प्रदर्शन करते हुए एक सुयोग्य और शानदार जीत दर्ज की। पिछले सीजन के उपविजेता, जो सिर्फ एक अंक से चैंपियनशिप से चूक गए थे, इस बार ट्रॉफी उठाई और इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया। किराक के स्टीव थॉमस ने दीपांकर

मेच को सिर्फ 0.09 सेकंड में पिन करके प्रो पंजा लीग का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जो सचिन गोयल के 0.10 सेकंड के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ता है। कार्यक्रम में प्रो पंजा लीग के सह-संस्थापक परविन दबास और प्रीति झांगियानी उपस्थित थे। आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रबल प्रताप सिंह तोमर, हॉकी इंडिया के एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट देवेंद्र प्रताप सिंह तोमर, अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के सदस्य डॉ. नरिंदर ध्रुव बत्रा, पेशेवर पहलवान सौरव गुर्जर और पूर्व कबड्डी खिलाड़ी राहुल चौधरी भी उपस्थित थे। ओलंपिक पदक विजेता और पूर्व मुक्केबाज विजेंदर सिंह टीम एंबेसडर के रूप में रोहतक रौडीज का समर्थन करने के लिए उपस्थित थे। फाइनल में, दोनों टीमों ने कुल 10 मैच खेले, अंडरकार्ड में चार और मेन कार्ड में छह, प्रतिष्ठित मुकुट के लिए लड़ने के लिए अब तक लीग में देखी गई हर श्रेणी में एक खिलाड़ी भेजा। अंडरकार्ड पूरी तरह से किराक हैदराबाद का रहा क्योंकि उन्होंने प्रतियोगिता की शुरुआत में रोहतक रौडीज के खिलाफ क्लीन स्वीप का आनंद लिया। अविलिये जुयी ने 90 किग्रा मुकाबले में अर्शदीप सिंह पर 2-0 से शानदार जीत के साथ टोन सेट किया।

स्टेट क्लोज्ड स्क्वैश चैंपियनशिप 29 से, छत्तीसगढ़ के 80 खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

एजेंसी

रायपुर। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ स्क्वैश एसोसिएशन व रायपुर डिस्ट्रिक्ट स्क्वैश एसोसिएशन द्वारा स्टेट क्लोज्ड स्क्वैश चैंपियनशिप का आयोजन रायपुर में किया जा रहा है। इस चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ के अलग-अलग जिलों के 80 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। एसोसिएशन दवारा दी गई जानकारी के अनुसार चैंपियनशिप की शुरुआत 29 अगस्त को सुबह 10 बजे से होगी, जो 31 अगस्त तक चलेगी। इंडियन स्क्वैश रैकेट फेडरेशन की ओर से संचालित स्टेट क्लोज्ड स्क्वैश चैंपियनशिप देश के सभी संबद्ध राज्य ईकाइयों द्वारा हर साल एक बार आयोजित की जाती है। इसमें शामिल होने वाले खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर उनके प्रदर्शन के आधार पर रैंकिंग मिलती है।

रिंकू सिंह के तूफान में उड़ा गोरखपुर लॉयन्स, मेरठ मेवरिक्स ने 6 विकेट से दर्ज की जीत

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश टी20 लीग 2025 के नौवें मुकाबले में मेरठ मेवरिक्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोरखपुर लॉयन्स को 6 विकेट से पराजित कर दिया। यह मुकाबला रिंकू सिंह की विस्फोटक शतकीय पारी के नाम रहा, जिन्होंने मात्र 48 गेंदों में नाबाद 108 रन ठोके पहले बल्लेबाजी करते हुए गोरखपुर लॉयन्स ने 20 ओवर में 167 रन बनाए। टीम की ओर से कप्तान ध्रुव ज्युरेल ने 38 रन (32 गेंद) बनाए, जबकि निशांत कुशवाहा ने 24 गेंदों में 37 रन जोड़े। अक्षदीप नाथ ने भी 16 गेंदों में 23 रन का योगदान दिया। हालांकि लॉयन्स की टीम बड़ी साझेदारियां नहीं कर पाई और अंत में 9 विकेट खोकर 167 पर रुक गई। मेरठ मेवरिक्स के गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। विशाल चौधरी और विजय कुमार ने 3-3 विकेट चटकाए, जबकि जीशान अंसारी ने 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मेवरिक्स की शुरुआत साधारण

रही, लेकिन रिंकू सिंह ने आते ही मैदान पर तूफान मचा दिया और देखते ही देखते मैच का रुख बदल गया। रिंकू ने अपनी नाबाद 108 रनों की पारी में 10 छक्के और 7 चौके जड़े। उनके साथ सहाब युवराज सिंह ने 22 रनों का योगदान दिया। मेवरिक्स ने 18.5 ओवर में 4 विकेट खोकर 168 रन बनाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ मेरठ मेवरिक्स ने अंक तालिका में अपनी स्थिति को मजबूत कर लिया है, जबकि गोरखपुर लॉयन्स को हार के बाद अगले मैच में वापसी करनी होगी।

डल झील से नेशनल गोल्ड तक : मोहसिन अली ने खींची सफलता की पतवार

एजेंसी

श्रीनगर। डल झील पर शिकारा चलाने से लेकर खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल 2025 में स्वर्ण पदक जीतने तक, मोहसिन अली की कहानी संघर्ष और सपनों का अनोखा संगम है। 17 वर्षीय मोसिन ने पुरुषों की 1000 मीटर कयाकिंग स्पर्धा में 4:12:717 का समय लेकर पहला स्वर्ण पदक जीतकर जम्मू-कश्मीर का नाम रोशन किया। जीत के बाद डल झील से बाहर आते ही मोहसिन का स्वागत दर्शकों ने जोश-ओ-खरोश से किया। खुशी के आंसुओं के बीच उन्होंने अपने कोच बिलकिस मीर को गले लगाया। मोहसिन, जो एसपी हायर सेकेंडरी स्कूल में 12वीं कक्षा का छात्र है, रोजाना स्कूल के बाद शिकारा चलाकर परिवार का सहारा बनता है और अपने डाइट के लिए पैसे जुटाता है। एक बढ़ई के बेटे मोहसिन ने स्वर्ण पदक जीतने पर कहा कि आर्थिक तंगी और पांच सदस्यीय परिवार की जिम्मेदारी के बावजूद पिता ने उसे खेलों के प्रति प्रोत्साहित किया। मोहसिन ने गर्व से कहा कि बचपन से ही रहा है। सात साल की उम्र से उसने पानी में हाथ आजमाना शुरू किया। उसने अपने सफर में जम्मू-कश्मीर कयाकिंग एंड कैनोइंग

यह मेरे पिता की देन है। मोहसिन ने कहा, मेरा सपना है कि मैं भारत का प्रतिनिधित्व एशियन गेम्स, वर्ल्ड चैंपियनशिप और ओलंपिक में करूं।' उसने कहा कि डल झील की ऊंचाई पर अभ्यास करने की वजह से उसमें धैर्य की कमी नहीं है। पानी से जुड़ा यह जुनून मोहसिन को एसोसिएशन को भी श्रेय दिया, जिसने उसे प्रशिक्षण और सुविधाएं उपलब्ध कराईं। हालांकि संसाधनों की कमी बड़ी चुनौती रही। पेशेवर खिलाड़ियों के लिए प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और इलेक्ट्रोलाइट्स से भरपूर डाइट जरूरी होती है, लेकिन मोहसिन के पास यह सुविधा नहीं थी।

16वीं एशियाई शूटिंग (शॉटगन) चैम्पियनशिप में मप्र के खिलाड़ियों ने जीते दो पदक

एजेंसी

भोपाल। कजाकिस्तान के शिमकेंट शहर में आयोजित 16वीं एशियाई शूटिंग (शॉटगन) चैम्पियनशिप 2025 में मध्य प्रदेश राज्य खेल अकादमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो पदक देश को दिलाए। इनमें मप्र खेल अकादमी की प्रतिभावान खिलाडी मानसी रघुवंशी ने उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण और ज्योतिरादित्य सिंह सिसोदिया ने कांस्य पदक जीतकर देश और प्रदेश को गौरवान्वित किया। 16वीं एशियाई शूटिंग (शॉटगन) चैम्पियनशिप 2025 का आयोजन कजाकिस्तान के शिमकेंट शहर में स्थित शिमकेंट शुटिंग प्लाजा में 16 से 30 अगस्त 2025 तक किया जा रहा है। इस अंतरराष्ट्रीय शूटिंग चैम्पियनशिप में मप्र राज्य शूटिंग (शॉटगन) अकादमी के खिलाड़ी मानसी रघुवंशी ने जूनियर महिला वर्ग की शॉटगन स्कीट स्पर्धा में शारीरिक दक्षता कौशल और एकाग्रता के साथ

निशाना साधकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वही इसी चैम्पियनशिप में खेल अकादमी के ही खिलाड़ी ज्योतिरादित्य सिंह सिसोदिया ने जूनियर पुरूष वर्ग के स्कीट इवेन्ट में खेल कौशल और एकाग्रता का शानदार परिचय प्रस्तुत करते हुये कांस्य पदक अर्जित किया।

खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने दी बधाई

प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने 16वीं एशियाई शूटिंग (शॉटगन) चैम्पियनशिप 2025 कजाकिस्तान में शूटिंग खेल का दमदार प्रदर्शन करने वाले दोनों प्रतिभाशाली शॉटगन खिलाड़ियों मानसी और ज्योतिरादित्य सिंह के खेल प्रदर्शन की सराहना की है। उन्होंने खिलाड़ियों की इस खेल उपलब्धि को गौरवान्वित क्षण बताते हुए कहा कि इस तरह के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों द्वारा ऐसी अविस्मरणीय खेल उपलब्धियां ही देश और प्रदेश के युवाओं को खेल के क्षेत्र जोड़ने और प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगी। खेल मंत्री सारंग ने दोनों ही खिलाड़ियों को पदक जीतने पर बधाई देते हुये भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन कर देश और प्रदेश को निरंतर गौरवान्वित के लिए प्रेरित किया। उल्लेखनीय है कि इस एशियाई शूटिंग (शॉटगन) चैम्पियनशिप में एशिया महाद्वीप के 27 देशों के 748 प्रतिभाशाली शूटिंग खिलाड़ी प्रतिभागिता कर रहे है। चैम्पियनशिप महिला और पुरूष वर्ग की 120 स्पर्धाएँ आयोजित हो रही है।

यूएस ओपन 2025 : निक किर्गियोस ने पुरुष एकल से नाम वापस लिया

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई टेनिस स्टार निक किर्गियोस लगातार तीसरे साल यूएस ओपन में हिस्सा नहीं लेंगे। टूर्नामेंट आयोजकों ने उनके नाम वापसी की पुष्टि की। 30 वर्षीय किर्गियोस पिछले कुछ सालों से पैर, घुटने और कलाई की चोटों से जूझ रहे हैं। इस सीजन में उन्होंने केवल पांच एकल मुकाबले खेले हैं, जिनमें से चार में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। किर्गियोस का करियर का सबसे सफल वर्ष 2022 रहा था, जब वे विंबलडन फाइनल तक पहुंचे थे और न्यूयॉर्क में क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। हालांकि चोटों के कारण उनका करियर लगातार प्रभावित होता रहा। उन्होंने 2023 में सिर्फ एक मैच खेला, जबकि 2024 पूरा साल मिस किया। इस साल भी मार्च में मियामी ओपन की दूसरी राउंड हार के बाद से उन्होंने कोई एकल मैच नहीं खेला है। किर्गियोस की जगह मुख्य ड्रॉ में एक 'लकी लूजर' को शामिल किया जाएगा। यूएस ओपन के इस साल के अंतिम ग्रैंड स्लैम के एकल मुकाबले रविवार से शुरू होंगे।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर देशवासियों से फिटनेस के लिए एक घंटा समर्पित करने की अपील

एजेंसी

नई दिल्ली। युवा मामले और खेल मंत्री डॉ मनसुख मांडविया ने देशवासियों से अपील की है कि वे 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर एक घंटा खेल और फिटनेस को समर्पित करें। यह दिन हर वर्ष हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। इस बार का राष्ट्रीय खेल दिवस फिट इंडिया मिशन के नेतृत्व में भारतीय खेल जगत के साथ साझेदारी में तीन दिवसीय पैन-इंडिया खेल आंदोलन के रूप में मनाया जाएगा, जो 29 से 31 अगस्त तक आयोजित होगा।डॉ. मांडविया ने कहा, ÷राष्ट्रीय खेल दिवस मेजर ध्यानचंद जी के सम्मान में मनाया जाता है। इस बार हम इसे तीन दिन तक मनाएंगे। मैं देशवासियों

से अपील करता हूं - 'एक घंटा खेल के मैदान में'। जैसा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने कहा है, जो खेलते हैं वो खिलते हैं। स्वस्थ नागरिक ही समृद्ध राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं। इस आयोजन का उद्देश्य न केवल स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाना है, बल्कि भारत को 2036 ओलंपिक एवं पैरालंपिक की मेजबानी के विजन के साथ जोड़ना भी है। देशभर के जिलों, स्कूलों, कॉलेजों, संस्थानों, आवासीय क्षेत्रों में ओलंपिक मूल्यों - मित्रता, सम्मान और उत्कृष्टता तथा पैरालंपिक मूल्यों - संकल्प, साहस, प्रेरणा और समानता के साथ नागरिक खेल और फिटनेस को अपनाने के लिए एकजुट होंगे।

तीन दिवसीय आयोजन की झलक:

29 अगस्त: मेजर ध्यानचंद को समर्पित राष्ट्रीय समारोह और देशभर में श्रद्धांजलि कार्यक्रम।

30 अगस्त: फिट इंडिया कार्निवल, जिसमें डिबेट, पैनल चर्चा, टॉक्स और फिटनेस प्रतियोगिताएं।

31 अगस्त: 'संडे ऑन साइकिल' के तहत नागरिक साइकिलिंग में भाग लेंगे, साथ ही फिट इंडिया ऐप पर कार्बन सेविंग इंसेंटिव फीचर लॉन्च होगा।

हॉकी हरियाणा और ओडिशा ने फाइनल में बनाई जगह, पंजाब-यूपी तीसरे स्थान के लिए भिड़ेंगे

एजेंसी

जालंधर। 15वें हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 के सेमीफाइनल मुकाबलों में रोमांचक प्रदर्शन देखने को मिला। हॉकी हरियाणा और हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने जीत दर्ज कर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। वहीं मेज़बान हॉकी पंजाब अब तीसरे स्थान के लिए उत्तर प्रदेश हॉकी से भिड़ेगा। पहले सेमीफाइनल में हॉकी हरियाणा ने उत्तर प्रदेश हॉकी को 3-0 से हराया। हरियाणा के लिए नितिन ने (3', 54') दो गोल दागे, जबकि जीतपाल (47') ने एक गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित की। दूसरा सेमीफाइनल बेहद कड़ा मुकाबला साबित हुआ, जिसमें हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने मेज़बान हॉकी पंजाब को 3-2 से मात दी। ओडिशा की ओर से प्रताप टोप्पो ने (1', 15') दो गोल किए, जबकि करन लकड़ा (58') ने अंतिम मिनटों में निर्णायक गोल दागा। पंजाब की ओर से कप्तान गुरसेवक सिंह (12') और मनमीत सिंह राय (44') ने गोल किए, लेकिन टीम जीत हासिल नहीं कर

सकी। अब फाइनल में हॉकी हरियाणा और हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा आमने-सामने होंगे। तीसरे स्थान के लिए हॉकी पंजाब का मुकाबला उत्तर प्रदेश हॉकी से होगा।

साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने सेंट्रल दिल्ली क्वींस को 10 रन से हराकर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

नई दिल्ली। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए विमेंस दिल्ली प्रीमियर लीग के रोमांचक मुकाबले में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज़ ने सेंट्रल दिल्ली क्वींस को 10 रन से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए सुपरस्टार्ज की शुरुआत खराब रही और शुरुआती दो विकेट जल्दी गिर गए। हालांकि तनीषा सिंह और श्वेता सहरावत ने शानदार बल्लेबाज़ी करते हुए टीम को संभाला। दोनों के बीच 71 रनों की साझेदारी हुई। श्वेता ने 32 गेंदों में 45 रन बनाए, जबकि तनीषा ने नाबाद 76 रन (50 गेंद) की पारी खेलते हुए टीम को 20 ओवर में 144/3 तक पहुंचाया। क्वींस की ओर से परुनिका सिसोदिया, मल्लिका खत्री और निधि माहतो को एक-एक सफलता मिली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सेंट्रल दिल्ली क्वींस ने शानदार शुरुआत की। दीक्षा शर्मा (41 रन, 44 गेंद) और निशिका सिंह (23 रन, 35 गेंद) ने पहले विकेट के लिए 69 रनों की साझेदारी कर टीम को मज़बूत स्थिति में ला दिया। लेकिन इसके बाद विकेट गिरते रहे और रन गति बढ़ने लगी। मोनिका ने 24 रन (18 गेंद) बनाए, जबकि परुनिका सिसोदिया 25 रन (18 गेंद) बनाकर नाबाद रहीं। टीम 20 ओवर में 134/4 तक ही पहुंच सकी। साउथ दिल्ली की ओर से दिशा नागर सबसे सफल गेंदबाज़ रहीं, जिन्होंने चार ओवर में 28 रन देकर 2 विकेट चटकाए।

यूपी योद्धाज ने प्रो कबड्डी लीग सीजन 12 के लिए अपनी नई जर्सी पेश की

एजेंसी

लखनऊ। जीएमआर स्पोर्ट्स के स्वामित्व वाली यूपी योद्धाज ने लखनऊ में आयोजित जर्सी अनावरण कार्यक्रम में आगामी प्रो कबड्डी लीग सीजन 12 के लिए अपनी नई जर्सी पेश की। यूपी योद्धाज़ 30 अगस्त को विशाखापट्टनम के राजीव गांधी इंडोर स्टेडियम में तेलुगू टाइटन्स के खिलाफ अपना सीजन ओपनर खेलेंगे। योद्धाज़ ने एक बार फिर जीएमआर स्पोर्ट्स की मूल दर्शनशैली प्रतिभा को संवारना, युवाओं को बढ़ावा देना और दीर्घकालिक उत्कृष्टता के दृष्टिकोण के साथ टीमों का विकास करना को दोहराया। इसी दर्शन के अनुरूप टीम ने सुमित सांगवान को कप्तान और आशु सिंह को उप-कप्तान नियुक्त किया है, जो दोनों सीज़न 7 से इस फ्रैंचाइज़ी से जुड़े हुए हैं।

जीएमआर स्पोर्ट्स के सीईओ सत्यम त्रिवेदी ने कहा, हमारी सोच हमेशा टीम में निरंतरता और सकारात्मक माहौल बनाए रखने की रही है। हम युवा प्रतिभाओं को अवसर देने और दीर्घकालिक दृष्टि से टीम बनाने में विश्वास करते हैं। जैसे ही यू.पी. योद्धाज़ नए सीज़न में कदम रख रहे हैं, हम इसी सकारात्मक सोच और अपनी अटूट प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते रहेंगे। मुख्य कोच जसवीर सिंह ने कहा, हमने एक ऐसी टीम बनाई है, जो अनुभव और नए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के बीच संतुलन स्थापित करती है। हमारा ध्यान युवा खिलाड़ियों को आत्मविश्वास के साथ स्वतंत्रता से खेलने का मौका देने पर रहा है, वहीं वरिष्ठ खिलाड़ी उन्हें मार्गदर्शन और स्थिरता प्रदान करेंगे। हम अच्छी तैयारी कर रहे हैं और मज़बूत प्रदर्शन के लिए आश्वस्त हैं। नवनियुक्त कप्तान और स्टार डिफेंडर सुमित सांगवान ने कहा, सीज़न 12 में यू.पी. योद्धाज़ का नेतृत्व करना मेरे लिए सम्मान की बात है। टीम ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उसे मैं मैट पर मज़बूत प्रदर्शन देकर लौटाना चाहता हूँ। हमारी टीम एकजुट है और प्रशंसकों के समर्थन के साथ हम इस सीज़न को यादगार बनाने के लिए दृढ़संकल्प हैं। इस सीज़न में योद्धाज़ ने अपने 13 खिलाड़ियों को बरकरार रखा है, जिससे टीम का कोर मज़बूत बना हुआ है, वहीं नीलामी से कुछ महत्वपूर्ण खिलाड़ियों को जोड़कर टीम को और भी सशक्त बनाया गया है। आशु सिंह उप-कप्तान के रूप में सुमित के साथ मिलकर मैट पर टीम की रीढ़ को मज़बूत करेंगे। इसके अलावा युवा योद्धाज़ (टीम की विकासात्मक इकाई) से छह खिलाड़ियों को पदोन्नत किया गया है। ये खिलाड़ी यूपी योद्धाज अकादमी में प्रशिक्षण पाते हैं, जो अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है और विश्वस्तरीय ट्रेनिंग प्रदान करती है। यह अकादमी उत्तर प्रदेश भर से कबड्डी की प्रतिभाओं को निखारकर टीम के दीर्घकालिक विज़न को आगे बढ़ा रही है।

शेयर बाजार में लगातार छठे दिन तेजी, मजबूती के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार लगातार छठे कारोबारी दिन मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। आज के कारोबार की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण इसकी चाल में गिरावट आ गई। हालांकि, पहले आधे घंटे के कारोबार के बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी आ गई। हालांकि आज पूरे दिन बाजार में लगातार उतार चढ़ाव होता रहा। राहत की बात यही रही कि बिकवाली का दबाव बनने के बावजूद शेयर बाजार लगातार हरे निशान में ही बना रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.17 प्रतिशत और निफ्टी 0.13 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान ऑयल एंड गैस, फार्मास्यूटिकल और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में जम कर खरीदारी होती रही। इसी तरह बैंकिंग, आईटी और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, एफएमसीजी और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में आज बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, ऑटोमोबाइल और मेटल इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए।

भारतीय हथकरघा और हस्तशिल्प निर्यात को नए मुकाम तक ले जाने की जरूरतः गिरिराज सिंह

नई दिल्ली। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने भारत के हथकरघा और हस्तशिल्प निर्यात को बढ़ाने की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि महिला कारीगरों की मासिक इनकम को कम से कम 15 से 20 हजार रुपये तक पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। केंद्रीय कपड़ा मंत्री ने नई दिल्ली के वसंत कुंज में कपड़ा मंत्रालय की तरफ से विकसित शिल्प परिसर 'द कुंज' का उद्घाटन करने के बाद कहा कि देश में करीब एक करोड़ लोग हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। सिंह ने कहा कि यह कुंज भवन देशभर के कारीगरों को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने में मदद करेगा। हमारा लक्ष्य महिला कारीगरों (शिल्प दीदियों) की आय को कम से कम 15 हजार रुपये से 20 हजार रुपये प्रति माह तक बढ़ाना है। उन्होंने हथकरघा और हस्तशिल्प के निर्यात को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की जरूरत पर भी प्रकाश डाला। शिल्प परिसर 'कुंज भवन' की परिकल्पना एक ऐतिहासिक सांस्कृतिक और खुदरा स्थल के रूप में की गई है, जो भारतीय हस्तशिल्प और हथकरघा की विविध विरासत का जश्न मनाने और उसे बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।

जीएसटी के 5 फीसदी और 18 फीसदी स्लैब को जीओएम की मंजूरी, जीएसटी काउंसिल लेगा फैसला

नई दिल्ली। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद के मंत्रियों के समूह (जीओएम) ने जीएसटी के 5 फीसदी और 18 फीसदी के स्लैब को मंजूरी दे दी है। लग्जरी समानों को 40 फीसदी के दायरे में लाया जाएगा। इसे जीएसटी काउंसिल के पास भेजा गया है, जो इस पर फैसला लेगी। अभी जीएसटी के चार स्लैब 5 फीसदी, 12 फीसदी, 18 फीसदी और 28 फीसदी हैं। जीएसटी की दरों को युक्तिसंगत बनाने, बीमा पर कराधान और क्षतिपूर्ति उपकर से संबंधित मंत्री समूह की बैठक के दूसरे दिन जीओएम के संयोजक सम्राट चौधरी ने बताया कि हमने केंद्र सरकार के प्रस्ताव का समर्थन किया है। प्रस्ताव में 12 फीसदी और 28 फीसदी के जीएसटी स्लैब को खत्म करने की बात है। उन?होंने कहा कि सभी ने केंद्र के प्रस्तावों पर अपने सुझाव दिए। हालांकि, कुछ राज्यों ने कुछ आपत्तियां भी जताईं। इसे जीएसटी काउंसिल के पास भेजा गया है, जो इस पर फैसला लेगी। सम्राट चौधरी ने कहा कि केंद्र सरकार की तरफ से आए प्रस्ताव पर सभी लोगों ने अपनी बात रखी है। जीओएम ने 12 फीसदी और 28 फीसदी टैक्स को समाप्त करने के प्रस्ताव का समर्थन किया है। मंत्री समूह दो दिन से केंद्र सरकार के 'अगली पीढ़ी' के जीएसटी सुधारों पर विचार कर रहा है।

ओपनएआई भारत में खोलेगा पहला ऑफिस, दिल्ली में होगी शुरुआत

नई **दिल्ली।** आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की दुनिया की दिग्गज कंपनी ओपनएआई ने भारत में अपना पहला कार्यालय खोलने का ऐलान किया है। यह कार्यालय दिल्ली में स्थापित किया जाएगा, जो कंपनी के लिए भारत में अपनी पहुंच और गतिविधियों को बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण कदम है। ओपनएआई के इस कदम को भारत के तेजी से बढ़ते एआई बाजार और विशाल प्रतिभा पूल का लाभ उठाने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। कंपनी भारत सरकार, स्थानीय व्यवसायों, स्टार्टअप्स और शोधकर्ताओं के साथ मिलकर काम करने की योजना बना रही है ताकि देश में एआई के उपयोग को बढ़ावा दिया जा सके। इस नए कार्यालय से भारत में एआई इनोवेशन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। ओपनएआई भारत के विशिष्ट चुनौतियों और अवसरों के लिए एआई मॉडल विकसित करने पर काम कर सकता है।

वायरस अटैक के कारण सुपारी उत्पादक किसानों को हुए नुकसान की समुचित भरपाई होगीः शिवराज सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय बैठक हुई, जिसमें केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी एवं केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी सहित कर्नाटक के सांसद तथा विभिन्न मंत्रालयों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में सुपारी उत्पादक किसानों की भलाई और उनकी समस्याओं के समाधान से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। इस दौरान शिवराज सिंह ने कहा कि किसानों के हित सुरक्षित रहेंगे और वे स्वयं कर्नाटक का दौरा करके स्थिति का जायजा लेंगे। सुपारी पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की रिपोर्ट को लेकर चर्चा करते हुए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि एक रिपोर्ट से कर्नाटक की सुपारी को लेकर कैंसरजन्य होने संबंधी कुछ भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो गई है। उन्होंने कहा कि सुपारी को लेकर इस रिपोर्ट से उत्पन्न भ्रांतियों को दूर करने के लिए

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के वैज्ञानिकों की टीम परीक्षण कर रही है। उन्होंने बैठक में टीम को जल्द रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया। शिवराज सिंह ने कहा कि भारत में प्राचीन काल से लोग सुपारी खाते आ रहे हैं। हमारे यहां हर मंगल कार्यों में सुपारी का उपयोग होता है। शिवराज सिंह ने कहा कि एरोलिफ जैसी बीमारी, जो सुपारी के वृक्षों को नष्ट कर देती है, उसके नियंत्रण के लिए वैज्ञानिकों की टीम काम कर रही है। साथ ही, क्लीन प्लांट उपलब्ध कराने पर भी चर्चा हुई है। शिवराज सिंह ने कहा कि वायरस के कारण सुपारी के किसानों को हुए नुकसान की भरपाई के विषय पर भी अधिकारियों को गंभीरता और शीघ्रता से काम करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में सुपारी के अवैध आयात, नमी की समस्या तथा छोटी-बड़ी सुपारी के दामों में अंतर जैसे अन्य मुद्दों पर भी विस्तार से बातचीत की गई। सभी मुद्दों का समयबद्ध समाधान निकाला जाएगा और किसानों तथा सुपारी से जुड़े सहकारिता क्षेत्र के हित पूरी तरह सुरक्षित रहेंगे। कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने यह भी कहा कि सुपारी एक महत्वपूर्ण व्यावसायिक फसल है, जिसे भारत में सभी धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अनुष्ठानों में स्थान दिया जाता है। उन्होंने कहा कि सुपारी में मौजूद अनेक एल्कलॉइड के कारण इसका उपयोग आयुर्वेदिक और पशु चिकित्सा औषधियों में भी किया जाता है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं वैज्ञानिकों व विशेषज्ञों की टीम के साथ कर्नाटक का दौरा करेंगे और स्थिति का जायजा लेते हुए सुपारी उत्पादन के विकास को लेकर आगे की रूपरेखा तय करेंगे।

लगातार दूसरे दिन डॉलर की तुलना में कमजोर हुआ रुपया, 18 पैसे गिरकर बंद हुई भारतीय मुद्रा

एजेंसी

नई दिल्ली। कच्चे तेल की कीमत में तेजी आने और डॉलर इंडेक्स के मजबूत होने का असर आज भारत के मुद्रा बाजार में साफ नजर आया। इन दोनों वजहों से आज मुद्रा बाजार में नकारात्मक माहौल बन गया। इसके साथ ही मुद्रा बाजार में डॉलर की मांग बढ़ने के कारण भी रुपया आज लगातार दूसरे दिन डॉलर की तुलना में कमजोर होकर बंद हुआ। भारतीय मुद्रा आज डॉलर की तुलना में 18 पैसे फिसल कर 87.26 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन बुधवार को भारतीय मुद्रा 87.08 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 5 पैसे की बढ़त के साथ 87.03 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। आज का कारोबार शुरू होने के बाद रुपया 16 पैसे की उछाल के साथ 86.92 के स्तर तक पहुंच गया, लेकिन इसके बाद डॉलर की मांग में तेजी आ जाने की वजह से बाजार में नकारात्मक माहौल बन गया। डॉलर की मांग बढ़ते ही रुपया ऊपरी स्तर से 35 पैसा लुढ़क कर 19 पैसे की कमजोरी के साथ 87.27 के स्तर तक पहुंच गया। अंत में दिन भर के कारोबार के बाद डॉलर की तुलना में रुपये ने 18 पैसे की गिरावट के साथ 87.26 के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया। मुद्रा बाजार के आज के कारोबार में रुपये ने डॉलर की तुलना में तो कमजोर प्रदर्शन किया ही, ज्यादातर दूसरी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं के मुकाबले भी भारतीय मुद्रा ने कमजोरी दिखाई।

ताप विद्युत संयंत्रों में पर्याप्त कोयला भंडार : जी. किशन रेड्डी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि बिजली उत्पादन कंपनियों के पास कोयले का पर्याप्त भंडार है, फिलहाल कोयले की कोई कमी नहीं है। जी किशन रेड्डी ने नई दिल्ली में वाणिज्यिक कोयला खदान नीलामी के 13वें दौर के शुभारंभ के अवसर पर यह बात कही। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ये एक महत्वपूर्ण अवसर है, क्योंकि भारत पिछली नीलामियों की सफलता को आगे बढ़ा रहा है, जिससे देश की ऊर्जा सुरक्षा काफी मजबूत हुई है। उन्होंने बताया कि कोयला क्षेत्र को वाणिज्यिक खनन के लिए खोले जाने के बाद से 134 कोयला खदानों की नीलामी की जा चुकी है। रेड्डी ने कहा कि भविष्य में बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने के लिए कोयला उत्पादन बढ़ाने की जरूरत है। वाणिज्यिक कोयला खदानों के नीलामी के लॉन्चिंग पर रेड्डी ने अपने संबोधन में कहा कि 2014 से पहले कांग्रेस के शासनकाल में बिजली आपूर्ति पर औद्योगिक सीमा के कारण तेलंगाना के कारखाना मालिक अक्सर हड़ताल पर चले जाते थे। किसानों को आधी रात को अपने पंपों के पास बिजली के इंतज़ार में जागना पड़ता था। लेकिन 2014 के बाद से, परिवर्तनकारी सुधारों और रिकॉर्ड कोयला उत्पादन के कारण, हर राज्य ने पर्याप्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की है। कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने अपने संबोधन में कहा कि 13वें वाणिज्यिक कोयला खदान नीलामी का शुभारंभ भारत की ऊर्जा सुरक्षा को और मजबूती देगा। इससे कोयला उत्पादक राज्यों को भारी राजस्व लाभ मिलेगा, स्थानीय समुदायों को रोजगार एवं व्यवसाय के अवसर प्राप्त होंगे और क्षेत्रीय विकास को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में कोयला मंत्रालय विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। मंत्रालय ने पारदर्शी एवं प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया को सुनिश्चित किया है, जिससे निवेशकों का विश्वास और बढ़ा है। 13वें दौर के वाणिज्यिक कोयला खदान की नीलामी के लॉन्चिंग के अवसर पर कोयला सचिव विक्रम देव दत्त ने अपने संबोधन में कहा कि कोयला भारत की ऊर्जा सुरक्षा का मुख्य आधार बना हुआ है। उन?होंने कहा कि 2014 के बाद से सुधारों की एक श्रृंखला ने पारदर्शिता को बढ़ाया है, व्यापार करने में आसानी में सुधार किया है, और प्रधानमंत्री द्वारा कल्पना के रूप में सुधारों को अगले स्तर तक ले जाने के लिए मंच निर्धारित किया है।

विक्रम सोलर के 2,079 करोड़ रुपये के आईपीओ को 54.63 गुना अभिदान मिला

एजेंसी

नई दिल्ली। सोलर मॉड्यूल विनिर्माता कंपनी विक्रम सोलर लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बोली के अंतिम दिन 54.63 गुना अभिदान मिला। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के आंकड़ों के मुताबिक इस आईपीओ को 4,53,61,650 शेयरों की पेशकश के मुकाबले 2,47,81,57,740 शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुईं। आंकड़ों के अनुसार पात्र संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) के हिस्से को 142.79 गुना का अभिदान मिला है। गैर-संस्थागत निवेशकों के हिस्से को 50.90 गुना अभिदान मिला, जबकि खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों (आरआईआई) के कोटा को 7.65 गुना अभिदान मिला है। विक्रम सोलर लिमिटेड ने सोमवार को एंकर निवेशकों से 621 करोड़ रुपये जुटाए। कंपनी के 2,079 करोड़ रुपये के आईपीओ का मूल्य दायरा 315-332 रुपये प्रति शेयर है। यह आईपीओ 1,500 करोड़

रुपये तक के नए शेयरों के निर्गम और प्रवर्तकों द्वारा 1.74 करोड़ से अधिक शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। विक्रम सोलर लिमिटेड कंपनी ने वर्ष 2009 में 12 मेगावाट की स्थापित सौर पीवी मॉड्यूल निर्माण क्षमता के साथ अपना विनिर्माण कार्य शुरू किया था। अब इसकी स्थापित क्षमता बढ़कर 4.50 गीगावाट हो गई है। इसने 19 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों में अपनी सेवाएं प्रदान करते हुए अखिल भारतीय उपस्थिति स्थापित की है। कंपनी के प्रमुख घरेलू ग्राहकों में एनटीपीसी, नेवेली लिग्नाइट कॉरपोरेशन और गुजरात इंडस्ट्रीज पावर कंपनी है।

सर्राफा बाजार में मामूली तेजी, सोना और चांदी की बढ़ी कीमतें

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार मामूली तेजी का रुख नजर आ रहा है। कीमत में उछाल आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,00,760 रुपये से लेकर 1,00,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 92,310 रुपये से लेकर 92,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना की तरह चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,16,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,00,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 92,460 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,00,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,00,810 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,360 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,00,760 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 92,310 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,00,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,00,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 92,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 92,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,00,910 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 1,00,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 92,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने इस साल जून में 19.37 लाख नए सदस्य जोड़े

एजेंसी

नई दिल्ली। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) ने जून महीने में 19.37 लाख नए सदस्य जोड़े हैं। इनमें से 25 वर्ष तक की आयु वर्ग के 9.58 लाख लोग हैं, जो कुल पंजीकरण का 49.50 फीसदी हैं। इस अवधि में महिला सदस्यों का शुद्ध नामांकन 4.13 लाख रहा। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि ईएसआईसी की अस्थायी पेरोल आंकड़ों से पता चलता है कि जून में 19.37 लाख नए कर्मचारी जुड़े। इनमें से 25 वर्ष तक की आयु वर्ग के 9.58 लाख लोग हैं जो कुल पंजीकरण का 49.50 फीसदी है। आंकड़ों के मुताबिक जून में महिला सदस्यों का शुद्ध नामांकन 4.13 लाख रहा। इसके अलावा कुल 87 ट्रांसजेंडर कर्मचारी भी ईएसआई योजना के तहत पंजीकृत थे। मंत्रालय ने कहा कि जून में कुल 34,762 नए प्रतिष्ठानों को ईएसआई योजना के सामाजिक सुरक्षा दायरे में लाया गया है, जिससे अधिक श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित हुई है। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अनुसार यह पेरोल आंकड़े अस्थायी हैं, क्योंकि आंकड़े तैयार करना एक सतत प्रक्रिया है।

आरबीआई ने महंगाई का लक्ष्य चार फीसदी रखे जाने पर सार्वजनिक राय मांगी

एजेंसी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने आम लोगों से इस बारे में राय मांगी कि मौद्रिक नीति के लिए खुदरा महंगाई का चार फीसदी का लक्ष्य ही उपयुक्त रहेगा या बदलते वैश्विक-घरेलू परिदृश्य में नए मानदंड तय करने की जरूरत है। रिजर्व बैंक ने विभिन्न पक्षों से इस पर 18 सितंबर, 2025 तक सुझाव आमंत्रित किए हैं।आरबीआई ने एक चर्चा पत्र जारी कर चार प्रमुख सवालों पर राय मांगी है। इसमें प्रमुख सवाल यह है कि मौद्रिक नीति का मार्गदर्शन मुख्य महंगाई यानी मुद्रास्फीति से होना चाहिए या सकल मुद्रास्फीति से। आरबीआई जानना चाहता है कि चार फीसदी का लक्ष्य अब भी वृद्धि और स्थिरता में संतुलन बनाने के लिए उपयुक्त है या नहीं। इसके साथ ही रिजर्व बैंक ने लक्ष्य के प्रति दो फीसदी घट-बढ़

वाली संतोषजनक स्थिति का दायरा बदले जाने और निर्धारित लक्ष्य को हटाकर सिर्फ एक दायरा ही रखे जाने पर लोगों से राय मांगी गई है। रिजर्व बैंक के चर्चा पत्र में कहा गया है, ''अब तक का अनुभव व्यापक रूप से सकारात्मक रहा है। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक में खुदरा महंगाई के आंकड़ों को मुख्य तौर पर ध्यान में रखते हुए अपनी मौद्रिक नीति तय करती है। भारत ने वर्ष 2016 में सरकार और आरबीआई के बीच मौद्रिक नीति रूपरेखा समझौते के बाद लचीली मुद्रास्फीति लक्ष्य प्रणाली को अपनाई थी। इसके तहत ही उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा मुद्रास्फीति को चार फीसदी पर रखने का लक्ष्य तय किया गया, जिसमें दो फीसदी घट-बढ़ की छूट दी गई थी। यह मौजूदा व्यवस्था 2026 तक लागू है। आरबीआई ने जारी बयान में कहा कि पिछले नौ वर्षों के अनुभव में शुरुआती तीन और हाल के तीन साल निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप ही रहे। लेकिन बीच के वर्षों में कोरोना महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे झटकों के कारण महंगाई की दर ऊपरी दायरे के करीब रही।

सेबी प्रमुख ने प्री-आईपीओ कंपनियों के लिए विनियमित प्लेटफॉर्म शुरू करने का दिया संकेत

एजेंसी

मुंबई। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के अध्यक्ष तुहिन कांता पांडे ने कहा कि पूंजी बाजार नियामक एक विनियमित मंच पेश कर सकता है, जहां आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने वाली कंपनियां सूचीबद्ध होने से पहले कुछ खुलासे करने के बाद कारोबार कर सकेंगी। पूंजी बाजार नियामक सेबी के अध्यक्ष तुहिन कांता पांडे ने यहां फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) के 22वें वार्षिक पूंजी बाजार सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। सेबी अध्यक्ष ने इस प्रस्ताव को भारत के पूंजी बाजारों को मजबूत बनाने के उद्देश्य से व्यापक सुधारों के एक हिस्से के रूप में रेखांकित किया। तुहिन कांता पांडे ने कहा कि निवेशकों के लिए निवेश का निर्णय लेने के लिए अक्सर लिस्टिंग से पहले की जानकारी पर्याप्त नहीं होती। उन्होंने कहा कि यह पहल पायलट आधार पर होगी। पांडे ने कहा कि नियामक का मानना है कि अंतर्निहित इक्विटी बाजार को मज़बूत बनाने के लिए अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। सेबी का ये प्रस्ताव ऐसे समय में आया है, जब भारत के पूंजी बाजार तेजी से बढ़ रहा हैं, जिसमें 13 करोड़ विशिष्ट निवेशक और 7 करोड़ म्यूचुअल फंड

निवेशक शामिल हैं, जो दुनिया का चौथा सबसे बड़ा प्रतिभूति बाजार बन गया है। प्राथमिक बाजार से धन उगाहने का लक्ष्य वित्त वर्ष 2024-25 में 4.3 ट्रिलियन रुपये तक पहुंच गया है, जबकि भविष्य के प्रस्तावों के लिए 1.4 ट्रिलियन रुपये की मजबूत पाइपलाइन की पहचान की गई है।

भारत से बाहर विस्तार की तैयारी में टाटा मोटर्स

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल लिमिटेड और टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक शैलेश चंद्रा ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका में हमारी वापसी एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। भारतीय ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर टाटा मोटर्स ने घोषणा की कि उसने छह

साल बाद दक्षिण अफ्रीका के यात्री वाहन बाजार में फिर से प्रवेश किया है। कंपनी ने तीन एसयूवी और एक एंट्री-लेवल की कॉम्पैक्ट हैचबैक लॉन्च की है। टाटा मोटर्स ने दक्षिण अफ्रीकी बाजार में पंच (कॉम्पैक्ट एसयूवी), कर्व (कूप इंस्पायर्ड एसयूवी), टियागो (हैचबैक) और हैरियर (प्रीमियम एसयूवी) जैसे मॉडल लॉन्च किए हैं। ये सभी मॉडल पारंपरिक ईंधन (पेट्रोल-डीजल) पर आधारित हैं और सितंबर से बिक्री के लिए उपलब्ध होंगे। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल लिमिटेड और टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक शैलेश चंद्रा ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका में हमारी वापसी टाटा मोटर्स की वैश्विक यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

हरित ऊर्जा को प्रतिबद्ध बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए मप्र बन रहा आकर्षण का केन्द्र : मुख्यमंत्री

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश नवकरणीय ऊर्जा के प्रमुख केन्द्र के रूप में उभर रहा है। हरित ऊर्जा के लिए प्रतिबद्ध बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के लिए मध्य प्रदेश आकर्षण का केन्द्र बन रहा है। बहुराष्ट्रीय कम्पनियां यहां अपनी निर्माण इकाइयां स्थापित करने की इच्छुक हैं। उद्योगों के साथ कृषकों और जनसामान्य को सौर ऊर्जा व अन्य वैकल्पिक स्त्रोतों से किफायती दर पर विद्युत उपलब्ध कराने की दिशा में हो रहे शोध और नवाचारों को राज्य सरकार हरसंभव सहयोग और प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह बात मध्य प्रदेश प्रवास पर आए सेक्का क्लाइमेट फाउंडेशन के वाइस प्रेसिडेंट क्ले स्ट्रेंजर और सीमा पॉल, यूनिवर्सिटी ऑफ़ केलिफोर्निया बर्कले के इंडिया एनर्जी एंड क्लाइमेट सेंटर (आईईसीसी) के सीनियर एडवाइजर मोहित भार्गव से भोपाल स्थित मंत्रालय में हुई सौजन्य भेंट के दौरान कही। बैठक में सहयोग के उद्देश्यों पर चर्चा के साथ स्वच्छ एवं सतत् भविष्य के लिए साझा प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया बर्कले के सहयोग से मैनिट में 'सेंटर फॉर मिशन ऑन एनर्जी ट्रांजिशन' आरंभ

अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव ने बताया कि यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया बर्कले के सहयोग से नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग और भोपाल के मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) के बीच एमओयू हुआ है। इसके अंतर्गत मैनिट में 'सेंटर फॉर

मिशन ऑन एनर्जी ट्रांजिशन' (सीएमइटी) का शुभारंभ हुआ। यह केन्द्र भारत की भविष्य की ऊर्जा आवश्यकता के क्षेत्र में कार्य करेगा और अकादमिक-नीतिगत और औद्योगिक आवश्यकताओं के दृष्टिगत आवश्यक सुझाव एवं रणनीतियां निर्धारित करने में सहयोग देगा। मैनिट भोपाल के निदेशक केके शुक्ला ने कहा कि कैलेफोर्निया विश्वविद्यालय बर्कले एवं ग्लोबल पार्टनर सेकोइया क्लाइमेट फाउंडेशन के सहयोग से प्रारंभ केन्द्र भारत में ऊर्जा परिवर्तन को गति देने के लिये अकादमिक नीति निर्माण तथा औद्योगिक क्षेत्रों के बीच उत्कृष्ट सहयोग को दर्शाती है। कार्यक्रम में ऊर्जा क्षेत्र की अग्रणी संस्थाएं जीआईज़ेड, सीईईडब्ल्यू, डब्ल्यूआरआई, सीएसआईएस और शक्ति सस्टेनेबल एनर्जी फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया। ऊर्जा परिवर्तन मिशन केन्द्र के प्रारंभ होने से स्वच्छ एवं नवकरणीय ऊर्जा प्रणालियों पर उन्नत शोध किया जा सकेगा। नीति निर्माताओं को डेटा आधारित सुझाव एवं समाधान उपलब्ध कराये जा सकेंगे। ग्रिड स्थिरता, ऊर्जा भंडारण और डिमांड साइड प्रबंधन के लिए नवाचारों का विकास किया जा सकेगा। साथ ही प्रशिक्षण कार्यशालाओं और वैश्विक ज्ञान विनिमय के माध्यम से क्षमता निर्माण करने में भी मदद मिलेगी।मध्य प्रदेश ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक अमन बीर सिंह बैंस ने बताया कि नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग और मैनिट के हुये एमओयू से मध्य प्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जा सकेगा।

ट्रंप की पूर्व वकील अलीना हब्बा के न्यूजर्सी के अमेरिकी अटॉर्नी के रूप में काम करने पर जज ने उठाया सवाल

एजेंसी

वाशिंगटन (अमेरिका)। पेन्सिलवेनिया के मध्य जिले के न्यायाधीश मैथ्यू डब्ल्यू. ब्रैन ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप की पूर्व वकील अलीना हब्बा के न्यूजर्सी के अमेरिकी अटॉर्नी के रूप में काम करने पर सवाल उठाया है। न्यायाधीश ब्रैन ने फैसले में कहा, हब्बा ने बिना किसी कानूनी अधिकार के अमेरिकी अटॉर्नी के रूप में काम किया है। वकीलों ने सवाल उठाया था कि क्या ट्रंप की वफादार अलीना हब्बा को न्यूजर्सी में अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय चलाने का कानूनी अधिकार है। इस फैसले से राष्ट्रपति ट्रंप के शीर्ष संघीय अभियोजकों को चुनने के अधिकार पर संभावित रूप से सीमाएं लग सकती हैं। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, संघीय न्यायाधीश ने मैथ्यू डब्ल्यू. ब्रैन ने कहा कि हब्बा के बिना किसी कानूनी अधिकार के अमेरिकी अटॉर्नी के रूप में काम करने से राज्य की पहले से ही पंगु संघीय न्यायिक प्रणाली और भी अधिक अव्यवस्थित हो गई। न्यायाधीश ब्रैन ने लिखा, क्या हब्बा न्यूजर्सी जिले के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के अटॉर्नी के कार्यालय के कार्यों और कर्तव्यों का वैध रूप से पालन कर रही हैं? मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचा हूँ कि वह ऐसा नहीं कर रही हैं।

नेपाल में मधेश आंदोलन के दौरान हुए 400 से अधिक पुलिस इनकाउंटर की जांच का आदेश

काठमांडू। नेपाल में लोकतंत्र पुनर्बहाली के बाद शुरू हुए मधेश आंदोलन के दौरान पुलिस द्वारा किए गए 400 से अधिक इनकाउंटर की जांच का आदेश दिया गया है। 9 साल पहले कोर्ट में दायर एक याचिका पर फैसला देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने इन सभी इनकाउंटर की निष्पक्ष जांच करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट में तीन जजों के बेंच ने सन 2006 से लेकर 2015 के बीच मधेश के जिलों में पुलिस द्वारा विशेष सुरक्षा अभियान के नाम पर किए गए इनकाउंटर की जांच करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता सुनील रंजन सिंह के द्वारा दायर किए गए रिट पर कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए के केन्द्रीय अनुसंधान ब्यूरो (सीआईबी) से इन सभी इनकाउंटर की जांच करने को कहा है। 2016 में अधिवक्ता सुनील रंजन सिंह ने कोर्ट में याचिका दायर करते हुए सरकार के विशेष सुरक्षा योजना के तहत पुलिस द्वारा 400 से अधिक फेक इनकाउंटर कर निर्दोष नागरिकों की हत्या करने का आरोप लगाते हुए इसकी जांच की मांग की थी। अब 9 साल बाद सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश सपना प्रधान मल्ल, मनोज केसी और हरि फ़ुयाल की बेंच ने सभी घटनाओं की निष्पक्ष जांच का आदेश दिया है।

यूरोपीय संघ और अमेरिका ने 15 प्रतिशत टैरिफ वाले व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया

वाशिंगटन (अमेरिका)/ब्रसेल्स (बेल्जियम)। आखिरकार यूरोपीय संघ और अमेरिका ने 15 प्रतिशत टैरिफ वाले अपने व्यापार समझौते को अंतिम रूप दे दिया। पिछले महीने यूरोपीय संघ और अमेरिका ने एक टैरिफ समझौते की घोषणा करके व्यापार युद्ध से दूरी बनाई थी। तब यह सिर्फ एक औपचारिक समझौता था। कई हफ्तों से वार्ताकार इसके विवरण पर विचार-विमर्श कर रहे थे। उन्होंने इसका विस्तृत विवरण दुनिया के सामने साझा किया। द न्यूयॉर्क टाइम्स अखबार और ऑस्ट्रेलियाई ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन की खबर के अनुसार, इस समझौते तहत अमेरिका को होने वाले अधिकांश यूरोपीय निर्यात पर 15 प्रतिशत की स्पष्ट अधिकतम टैरिफ दर लागू होगी। संयुक्त बयान में दोनों देशों ने यूरोपीय कारों, दवाओं और लकड़ी पर लागू टैरिफ को कम करने पर सहमति व्यक्त की। लेकिन यूरोप के प्रमुख वाइन और स्पिरिट क्षेत्र सहित अन्य प्रमुख निर्यातक शून्य टैरिफ रियायत पाने में विफल रहे और अब उन्हें बढ़ी हुई लागत का बोझ अमेरिकी उपभोक्ताओं पर डालना पड़ रहा है।

पुतिन से मुलाकात के बाद डॉ. जयशंकर ने कहा-दूसरे विश्वयुद्ध के बाद भारत-रूस संबंध दुनिया में सबसे स्थिर

मास्को। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से अहम मुलाकात की।डॉ. जयशंकर ने दोनों देशों के संबंधों की मजबूती के साथ राष्ट्रपति पुतिन की इस साल के अंत में प्रस्तावित भारत यात्रा के विभिन्न पहलुओं को अंतिम रूप देने पर भी चर्चा की। रूस की तीन दिवसीय यात्रा पर यहां पहुंचे डॉ. जयशंकर की पुतिन से यह मुलाकात ऐसे समय में हुई जब अमेरिका ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की है। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने क्रेमलिन में राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात की। इससे पहले एस जयशंकर ने रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और प्रथम उप-प्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव से भी मुलाकात की। इन मुलाकातों की तस्वीरें डॉ. जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की हैं।

पाकिस्तान के दक्षिणी वजीरिस्तान में गोलीबारी में 11 घायल, बाजौर जिले की मस्जिद में विस्फोट

एजेंसी

इस्लामाबाद (पाकिस्तान)। पाकिस्तान के दक्षिणी वजीरिस्तान जिले की बिरमल तहसील में गुरुवार सुबह सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच हुई भीषण गोलीबारी में एक महिला और कुछ बच्चों समेत कम से कम 11 लोग घायल हो गए। इसके अलावा बाजौर जिले की एक मस्जिद में हुए विस्फोट में 24 से ज्यादा लोगों के मारे जाने की सूचना है। यह दुर्गम क्षेत्र है। इस वजह से विस्फोट की पुष्टि नहीं हो सकी है।

डान अखबार ने सूत्रों के हवाले से खबर में जानकारी दी है कि यह गोलीबारी करमाजी स्टॉप के पास उस समय हुई जब सेना एक प्रमुख आतंकवादी गढ़ पर कब्जा करने के लिए अभियान चला रही थी। सुरक्षा बल उस इलाके में दो नई चौकियां स्थापित करने में कामयाब रहे। गोलीबारी के सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद वाना के

जिला अस्पताल ले जाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पूरे दिन रुक-रुक कर गोलीबारी होती रही। कई घंटों तक परिवार अपने घरों में कैद रहे। गोलीबारी की वजह से वाना-आजम वारसाक रोड दोपहर करीब 1 बजे तक बंद रही। इस वजह से हजारों लोग वाना रुस्तम बाजार नहीं पहुंच पाए। इसके अलावा, बाजौर की नवागई तहसील के सुदूर चारमांग क्षेत्र में हुए एक विस्फोट में 24 से ज्यादा लोगों के मारे जाने की सूचना है। यह भी दावा है कि मारे गए लोगों में कई आतंकवादी भी शामिल हैं। कुछ रिपोर्टों के अनुसार, पहाड़ी इलाके में स्थित एक मस्जिद में हुए इस विस्फोट में दो दर्जन से अधिक लोग मारे गए। यह दुर्गम क्षेत्र है, इसलिए घटना की तत्काल पुष्टि नहीं हो सकी। बाजौर में इस समय आतंकवादियों के खिलाफ ऑपरेशन सरबकाफ चल रहा है। सुरक्षा बलों ने क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी को जड़ से उखाड़ने के प्रयास के तहत जिले के कुछ हिस्सों को खाली करा लिया है। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने दोनों घटनाओं पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

अमेरिका से 7000 नेपाली नागरिकों के निर्वासन के फैसले पर संघीय अदालत में मुहर लगाई

एजेंसी

काठमांडू। संयुक्त राज्य अमेरिका की एक संघीय अपील अदालत ने नेपाल के नागरिकों के लिए अस्थायी संरक्षित स्थिति (टीपीएस) को समाप्त करने का रास्ता साफ कर दिया है। इसके साथ ही इस सुविधा के तहत अमेरिका में रह रहे 7000 नेपाली नागरिको को अब देश छोड़ना ही होगा। ताजा आदेश के कारण अमेरिका में रहे रहे 7000 नेपाली नागरिकों को अगस्त के अंतिम सप्ताह तक अमेरिका छोड़ कर जाना होगा। पिछले महीने ही, एक निचली अदालत ने तीन देशों नेपाल, निकारागुआ और होंडुरास के लिए टीपीएस रद्द करने के होमलैंड सुरक्षा विभाग के कदम पर नवंबर के मध्य तक रोक लगा दी थी। लेकिन ट्रंप प्रशासन ने इसे ऊपरी अदालत में चुनौती दी थी जिसके बाद यह ताजा फैसला आया है। अमेरिका की अपील न्यायालय के फैसले के अनुसार, जिन लोगों के पास कानूनी दर्जा नहीं है, जैसे कि ग्रीन कार्ड या शरणार्थी का दर्जा, वे टीपीएस लाभ खोने के बाद कानूनी रूप से काम करने के पात्र नहीं होंगे और उन्हें सरकार द्वारा तय समय सीमा के भीतर देश छोड़ कर जाना होगा। पिछले महीने के आदेश से पहले, ट्रम्प प्रशासन ने 5 अगस्त को नेपाल के लिए तथा सितंबर की शुरुआत में निकारागुआ और होंडुरास के नागरिकों के लिए टीपीएस को समाप्त करने का आदेश दिया था अमेरिका की होमलैंड सुरक्षा विभाग ने गुरुवार के अपील न्यायालय के फैसले को महत्वपूर्ण कानूनी जीत बताया। होमलैंड डिपार्टमेंट की सहायक सचिव ट्रिशिया मैक्लेलन ने कहा, यह ट्रम्प प्रशासन, कानून के शासन और अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा के लिए एक और बड़ी कानूनी जीत है। अस्थायी संरक्षित दर्जा हमेशा अस्थायी होता है।

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे चार घंटे तक पूछताछ के बाद गिरफ्तार

एजेंसी

कोलंबो (श्रीलंका)। देश के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे को आज आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने चार घंटे तक पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। वे सरकारी धन के दुरुपयोग के आरोपों पर बयान दर्ज कराने के लिए एजेंसी के दफ्तर पहुंचे थे। यह मामला सितंबर, 2023 में उनकी पत्नी प्रो. मैत्री विक्रमसिंघे के वॉल्वरहैम्प्टन विश्वविद्यालय के स्नातक समारोह में शामिल होने के लिए लंदन की उनकी यात्रा से संबंधित है। वह श्रीलंका के इतिहास में गिरफ्तार होने वाले पहले पूर्व राष्ट्रपति हैं। डेली मिरर अखबार की खबर के अनुसार आपराधिक जांच विभाग के अधिकारियों का दावा है कि यात्रा और सुरक्षा खर्चों के लिए सरकारी धन का इस्तेमाल किया गया। पूर्व राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने इन आरोपों से इनकार किया है। उन्होंने जोर देकर कहा है कि उनकी पत्नी ने अपना खर्च खुद वहन किया और किसी भी सार्वजनिक धन का

दुरुपयोग नहीं किया। इससे पहले सीआईडी ने उनकी पूर्व निजी सचिव सैंड्रा पेरेरा और पूर्व राष्ट्रपति सचिव समन एकनायके के बयान दर्ज किए। बाद में बयानों को फोर्ट मजिस्ट्रेट कोर्ट में साक्ष्य के तौर पर पेश किया। बताया गया है कि पूर्व राष्ट्रपति से चार घंटे तक पूछताछ की गई। इसके बाद उन्हें आज सुबह हिरासत में ले लिया गया। उन्हें आज शाम तक फोर्ट मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया जा सकता है। विक्रमसिंघे ने गोटबाया राजपक्षे के इस्तीफे के बाद जुलाई, 2022 में राष्ट्रपति पद संभाला। सितंबर, 2024 में वह चुनाव हार गए।

बलोच लड़ाकों का खुजदार जिले के जेहरी इलाके में कब्जा, सुरक्षा बलों को बनाया निशाना

एजेंसी

क्वेटा (बलोचिस्तान)। सशस्त्र बलोच लड़ाकों ने पिछले 10 दिनों से खुजदार जिले के जेहरी इलाके पर कब्जा कर रखा है। लड़ाकों ने इलाके के गजान, सोहिंदा और सुन्नी में पाकिस्तान के सैन्य बलों को निशाना बनाकर भीषण हमले किए हैं। हमलों में सुरक्षा बलों को नुकसान होने की बात कही जा रही है। पाकिस्तान के अधिकारियों ने इस बारे में कोई टिप्पणी नहीं की। द बलोचिस्तान पोस्ट की खबर के अनुसार बलोच लड़ाकों ने जेहरी पर सशस्त्र कब्जे की शुरुआत 11 अगस्त को जनसभा को संबोधित कर की। इस दौरान शहर में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे सुरक्षा बलों पर घात लगाकर हमला किया। बाद में लड़ाकों ने प्रवेश मार्गों को अवरुद्ध कर सैन्य आवाजाही को रोक दिया। यही नहीं सुन्नी-नूरगामा सड़क पर बुलडोजर चलवा दिया। गजान और मश्क से आगे बढ़ रहे सैनिकों पर हमला किया। इस बीच, पाकिस्तान की सेना ने अंजीरा आरसीडी क्रॉस

को सभी तरह के यातायात के लिए बंद कर दिया है। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि सैनिकों ने जेहरी जा रहे दो युवकों को कथित तौर पर यातना देने के बाद हिरासत में लेने का प्रयास किया, लेकिन यात्रियों ने हस्तक्षेप कर उन्हें छुड़ा लिया।

दक्षिण अमेरिका के ड्रेक पैसेज में शक्तिशाली भूकंप, यूएसजीएस ने 7.5 तीव्रता बताई

एजेंसी

वाशिंगटन। दक्षिण अमेरिका के ड्रेक पैसेज को शक्तिशाली भूकंप का सामना करना पड़ा। शुरुआत में इसकी तीव्रता 8 बताई गई। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने बाद में कहा कि भूकंप की तीव्रता 7.5 रही। भूकंप 10.8 किलोमीटर की गहराई पर आया। इसका केंद्र ड्रेक पैसेज था। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार यह ड्रेक पैसेज दक्षिण अमेरिका के सबसे दक्षिणी सिरे और अंटार्कटिका के बीच एक जल निकाय है। अमेरिकी सुनामी चेतावनी प्रणाली ने ड्रेक पैसेज भूकंप के बाद कोई चेतावनी जारी नहीं की। प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र (पीटीडब्ल्यूसी) ने जरूर चिली के लिए संक्षिप्त चेतावनी जारी की। इसमें कहा गया कि ड्रेक पैसेज में आए भूकंप से अगले तीन घंटों के भीतर चिली के कुछ तटों पर खतरनाक सुनामी लहरें उठने की आशंका है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार भूकंप अर्जेंटीना समयानुसार रात 11:16 बजे चिली और अर्जेंटीना

के तटों से छह मील की गहराई पर आया। भनक लगते ही चिली सरकार ने अंटार्कटिका स्थित अपने कुछ ठिकानों पर संभावित सुनामी लहरों की चेतावनी जारी की। राष्ट्रीय सुनामी चेतावनी केंद्र ने कहा कि अमेरिका में सुनामी का खतरा बहुत कम है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने भूकंप की अपनी माप को 8 की प्रारंभिक रीडिंग से घटाकर 7.5 कर दिया।एबीसी न्यूज के अनुसार यह भूकंप अर्जेंटीना के उशुआइया से लगभग 710 किलोमीटर (441 मील) दक्षिण-पूर्व में ड्रेक पैसेज में स्थानीय समयानुसार रात 11:16 बजे आया। भूकंप की प्रारंभिक गहराई 10.8 किलोमीटर (6.7 मील) थी। ड्रेक पैसेज दक्षिण अमेरिका के दक्षिणी सिरे और अंटार्कटिक प्रायद्वीप के बीच दक्षिण अटलांटिक और दक्षिण प्रशांत महासागरों को जोड़ता है। यह क्षेत्र अत्यंत दुर्गम है। अभी तक किसी प्रकार के नुकसान या किसी के भी हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। एरिन तूफानः द न्यूयॉर्क टाइम्स की एक अन्य खबर के अनुसार अमेरिका में तूफान एरिन की वजह से उत्तरी कैरोलिना के आउटर बैंक्स में तीव्र लहरें उठ रही हैं। इसके मद्देनजर न्यूयॉर्क शहर प्रशासन ने तैराकी पर प्रतिबंध की अवधि बढ़ा दी है। न्यूयॉर्क के समुद्र तट को पहले बुधवार और तैराकी के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया था। अब यह प्रतिबंध शुक्रवार को भी जारी रहेंगे। एरिन तूफान उत्तरी कैरोलिना के आउटर बैंक्स से लगभग 285 मील पूर्व में स्थित है और अटलांटिक महासागर के माध्यम से उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ रहा है। आउटर बैंक्स में ऊंची लहरों की चेतावनी जारी की गई है।

अमेरिका के पहले सरकारी अप्रवासी हिरासत केंद्र को जज ने दिया ढहाने का आदेश, ट्रंप प्रशासन फैसले के खिलाफ करेगा अपील

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के मियामी स्थित संघीय जिला न्यायालय की न्यायाधीश कैथलीन एम. विलियम्स ने आदेश दिया कि अप्रवासी बंदियों की हिरासत के लिए बनाए गए देश के पहले सरकारी केंद्र (फ्लोरिडा एवरग्लेड्स स्थित हिरासत केंद्र) का अधिकांश हिस्सा दो माह में ध्वस्त कर दिया जाए। साथ ही इस केंद्र में कोई नया बंदी भी न भेजा जाए। ट्रंप प्रशासन ने फैसले को चुनौती देने की घोषणा की है। इस केंद्र को आव्रजन निरोध केंद्र और एलीगेटर अल्काट्राज के नाम से भी जाना जाता है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, न्यायाधीश कैथलीन एम. विलियम्स ने फैसले में राज्य और संघीय सरकारों को एलीगेटर अल्काट्राज नामक इस केंद्र के निर्माण से पहले संभावित पर्यावरणीय क्षति पर विचार न करने के लिए फटकार भी लगाई है। उन्होंने सरकार के दोनों विभागों को मौजूदा बंदियों को हटाने और बाड़, प्रकाश व्यवस्था, बिजली जनरेटर और अन्य सामग्री हटाने के लिए 60 दिन का समय दिया है। आदेश में उस स्थान पर किसी भी नए निर्माण पर भी रोक लगाई गई है। न्यायाधीश कैथलीन एम. विलियम्स का मानना है कि राज्य और संघीय सरकारों ने निर्माण परियोजना से पहले पर्यावरणीय समीक्षा न कर संघीय कानून का उल्लंघन किया है। न्यायाधीश विलियम्स ने पर्यावरणविदों और मिकोसुकी जनजाति के सदस्यों के आग्रह को आंशिक रूप से स्वीकार कर लिया है। उन्होंने कहा कि यह केंद्र संरक्षित भूमि से घिरा हुआ है। यह संवेदनशील एवरग्लेड्स पारिस्थितिक तंत्र का हिस्सा है।

कैलिफोर्निया के गवर्नर ने कांग्रेसी जिलों के पुनर्सीमांकन संबंधी दो विधेयकों पर हस्ताक्षर किए

एजेंसी

सैक्रामेंटो (कैलिफोर्निया) अमेरिका। कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने कांग्रेसी जिलों के पुनर्सीमांकन संबंधी दो विधेयकों पर हस्ताक्षर कर दिए। विधानमंडल ने दोनों विधेयक पारित कर उनके पास भेजे थे। कैलिफोर्निया का यह कदम ज्यादा डेमोक्रेट्स को चुनने की व्यापक योजना का हिस्सा है।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप के आग्रह पर बुधवार को टेक्सास में रिपब्लिकन बहुमत वाली विधानसभा में पारित किए गए पुनर्सीमांकन मानचित्र का तत्कालिक जवाब है। कैलिफोर्निया और टेक्सास के इस घटनाक्रम का प्रभाव राष्ट्रीय स्तर पर पड़ना तय है। डेमोक्रेट और रिपब्लिकन लंबे समय से प्रतिनिधि सभा पर नियंत्रण के लिए प्रयासरत है। ये कदम संभावित राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार न्यूसम को मध्यावधि चुनाव चक्र में

राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ लड़ाई में सबसे आगे खड़ा कर देने वाला है। न्यूसम ने विधेयकों पर हस्ताक्षर करने से पहले कहा, हम टेक्सास में जो हुआ, उसका जवाब दे रहे हैं। हम जो कुछ हुआ उसे बेअसर कर रहे हैं और हम अमेरिकी लोगों को एक उचित मौका दे रहे हैं, क्योंकि जब सभी चीजें समान होती हैं, तो हम सभी एक ही नियमों से खेलते हैं। चुनाव विश्लेषकों का कहना है कि राज्य आमतौर पर प्रत्येक जनगणना के बाद जनसंख्या परिवर्तन को दर्शाने के लिए कांग्रेसी जिलों में बदलाव करते हैं, लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप ने टेक्सास में रिपब्लिकन के माध्यम से ऐसाकर परंपरा को तोड़ दिया है। इससे दो सबसे अधिक आबादी वाले राज्यों के बीच राजनीतिक टकराव बढ़ना स्वाभाविक है। कैलिफोर्निया के डेमोक्रेटिक असेंबलीमैन मार्क बर्मन ने स्टेट कैपिटल में विधेयक पेश करते हुए कहा, हम यह लड़ाई नहीं चाहते हैं और हमने यह लड़ाई नहीं चुनी है, लेकिन लोकतंत्र को खतरे में डालते हुए हम इस लड़ाई से भाग नहीं सकते और न ही भागेंगे। देश के सबसे अधिक आबादी वाले राज्य होने के नाते कैलिफोर्निया में किसी भी अन्य राज्य की तुलना में सबसे अधिक अमेरिकी प्रतिनिधि हैं। इनकी संख्या 52 है। इनमें से 43 सीटें डेमोक्रेट और नौ रिपब्लिकन के पास हैं। यह बड़ा दलगत विभाजन है।

ओली सरकार के संसद में विश्वास मत हासिल न करने के मामले में सुनवाई करेगा नेपाल सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी

काठमांडू। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सरकार को समर्थन देने वाले दो दलों के समर्थन वापस लेने के बाद भी संवैधानिक प्रावधानों के तहत सदन में विश्वास का मत नहीं लेने के मामले में आज उच्चतम न्यायालय में सुनवाई की जाएगी। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सरकार से नागरिक उन्मुक्ति पार्टी और जनता समाजवादी पार्टी नेपाल ने 45 दिन पहले ही अपना समर्थन वापस ले लिया था। इनमें नागरिक उन्मुक्ति पार्टी सरकार में शामिल थी तो जनता समाजवादी पार्टी बाहर से समर्थन दे रही थी। नेपाल के संविधान में प्रावधान है कि यदि सरकार में शामिल कोई दल समर्थन वापस लेता है तो ऐसे में प्रधानमंत्री को 30 दिन के भीतर सदन में विश्वास मत हासिल करना होगा, लेकिन 45 दिन के बाद भी ऐसा न होने पर उच्चतम

न्यायालय में एक याचिका दायर की गई है, जिस आज सुनवाई शुरू हो रही है।

यूएमएल पार्टी के महासचिव शंकर पोखरेल ने कहा कि सरकार बनाने का दावा पेश करते समय सिर्फ नेपाली कांग्रेस और यूएमएल पार्टी के समर्थन से सरकार का गठन किए जाने का पत्र दिया गया था इसलिए बाकी दलों के समर्थन देने या वापस लेने से कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। याचिका दायर करने वाले अधिवक्ता वीरेन्द्र केसी का तर्क है कि नेपाल के संविधान में प्रावधान है कि जब सरकार में शैल कोई दल सरकार से बाहर हो जाता है या समर्थन वापस ले लेता है, तो ऐसी परिस्थिति में प्रधानमंत्री को 30 दिनों के भीतर ही सदन में विश्वास मत लेना होगा।

ब्रिटेन ने ईरानी तेल कारोबारी और चार कंपनियों पर लगाया प्रतिबंध

एजेंसी

लंदन। ब्रिटेन ने ईरानी तेल कारोबारी मोहम्मद हुसैन शमखानी और चार कंपनियों पर तेहरान की विदेशी गतिविधियों को समर्थन देने वाले नेटवर्क का हिस्सा होने का आरोप लगाते हुए प्रतिबंध लगाया है। इनमें यूक्रेन और इजराइल में अस्थिरता फैलाना भी शामिल है। ब्रिटिश विदेश मंत्रालय ने कहा कि इन प्रतिबंधों में शमखानी पर संपत्ति फ्रीज और यात्रा प्रतिबंध तथा शिपिंग, पेट्रोकेमिकल और वित्तीय क्षेत्र की कंपनियों पर संपत्ति फ्रीज शामिल है। ब्रिटेन के मध्य पूर्व मामलों के मंत्री हैमिश फाल्कनर ने कहा, ईरान की व्यापारिक नेटवर्क और संबद्ध संगठनों से होने वाली आमदनी उसे अस्थिर करने वाली गतिविधियों को अंजाम देने, क्षेत्रीय प्रॉक्सी और साझेदारों को समर्थन देने और ब्रिटेन में राज्य-प्रायोजित खतरों को सक्षम करने में मदद करती है। ईरानी दूतावास ने इन प्रतिबंधों को एकतरफा और अवैध कदम बताते हुए खारिज किया और इसे निराधार आरोप करार दिया। शमखानी, जो ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई के सलाहकार के बेटे हैं, से टिप्पणी के लिए संपर्क नहीं हो सका। अमेरिका ने पिछले महीने ही शमखानी पर प्रतिबंध लगाए थे, यह आरोप लगाते हुए कि वे एक विशाल नेटवर्क के जरिए कंटेनर शिप और टैंकरों को नियंत्रित करते हैं।

नेपाल के शुक्लाफांटा राष्ट्रीय उद्यान में इस वर्ष मिले 19 दुर्लभ प्रजातियों के पक्षी

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के शुक्लाफांटा राष्ट्रीय उद्यान में इस वर्ष 19 दुर्लभ प्रजातियों के पक्षी पाए गए हैं। इन दुर्लभ पक्षियों में छोटी टाइट, सारस, काले पैर वाले ईगल, काले पैर वाले गिद्ध और छोटे भूरे रंग के गिद्ध, सुनहरे गिद्ध, भीमकाय बाज, लुप्तप्राय बाज़, सफेद गले वाले तीतर और कई अन्य प्रजातियां शामिल हैं। शुक्लाफांटा राष्ट्रीय उद्यान 465 दुर्लभ प्रजातियों के पक्षियों का घर है, जिनमें से इस वर्ष 19 को दुनिया भर में दुर्लभ माना गया है। नेपाल की बर्ड कंजर्वेशन सोसाइटी (बीसीएन) के पक्षी विज्ञानी हिरुलाल डगौरा के अनुसार इनमें से सबसे अधिक लुप्तप्राय ग्रेट इंडियन बस्टर्ड है। यह ऐसा पक्षी है, जो घास के मैदानों में रहता है और शुक्लाफांटा की पहचान से निकटता से जुड़ा हुआ है। पार्क में इसकी जनसंख्या बहुत कम है। शुक्लाफांटा के लिए अद्वितीय सुनहरे कैनन पक्षी को लालपानी, मोहनपुर और सिंहपुर जैसे घास के मैदानों में देखा जा सकता है। यह पक्षी आर्द्रभूमि और घास के मैदानों

के पास कांटेदार पेड़ों में घोंसला बनाता है, जिसमें कभी-कभी एक ही पेड़ में दर्जनों घोंसले पाए जाते हैं। इस उद्यान में सफेद गले वाले तीतर जैसे प्रवासी पक्षी सर्दियों में आते हैं, जबकि सारस अक्सर झीलों में आते हैं। इस उद्यान में विभिन्न गिद्ध भी रहते हैं। शुक्लाफांटा गिद्धों की आठ प्रजातियों का घर है, जिनमें से चार सेबल गिद्ध, कम धूसर गिद्ध, सुनहरा गिद्ध और सफेद गिद्ध गंभीर रूप से लुप्तप्राय हैं। डगौरा के अनुसार यहां सेबल गिद्धों की आबादी थोड़ी बढ़ी है, लेकिन अन्य प्रजातियों की संख्या बहुत कम है। यहां की सभी गिद्ध प्रजातियां प्रकृति संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ (आईयूसीएन) की रेड लिस्ट में सूचीबद्ध हैं। यह उद्यान सर्दियों में प्रवासी पक्षियों के लिए भी एक प्रमुख गंतव्य है।

दुर्लभ जलपक्षी, जैसे काले सिर वाला बतख इस मौसम के दौरान पार्क के तालाबों में जाते हैं। नेपाल की बर्ड कंजर्वेशन सोसाइटी ने हाल ही में एक सर्वेक्षण कराया है, जिसमें शुक्लाफांटा और उसके आसपास की आर्द्रभूमि में लगभग 5,882 जलपक्षी दर्ज किए गए। सर्दियों के दौरान अपने प्रचुर मात्रा में पक्षियों के जीवन के कारण यह उद्यान पक्षियों पर नजर रखने वालों के लिए एक लोकप्रिय स्थान बन गया है। लगभग 305 वर्ग किलोमीटर में फैले शुक्लाफांटा में 71 प्रतिशत वन हैं, जिसमें 80 प्रतिशत से अधिक वन साल के पेड़ों से बने हैं। ये वन और घास के मैदान उद्यान की समृद्ध एवियन विविधता के लिए महत्वपूर्ण आवास प्रदान करते हैं।

बेहतरीन नगरीय अवस्थापना का मानक बनेंगी जिला मुख्यालयों की नगर पालिकाएँ : मुख्यमंत्री

लखनऊ, 22 अगस्त। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिला मुख्यालयों वाली नगर पालिकाओं को स्मार्ट और विकसित नगर पालिका के रूप में विकसित करने की योजना का क्रियान्वयन प्रारम्भ करने के निर्देश दिए हैं। शुक्रवार को नगर विकास विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि स्मार्ट-विकसित नगर पालिका योजना का उद्देश्य जिला मुख्यालयों की नगर पालिकाओं को आधुनिक, आत्मनिर्भर और नागरिक-केंद्रित स्वरूप में विकसित करना है। उन्होंने निर्देश दिया कि इस पर यथाशीघ्र कार्य प्रारंभ किया जाए।

अधिकारियों ने अवगत कराया कि योजना के अंतर्गत नगर पालिकाओं में गौरव पथ, पिंक टॉयलेट, शहरी सुविधा केंद्र, स्मार्ट क्लासरूम व आंगनबाड़ी, थीम आधारित पार्क, ऐतिहासिक धरोहर संरक्षण, जलाशयों का पुनर्जीवन, ईवी चार्जिंग स्टेशन, ग्रीन क्रेमेटोरियम और डिजिटल सेवाओं जैसी आधुनिक सुविधाएँ विकसित की जाएँगी। साथ ही स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त करने के लिए उत्सव भवन, सामुदायिक केंद्र और 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' आधारित ढाँचे भी स्थापित किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना को हब-एंड-स्पोक मॉडल पर लागू किया जा सकता है। उदाहरणस्वरूप, लखनऊ और गोरखपुर स्थित एकीकृत कमांड एवं कंट्रोल सेंटर से समीपवर्ती

जिला मुख्यालयों की नगर पालिकाओं को जोड़ा जा सकता है। इससे नगर पालिकाओं को सुरक्षा, निगरानी और शिकायत निवारण जैसी सेवाओं में आधुनिकता मिलेगी तथा संसाधनों का बेहतर उपयोग संभव होगा। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक नगर पालिका में परियोजनाओं का चयन स्थानीय आवश्यकताओं के आधार पर किया जाए और वित्तीय संसाधनों का आवंटन नगर निकायों की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति के अनुसार किया जाए। अधिकारियों ने बताया कि नगर निकायों को 4 करोड़ से 10 करोड़ रुपये तक का अनुदान उपलब्ध कराए जाने का प्रस्ताव है, जो उनकी जनसंख्या और कार्यदक्षता पर आधारित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला मुख्यालयों की नगर पालिकाओं को विकसित-स्मार्ट स्वरूप देने से न केवल आधारभूत संरचना सुदृढ़ होगी, बल्कि नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण और पारदर्शी सेवाएँ भी मिलेंगी।बैठक में लखनऊ और कानपुर में 200 इलेक्ट्रिक बसों को नेट कॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट मोड पर संचालित करने तथा अन्य नगरों में 650 बसों की प्रत्यक्ष खरीद का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इलेक्ट्रिक बसों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए और इसके लिए आवश्यक चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर भी शीघ्र तैयार किया जाए।

सेना कमांडर ने चिशोती में राहत कार्यों के लिए सैनिकों की सराहना की

श्रीनगर, 22 अगस्त (हि.स.)। उत्तरी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने चशोती बादल फटने के दौरान आपदा राहत प्रयासों के लिए सैनिकों की सराहना की है।

सेना कमांडर ने किश्तवाड़ और राजौरी जिलों का दौरा किया। उत्तरी कमान ने शुक्रवार को एक्स पर कहा कि उत्तरी कमान के सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने राजौरी और किश्तवाड़ में आंतरिक संरचनाओं और इकाइयों का दौरा किया और चशोती बादल फटने के दौरान सैनिकों की लचीली कार्रवाई और एचएडीआर प्रयासों के त्वरित और सफल निष्पादन के लिए उनकी सराहना की।

मचैल माता मंदिर के रास्ते में आखिरी मोटर योग्य गाँव चशोती में 14 अगस्त को बादल फटने से

65 लोग मारे गए और 33 लापता हो गए।

सेना ने चशोती में खोज, बचाव और राहत अभियान के लिए मशीनों के साथ 300 से अधिक सैनिकों को तैनात किया है।

सेना के इंजीनियरों ने रविवार को चशोती नाले पर एक बेली ब्रिज का निर्माण किया जिससे गाँव और मचैल माता मंदिर के बीच आवश्यक संपर्क बहाल हो गया। सेना ने बचाव और राहत अभियान को तेज़ करने के प्रयासों के तहत कुछ ऑल-टेरेन वाहन भी तैनात किए हैं। बादल फटने से आई अचानक बाढ़ ने भारी तबाही मचाई, एक अस्थायी बाज़ार और वार्षिक मचैल माता यात्रा के लिए लंगर स्थल को तहस-नहस कर दिया, 16 घरों और सरकारी इमारतों, तीन मंदिरों, चार पनचक्कियों, एक 30 मीटर लंबे पुल के अलावा एक दर्जन से ज़्यादा वाहनों को नुकसान पहुँचा।

स्थानीय समाचार

40 किलो 694 ग्राम अफीम के भूसे के साथ अंतरराज्यीय नशा आपूर्तिकर्ता गिरफ्तार

जम्मू, 22 अगस्त (हि.स.)। नशीले पदार्थों की तस्करी और मादक द्रव्यों के सेवन के विरुद्ध एक दृढ़ कार्रवाई में जम्मू पुलिस ने झज्जर कोटली पुलिस स्टेशन के अंतर्गत नाडाल मनवाल क्षेत्र में नाका चौकी पर एक अंतरराज्यीय नशा आपूर्तिकर्ता को गिरफ्तार कर उसके पास से 40 किलो 694 ग्राम अफीम जैसा पदार्थ बरामद करके एक और बड़ी सफलता हासिल की।

नाडाल मनवाल में नाका चेकिंग ड्यूटी के दौरान पुलिस चौकी मनवाल की एक पुलिस टीम ने प्रभारी पुलिस निरीक्षक भवानी सिंह के नेतृत्व में अपनी टीम के साथ पंजीकरण संख्या पीबी65एआर-0056 वाले एक वाहन के तेल टैंक को रोका और टैंक के तेल कक्ष के नीचे छिपाकर रखे गए अफीम जैसे पदार्थ को बरामद किया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसकी पहचान गुरमीत सिंह पुत्र राजिंदर सिंह निवासी राजपुरा पटियाला पंजाब के रूप में हुई।

इस संबंध में झज्जर कोटली पुलिस स्टेशन में एफआईआर संख्या 108/2025, धारा 8/15 एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया प्रतिबंधित सामग्री जब्त की गई और आगे की जाँच शुरू की गई।

यह पूरा अभियान झज्जर कोटली पुलिस स्टेशन के एसएचओ, इंस्पेक्टर विकास डोगरा द्वारा एसडीपीओ नगरोटा विनोद कुमार, एसपी ग्रामीण जम्मू बृजेश शर्मा और एसएसपी जम्मू जोगिंदर सिंह के समग्र पर्यवेक्षण में चलाया गया।

जम्मू पुलिस तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और निरंतर जन सहयोग के माध्यम से समाज से नशीली दवाओं के खतरे को खत्म करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।

जम्मू-कश्मीर को 2030 तक गर्भाशय ग्रीवा कैंसर मुक्त बनाने के लिए टीकाकरण अभियान शुरू

जम्मू, 22 अगस्त (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर की बालिकाओं में गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की रोकथाम के लिए बुधवार को एक निःशुल्क टीकाकरण अभियान की शुरुआत की गई। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी।

स्वास्थ्य मंत्री सकीना इत्तो ने इस अनोखी पहल का उद्घाटन किया और सरकार की इस प्रतिबद्धता को दोहराया कि वह महिलाओं की ज़िंदगी बचाने और स्वस्थ भविष्य बनाने के लिए गंभीर है।

उन्होंने मानव पैपिलोमा वायरस टीके के बारे में जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर ज़ोर देते हुए कहा कि इसकी सुरक्षा और प्रभावशीलता से संबंधित जानकारी जम्मू-कश्मीर के हर हिस्से तक पहुँचाने के लिए एक सतत अभियान चलाया जाना चाहिए।

मंत्री ने सामाजिक कल्याण और स्कूल शिक्षा विभागों से स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के साथ मिलकर इस अभियान को आगे बढ़ाने की अपील की। सरकारी मेडिकल कॉलेज जम्मू के प्राचार्य अशुतोष गुप्ता ने बताया कि गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर क्षेत्र की महिलाओं में दूसरा सबसे आम कैंसर है, जिसका मुख्य कारण एचपीवी का लगातार संक्रमण है।

किश्तवाड़ बादल फटने की घटना- अब तक 68 लोगों की मौत, रेस्क्यू अभियान जारी

जम्मू, 22 अगस्त (हि.स.)। लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा के निर्देश पर सड़क एवं भवन खनन विभाग के प्रधान सचिव अनिल कुमार सिंह ने पाडर किश्तवाड़ के चाशोती गांव का दौरा किया और वहां चल रहे बचाव एवं राहत कार्यों की समीक्षा की।

उनके साथ आईजी ट्रैफिक जे×के एम. सुलेमान चौधरी, डीआईजी डीकेआर रेंज श्रीधर पाटिल, मुख्य अभियंता पीएमजीएसवाई श्री राजेश गुप्ता, एसएसपी किश्तवाड़ समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

प्रधान सचिव ने मौके पर हालात का जायजा लिया, प्रभावित ग्रामीणों से बातचीत की और जिला प्रशासन व बचाव दलों की कार्यवाही की समीक्षा की। उन्होंने क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे, विशेषकर चाशोती पुल और पीएमजीएसवाई सड़कों का निरीक्षण किया और जल्द से जल्द बहाली के निर्देश दिए। साथ ही एक बैली ब्रिज उपलब्ध कराने के आदेश भी जारी किए।

उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि बचाव कार्य पूरे होने के बाद जसनी नाला और हाको नाला पर पुलों के प्रस्ताव तैयार किए जाएं। विस्थापित परिवारों की तात्कालिक ज़रूरतों और शीघ्र राहत एवं पुनर्वास की अहमियत पर विशेष बल दिया गया।

अनिल कुमार सिंह ने सभी विभागों और एजेंसियों को एकीकृत और सक्रिय दृष्टिकोण अपनाने पर ज़ोर दिया ताकि राहत और बचाव कार्य प्रभावी ढंग से हो सकें और लोगों को शीघ्र सहायता मिल सके।

चाशोती में लगातार आठवें दिन भी रेस्क्यू अभियान जारी है। अब तक 68 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, 36 लोग अब भी लापता हैं और 100 से अधिक लोग घायल हुए हैं। विभिन्न टीमों के सामूहिक प्रयासों से बचाव अभियान लगातार चल रहा है।

वहीं, एलओपी सुनील शर्मा भी चाशोती में मौजूद हैं। उन्होंने प्रभावित परिवारों की समस्याओं को संबंधित विभागों तक पहुँचाने के लिए हेल्प डेस्क स्थापित किया है। साथ ही, उन्होंने चाशोती और आसपास के क्षेत्रों में सफाई अभियान भी शुरू किया है ताकि बादल फटने के बाद किसी भी बीमारी के फैलने की आशंका को टाला जा सके।

कस्टोडियन भूमि पर कब्जे से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की छापेमारी

जम्मू, 22 अगस्त (हि.स.)। प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को जम्मू क्षेत्र में राजस्व विभाग के कुछ अधिकारियों के खिलाफ कस्टोडियन भूमि पर कब्जे से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत कई जगहों पर छापेमारी की। यह मनी लॉन्ड्रिंग मामला जम्मू-कश्मीर पुलिस के

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (केंद्रीय) में दर्ज एक प्राथमिकी से जुड़ा है।

सूत्रों ने बताया कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जम्मू में कम से कम नौ और उधमपुर में एक जगह पर छापेमारी की गई। पटवारी रैंक के अधिकारियों प्रणव देव सिंह और राहुल काई तथा नायब तहसीलदार अकील अहमद के अलावा कुछ अन्य लोगों से जुड़े ठिकानों पर 2022 से जम्मू में कस्टोडियन भूमि (पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से विस्थापितों की) से संबंधित भूमि हड़पने और भ्रष्टाचार से जुड़े एक मामले में यह छापेमारी की जा रही

डीएलआईसी ने मिशन युवा के तहत 120 ऋण सहायता मामलों को मंजूरी दी

उधमपुर 22 अगस्त। उपायुक्त उधमपुर सलोनी राय ने मिशन युवा योजना के लिए जिला स्तरीय कार्यान्वयन समिति की बैठक की अध्यक्षता की। यह बैठक नैनो उद्यमों और एमएसएमई क्षेत्रों के लिए वित्तीय सहायता हेतु आवेदनों का मूल्यांकन, जांच और अनुमोदन करने के साथ-साथ जिले में योजना के कार्यान्वयन की समग्र प्रगति की समीक्षा के लिए आयोजित की गई थी। बैठक में अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त राजिंदर सिंह, महाप्रबंधक जिला औद्योगिक विकास निगम किशोर सिंह कटोच, उप निदेशक रोजगार मोहिंदर शर्मा, सहायक निदेशक रोजगार प्रियंका गुप्ता, बैंकिंग क्षेत्र के प्रतिनिधि और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। गहन जांच और चर्चा के बाद, समिति ने वित्तीय सहायता के लिए 120 मामलों को मंजूरी दी। बैठक में बोलते हुए, उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों के बीच घनिष्ठ समन्वय के माध्यम से कार्यान्वयन की गति में तेजी लाने की आवश्यकता पर बल दिया। एलडीएम को सभी स्वीकृत ऋण मामलों का समय पर प्रसंस्करण और वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। योजना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, डीसी ने युवा दूतों की निरंतर निगरानी के महत्व को रेखांकित किया और संबंधित विभागों को मिशन युवा के तहत पहुंच और लाभ को अधिकतम करने के लिए जिले भर में नियमित जागरूकता शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए।

Know Dengue for no Dengue
We can prevent ourselves from Dengue

DENGUE

- Dengue is a viral disease.
- It is transmitted by the bite of Aedes mosquito.
- Dengue Fever is a severe, flu-like illness.
- Dengue Hemorrhagic Fever & Dengue Shock Syndrome are more severe forms of disease, which may cause death if not treated properly in time.

Dengue manifests in three forms:

i) Classical Dengue fever(majority of cases are of this type and can be treated at home).
ii) Dengue Hemorrhagic Fever (severe type needs admission).
iii) Dengue Shock Syndrome (severe type needs admission).

SIGNS AND SYMPTOMS

i) Dengue Classical fever.
- High grade fever.
- Frontal headache.
- Pain behind the eyes which worsens with eye movement.
- Muscle and joint pains.
- Rashes on the body.
- Pain abdomen.
- Nausea and vomiting.

ii) Dengue Hemorrhagic Fever:
- Bleeding through Gums/nose
- small hemorrhagic spots over skin
- abdominal pain
- blood in vomiting
- blood in stools (black motion).
- Low BP, shock

iii) Dengue Shock Syndrome:
- Cold clammy limbs,
- feeble pulse
- low B.P,shock
- unconsciousness
- If not treated timely and properly can lead to death.

PREVENTION

- Avoid water stagnation in & around the house.
- Empty water reservoirs regularly like storage utensils, air coolers, plant pots, drums, flower pots and bird baths etc.Destroy and dispose off junk items like old tyres, coconut shells, disposable glasses and used cold drink bottles etc.
- Keep water tanks and other water containers tightly covered with lids.
- Use mosquito repellents/ Anti mosquito creams.
- On leaving home,do not wear clothes that expose arms and legs.
- Use mosquito nets while sleeping.
- Use netted screens for doors & windows to prevent entry of mosquitoes.
- Avoid sleeping on terrace to prevent mosquito bites.

Management

- On having symptoms of dengue go to the nearby health institution.
- The tests and treatment are available free of cost in Govt. Health Institutions. Rapid tests are not reliable and should be avoided, ELISA is the only confirmatory test.
- Don't go for self medication.
- For first aid for high grade fever in inaccessible areas and during odd hours you can use tablet Paracetamol and tepid sponging.
- Don't take pain killers and any other medicines without the consultation of Doctors.
- Most of the Dengue cases are mild and can be treated at home.
- Once the fever subsides, the patient needs to be more careful as this is "Lull before the Storm",The severe types of Dengue can develop after the fever is over. Consult doctor immediately in case of symptoms of severe type of Dengue. Patient can resume daily activities only after 2 weeks of onset of fever.
- Take adequate fluids like coconut water, lassi, fruit juices and ORS etc. Take fresh fruits & vegetables and adequate rest in case of symptoms of Dengue.

ISSUED IN PUBLIC INTEREST BY
STATE PROGRAMME OFFICER/STATE MALARIOLOGIST, J&KDIRECTORATE OF HEALTH SERVICES, JAMMU

DIP/J-4998/25
Dtd: 22-8-2025

उत्तम फसलोत्पादान के मूल मंत्र

उत्तम फसलोत्पादन के लिए आमतौर पर छोटे किसान वैज्ञानिक विधियों का ध्यान नहीं रखते और बीज, खाद, जुताई, बुआई, सिंचाई इत्यादि क्रियाओं में छोटी-छोटी किन्तु महत्वपूर्ण बातों को नजर अन्दाज कर देते हैं, जिससे न तो उत्तम पैदावार मिलती है तथा न ही उत्तम गुणवत्ता वाले कृषि उत्पाद ही मिल पाते हैं।

कटाई के बाद उत्पाद की उचित व्यवस्था और बाजार की सही जानकारी न होने के कारण उन्हें अपनी उपज का सही मूल्य भी नहीं मिल पाता।

इसलिए यहाँ इस लेख में कुछ महत्वपूर्ण बातों का उल्लेख किया जा रहा हैं। जिसको अपनाकर किसानों को न केवल उत्तम उत्पादन मिल सकता है, वरन् बाजार में उनके उत्पाद की उत्तम कीमत भी मिल सकती है। जो इस प्रकार है, जैसे-

⏩ उत्तम फसलोत्पादान के मूल मंत्र

1. समय पर बुआई करें, ताकि खेती से अधिकतम और उत्तम उत्पादन प्राप्त हो।

2. उत्तम फसलोत्पादन के लिए बीजोपचार (बीज का टीकाकरण) अवश्य करें, ताकि कम खर्च में फसलें निरोग एवं स्वस्थ रहें।

3. प्रमाणित और उन्नत के साथ अपने क्षेत्र की प्रचलित किस्म के बीज ही बोयें ताकि 15 से 20 प्रतिशत उपज बढ़ सके।

4. उत्तम फसलोत्पादन के लिए मिट्टी की जांच करवाकर सिफारिश के अनुसार संतुलित उर्वरक प्रयोग करें, जिससे उर्वरकों पर कम खर्च हो।

5. बीज की मात्रा सिफारिश के अनुसार प्रयोग करें, तथा कतार में बुआई करें ताकि प्रति ईकाई भूमि में पौधों की उचित संख्या से अच्छी बढ़वार एवं अधिक उपज प्राप्त हो सके।

6. उत्तम उत्पादन के लिए जुताई-बुआई ढलान की आड़ी दिशा में करें, ताकि वर्षा का ज्यादा पानी जमीन के अन्दर जा सके।

7. उत्तम फसलोत्पादन हेतु खेत में फसल अदल-बदल की बोयें, जिससे कीट व रोग और खरपतवारों के प्रकोप में कमी हो सके।

8. दलहनी व तिलहनी फसलों में जिप्सम का प्रयोग करें, ताकि भूमि की उर्वराशक्ति बढ़ सके तथा गुणवत्ता ठीक रहे।

9. उत्तम फसलोत्पादन के लिए फव्वारा, ड्रिप (टपका) एवं भूमिगत पाइपलाईन सिंचाई विधियों का इस्तेमाल करें, ताकि पानी की बचत हो।

10. फसल की आवश्यकता के अनुसार सिंचाई करें और आवश्यकता से अधिक पानी न दें, ताकि कम पानी में अच्छी पैदावार मिल सके।

11. मित्र कीटों का सरंक्षण करें, प्रकाश पाश एवं फेरोमोन पाश प्रयोग करें, जिससे समय पर हानिकारक कीटों की निगरानी हो सकें ताकि दवाई का प्रयोग कम हो तथा बिना दवा के कीटों पर नियंत्रण हो सके।

12. उत्तम फसलोत्पादन के लिए जैविक खेती अपनाएं, ताकि उत्पादन लागत कम हो व उत्तम उत्पाद प्राप्त हो।

13. सिफारिश के अनुसार अगेती या पछेती किस्में अपनायें ताकि विषम परिस्थितियों में भी आमदनी उत्तम हो।

14. खाद, बीज और दवा खरीदते समय बिल अवश्य लें एवं विश्वसनीय स्त्रोत से ही बीज खरीदें ताकि धोखाधड़ी से बचा जा सके तथा आदानों की गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके।

15. कृषि कार्यक्रमों में भागीदारी बढ़ाए, ताकि नवीनतम जानकारी के अनुसार समस्या का समाधान मिल सके।

16. उत्तम फसलोत्पादन के लिए उन्नत कृषि यन्त्रों का प्रयोग कर समय, श्रम और पैसे की बचत करें।

17. उत्तम उत्पादन के लिए साठी धान या अगेती धान न उगाएँ ताकि पानी बचे और जमीन की उर्वरा शक्ति सहीं बनी रहे।

18. लेजर लैंड लेवलर द्वारा भूमि का समतलीकरण करने से 10 से 15 प्रतिशत सिंचाई जल की बचत होती है, इससे उत्पादन संसाधनों की दक्षता बढ़ी है तथा फसलों की उत्पादकता में 10 प्रतिशत का लाभ होता है।